3 राजधानी
बारिश के चलते सड़कें बनी नाला

6 अभिमत
पेपर लीक का उचित समाधान

11 विदेश
फ्रांस में संसदीय चुनाव के लिए मतदान

12 स्पोर्ट्स
भारत की युवा टीम ने जिम्बाब्वे को हराया

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 255
लखनऊ, सोमवार, 8 जुलाई, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

देश के लिए मरने की नहीं, जीने की जरूरत

राष्ट्रीय-10

घाटी में सेना ने आतंकी किए ढेर

● 24 घंटे में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग मुठभेड़ों छह आतंकी मार गिराए, दो जवान भी हुए बलिदान

मोहित कंधारी। जम्मू

कुलगाम में आतंकवादियों से मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बल के जवान

कश्मीर घाटी में सक्रिय स्थानीय आतंकवादियों के खिलाफ सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम की बड़ी कार्रवाई में पिछले 24 घंटों के दौरान दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में कम से कम से कम छह आतंकवादियों को मार गिराया है। इस अभियान में एक पैरा कमांडो समेत भारतीय सेना के दो जवान शहीद हो गए। दोनों मुठभेड़ें शनिवार को उस समय हुई जब सुरक्षा बलों ने इन दो गांवों में आतंकियों के छिपे होने की सूचना के बाद मोदरगाम और चिन्नीगाम गांवों में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। शहीद जवानों की पहचान पैरा कमांडो लांस नायक प्रदीप कुमार और सिपाही प्रवीण जंजाल प्रभाकर के रूप में हुई है।

वरिष्ठ प्रशासनिक, पुलिस और सेना के अधिकारियों ने रविवार को शहीद सैनिकों के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक स्थानों पर भेजने से पहले बीबी छावनी में एक शोकपूर्ण पुष्पांजलि समारोह में जवानों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। श्रीनगर में, पुलिस महानिदेशक, आरआर स्वैन ने रविवार को संवाददाताओं को बताया कि कुलगाम जिले में दो अलग-अलग जगहों पर मुठभेड़ हुई। इस ऑपरेशन में छह (6) आतंकवादियों को मार गिराया गया। डीजीपी ने कहा कि यह सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और ये सफलताएं सुरक्षा वातावरण को मजबूत करने में महत्वपूर्ण हैं। स्थानीय लोग आतंकवाद को खत्म करने के लिए एक साथ आ रहे हैं और ऑपरेशन तेजी पकड़ रहा है। मौजूदा ऑपरेशन अभी भी जारी है और हमें स्थानीय आतंकवादियों के शामिल होने की भी सूचना मिली है। मारे गए आतंकवादियों की पहचान तुरंत नहीं हो सकी क्योंकि एक स्थान पर अभी भी ऑपरेशन चल रहा था।

जहां सुरक्षा बल दावा कर रहे हैं कि घाटी में सक्रिय स्थानीय आतंकवादियों की संख्या में कमी आई है और अभी तक पाकिस्तान यहां आतंक फैलाने में विदेशी आतंकवादियों पर निर्भर था। हालांकि, अपुष्ट रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि ऑपरेशन में मारे गए स्थानीय आतंकवादी अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पाकिस्तान समर्थक आतंकवादी संगठन में शामिल हो गए थे। ग्राउंड रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा बलों ने फ्रिसल के चिन्नीगाम गांव में छिपे आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए एक ठिकाने को उड़ा दिया, जबकि मोदरगाम के एक अन्य स्थान पर मुठभेड़ अभी भी जारी थी। जून 2024 में जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी हमलों की श्रृंखला में अचानक तेजी आने के बाद कश्मीर घाटी में सुरक्षा ने लगातार आतंकवाद विरोधी अभियान में लगातार दो मुठभेड़ में छह आतंकवादियों को खत्म करके बड़े पैमाने पर आतंकवादी हिंसा को रोका। घाटी के सभी जिलों में से, दक्षिण कश्मीर के कुलगाम, शोपियां और पुलवामा जिलों में इस साल आतंकवादी हिंसा की सबसे अधिक घटनाएं हुई हैं। 1 जनवरी, 2024 से, जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी हिंसा की लगभग दो दर्जन घटनाएं हुई हैं, जिनमें 27 आतंकवादियों को मार गिराया गया, 17 नागरिकों की जान गई है और 4 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए (शेष पेज 9)

मुंबई में पोर्शे की तरह हुआ हादसा बीएमडब्लू ने महिला को कुचला

टीएन रघुनाथ। मुंबई

मुंबई के वर्ली पुलिस स्टेशन में रविवार को खड़ी क्षतिग्रस्त बीएमडब्ल्यू कार। इसी कार से हुए हिट एंड रन के मामले में एक बाइक से हुई टक्कर में एक महिला की मौत हो गई थी।

एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के उपनेता राजेश शाह के नशे में धुत बेटे मिहिर शाह द्वारा कथित तौर पर चलाई जा रही एक हाई-एंड बीएमडब्ल्यू कार ने रविवार की सुबह दक्षिण-मध्य मुंबई के वर्ली में एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे एक महिला की मौत हो गई और उसका पति घायल हो गया। मुंबई के वर्ली इलाके में रविवार सुबह यह हादसा हुआ था। मामले में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि इस मामले में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। नियम के अनुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के समय गाड़ी चला रहा आरोपी मिहिर शाह हादसे के बाद से फरार है, जबकि उसके पिता और पालघर जिले के शिंदे सेना के उपनेता राजेश शाह और ड्राइवर राजेंद्र सिंह बिजावत को घटना के तुरंत बाद पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया।

यह दुर्घटना पुणे के बहुचर्चित पोर्श हिट-एंड-रन मामले के ठीक बाद हुई है, जिसमें दो मोटरसाइकिल सवार सॉफ्टवेयर इंजीनियर मारे गए थे। सुबह 5.30 बजे मुंबई कोस्टल रोड पर अटरिया मॉल और वर्ली के बीच हुई, जब दो मछली विक्रेता कावेरी और प्रदीक नकवा के दोपहिया वाहन को तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू ने पीछे से टक्कर मार दी, जिसे कथित तौर पर मिहिर शाह चला रहा था। कावेरी और प्रदीक एक नीलामी में मछली स्टॉक खरीदने के बाद दक्षिण मुंबई के कोलाबा में ससून डॉक से लौट रहे थे, जिसे वे स्थानीय बाजार में बेचते हैं। तेज रफ्तार कार की टक्कर लगने के बाद, दोनों हवा में उछल गए और वे एसयूवी के बोनट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गए।

हालांकि, तेज रफ्तार कार मौके से भाग गई। कावेरी (45) को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे भर्ती होने से पहले मृत घोषित कर दिया गया। परदीक को गंभीर चोटें आईं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मिहिर ने उत्तर-पश्चिम मुंबई के जुहू में अपने कुछ दोस्तों के साथ एक बार में शराब पी और बाद में घर के लिए निकल गया। रास्ते में उसने जोर देकर कहा कि वह गाड़ी चलाएगा और नशे की हालत में उसने ड्राइवर से गाड़ी ले ली। कथित तौर पर दुर्घटना के समय वह गाड़ी चला रहा था। वर्ली पुलिस ने हाल ही में लागू भारतीय न्याय संहिता और मोटर वाहन अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। वर्ली पुलिस उस बार की सीसीटीवी फुटेज हासिल कर रही है, जहां मिहिर और उसके दोस्तों ने शराब पी थी। दुर्घटना के बाद मिहिर के शिंदे सेना नेता पिता राजेश शाह और शाह के परिवार के ड्राइवर राजेंद्र सिंह बिदावत को हिरासत में लेकर पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। वे फरार मिहिर की भी तलाश कर रहे हैं। इस बीच, जांचकर्ताओं (शेष पेज 9)

हाथरस कांड में बाबा से भी हो सकती है पूछताछ

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश सरकार का न्यायिक आयोग हर उस व्यक्ति से बात करेगा जिससे दो जुलाई को हाथरस में मची भगदड़ के मामले की जांच के लिए बात करना आवश्यक होगा। जांच आयोग के एक सदस्य ने रविवार को यह बात तब कही जब उनसे पूछा गया कि क्या स्वयंभू भोले बाबा से पूछताछ की जाएगी। आयोग के एक अन्य सदस्य और अध्यक्ष इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने हाथरस में मीडिया से बातचीत में कहा कि न्यायिक आयोग सार्वजनिक नोटिस जारी कर स्थानीय लोगों और इस घटना के प्रत्यक्षदर्शियों से भगदड़ के संबंध में कोई सबूत साझा करने तथा अपना बयान दर्ज कराने के लिए कहेगा। श्रीवास्तव की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय दल में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी हेमंत राव और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी भावेश कुमार भी शामिल हैं। यह पूछने पर कि क्या न्यायिक आयोग स्वयंभू बाबा से भी पूछताछ करेगा, इस पर भावेश कुमार ने कहा, आयोग हर उस व्यक्ति से बात करेगा जिससे (शेष पेज 9)

तमिलनाडुः बसपा नेता की हत्या ने पकड़ा तूल

चेन्नई। कुमार चेलप्पन

तमिलनाडु बसपा अध्यक्ष के आर्मस्ट्रांग की शुक्रवार शाम को उनके घर के सामने बाइक सवार छह लोगों द्वारा की गई जघन्य हत्या 1980 के दशक के अंडरवर्ल्ड डॉन के किरदार निभाने वाले खलनायकों की याद दिलाती है। घटनाक्रम पर नजर रख रहे खुफिया ब्यूरो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह एक तरह से बदला लेने वाली हत्या है, क्योंकि मारे गए नेता के भी तार अंडरवर्ल्ड से जुड़े थे।

इस हत्याकांड के बाद रविवार को चेन्नई पहुंची बसपा की राष्ट्रीय सुप्रीमो मायावती ने कहा कि तमिलनाडु में दलित सुरक्षित नहीं हैं। आर्मस्ट्रांग को श्रद्धांजलि देने के बाद मायावती ने कहा, राज्य में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। उन्होंने आर्मस्ट्रांग की हत्या की जांच सीबीआई से कराने की मांग करते हुए कहा कि हमें तमिलनाडु पुलिस पर भरोसा नहीं है। उन्होंने आर्मस्ट्रांग की विधवा हुई पत्नी को सांत्वना देते और मारे गए बसपा नेता की डेढ़ साल की बेटी को गले लगाते और चूमते हुए देखी गईं। मायावती ने खुद बच्ची का नाम सावित्री रखा था। मायावती ने कहा कि हत्या के सिलसिले में पुलिस ने जिन लोगों को हिरासत में लिया है, वे असली अपराधी नहीं हैं।

आर्मस्ट्रांग के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद मायावती ने कहा, वे एक मेहनती और समर्पित बसपा नेता और राज्य पार्टी प्रमुख की उनके आवास के बाहर हत्या ने मुझे और मेरे पूरे परिवार को बहुत दुख पहुंचाया है। उन्होंने कहा, आर्मस्ट्रांग अंबेडकर के दर्शन से जुड़े थे और बुद्ध के अनुयायी थे, इसलिए जब उन्होंने राजनीति में काम करने का फैसला किया, तो उन्होंने बसपा को चुना। उन्होंने तमिलनाडु में बसपा के विकास के लिए प्रयास किया।

सेल्वापेरुंथगई के कांग्रेस में शामिल होने के बाद आर्मस्ट्रांग को टीएनसीसी प्रमुख नियुक्त किया गया था। तमिलनाडु की राजनीति में दलित नेता एक-दूसरे से सहमत नहीं होते, भले ही वे एक ही पार्टी के हों। खुफिया अधिकारी ने कहा, जब अगस्त 2023 में एक गैंगस्टर अर्काट सुरेश की हत्या हुई, तो आर्मस्ट्रांग को हत्या से जुड़ाव की खबरें आईं। ये सभी नेता अपने द्वारा आयोजित कंगारू (अवैध) अदालतों के लिए कुख्यात थे। आर्मस्ट्रांग कंगारू अदालतों के प्रमुख चेहरों में से एक थे।

श्री टीवी के संपादक गौतम रामकृष्णन के अनुसार, शुक्रवार देर रात पोन्नई बालू की गिरफ्तारी आर्मस्ट्रांग की हत्या के बारे में बहुत कुछ कहती है। गौतम ने कहा, बालू अर्काट सुरेश का भाई है और इस मामले में उसकी संलिप्तता जिज्ञासा पैदा करने वाली है। उन्होंने कहा कि कोई भी बसपा नेता और कार्यकर्ता के इस दावे को नहीं पचा सकता कि आर्मस्ट्रांग की हत्या एक राजनीतिक हत्या थी। गौतम ने कहा, अगर आप पिछले उदाहरणों को देखें, तो यह साबित हो सकता है कि ऐसी हत्याओं में राजनीति से कहीं अधिक कुछ था। उन्होंने बताया कि आर्मस्ट्रांग के गिरोह ने विहार (बुद्ध मंदिर) बनाने के बहाने कई पोरोमबोके जमीन (शेष पेज 9)

राज्यपाल मामले में बंगाल पुलिस अफसरों पर होगी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता/नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अफवाह फैलाकर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के कार्यालय को कथित तौर पर बदनाम करने के लिए कोलकाता के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल और एक पुलिस उपायुक्त के खिलाफ गृह मंत्रालय ने अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की है। गृहमंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि गृह मंत्रालय ने यह कार्रवाई पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस द्वारा गोयल और कोलकाता पुलिस उपायुक्त इंदिरा मुखर्जी के संबंध में उस रिपोर्ट के सौंपे जाने के बाद शुरू की है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि वे इस तरह काम कर रहे हैं, जो एक लोक सेवक के लिए पूरी तरह से अनुचित है। उन्होंने कहा कि बोस ने जून के अंतिम सप्ताह में गृहमंत्री को सौंपी अपनी रिपोर्ट में इस मुद्दे को उठाया है कि कोलकाता पुलिस के अधिकारी चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ितों को उनसे मिलने की अनुमति नहीं दे रहे हैं, जबकि उन्होंने इसके लिए उन्हें जरूरी अनुमति दे दी थी। उन्होंने बताया कि पत्र की प्रतियां चार जुलाई को राज्य सरकार को भेज दी गई थीं। बंगाल के राज्यपाल ने राजभवन में तैनात (शेष पेज 9)

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा आरंभ

पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर में तीन घंटे के पहांडी अनुष्ठान के सम्पन्न होने के बाद रविवार को भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा को रथों पर विराजमान किया गया। वार्षिक रथयात्रा में लाखों श्रद्धालुओं के साथ सहभागिता करने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी पहुंची

गुजरात के मेहसाणा का आलू बना दुनिया में लोगों की पहली पसंद

दीपक कुमार झा। अहमदाबाद

गुजरात के संपन्न शहर अहमदाबाद से लगभग 50 किलोमीटर दूर शांत शहर मेहसाणा है। दशकों से यह कृषि प्रधान जिला मेहसाणा देशभर में गेहूं, ज्वार, सरसों, कपास, सौंफ, जीरा आदि जैसी फसलों की आपूर्ति करता रहा है। लेकिन हाल ही में एक फसल जिसने सभी का वैश्विक स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है, वह है मेहसाणा का आलू। यहां आलू का उत्पादन इतना अधिक है कि मेहसाणा को अब भारत की आलू की राजधानी कहा जाता है।

वॉलमार्ट, केएफसी, टैको बेल, सबवे, मैकडॉनल्ड्स, बर्गर किंग, पिज्जा हट, डोमिनोज पिज्जा, लुलु ग्रुप, द पिज्जा कंपनी, टेस्को जैसे वैश्विक ब्रांडों से लेकर आईटीसी, गोदरेज और मदर डेयरी जैसी भारतीय कंपनियां फ्रेंच फ्राइज, पैटीज, हैश ब्राउन, चीज पॉपर्स और पोटैटो फ्लैक्स, आलू की खासियतों के लिए मेहसाणा का रुख कर रही हैं।

दुनिया भर के आलू प्रेमी चाहे वह अमेरिका, जापान, यूरोप, मध्य पूर्व, दक्षिण पूर्व एशिया के हो सभी मेहसाणा से निर्यात किए जा रहे आलू के व्यंजनों का लुत्फ उठा रहे हैं। एक कंपनी जिसने वैश्विक दिग्गजों को पीछे छोड़ते हुए भारत को आलू के व्यंजनों का शुद्ध निर्यातक बना दिया है, वह है हाइफन फूड्स और यह एक दशक से भी कम समय में हुआ है। अहमदाबाद-मेहसाणा राजमार्ग पर स्थित हाइफन फूड्स आलू व्यापारी के बेटे हरेश करमचंदानी के दिमाग की उपज है, जिसका हर भारतीय के घर में

इस मुख्य खाद्य पदार्थ के प्रति आकर्षण बहुत कम उम्र से ही शुरू हो जाता है। वर्ष 1962 में उद्यमियों की पहली पीढ़ी ने आसनदास एंड संस की शुरुआत की, जिसने आलू और प्याज का व्यापार शुरू किया, जबकि दूसरी पीढ़ी ने व्यवसाय का और विस्तार किया। प्रबंध निदेशक और समूह के सीईओ हरेश करमचंदानी की अगुवाई में तीसरी पीढ़ी ने आलू के विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाने के लिए वर्ष 2015 में हाइफन की स्थापना की।

हरेश करमचंदानी ने द पायनियर से बातचीत में बताया कि यह एक छोटी सी शुरुआत थी, जहाँ उन्होंने एक बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनी को चुनौती दी, जिसने पास में ही अपना संयंत्र शुरू किया है लेकिन जल्द ही उन्होंने भारत समेत वैश्विक स्तर पर बड़ी कंपनियों का भरोसा जीत लिया और अब वह अपने उत्पादों को 40 से अधिक देशों में निर्यात कर रहे हैं। दो चीजें जो हाईफन फूड्स की शानदार सफलता का कारण बनीं, वे हैं तकनीक को तेजी से अपनाना और किसानों के साथ मजबूत साझेदारी। उन्होंने कहा, हमने अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्र स्थापित किए और किसानों के साथ हमारी मजबूत साझेदारी हैं, जिन्हें हम दुनिया के सबसे अच्छी आलू की फसल का उत्पादन करने के लिए बीज और अन्य तकनीकी जानकारी के साथ सहयोग करते हैं, जिसके कारण सब कुछ बदल दिया। आज हमारे पास दो संयंत्र हैं, जबकि 1000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से स्थापित की जा रही तीन नई उत्पादन इकाइयाँ जल्द ही शुरू हो जाएंगी। इसके चालू होने से छह हजार से अधिक किसानों का हमारा परिवार भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मेहसाणा पहले से ही अपने उच्च गुणवत्ता वाले आलू आधारित उत्पादों के लिए वैश्विक मानचित्र पर छाया है। अब यह और बेहतर होने जा रही है। बड़े निवेशक इसके लिए मेहसाणा आ रहे हैं। हमने पहले ही वैश्विक लॉजिस्टिक दिग्गज कंपनी मेर्सक के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है, जो 110 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ विशेष रूप से हमारे लिए एक नई कोल्ड चेन सुविधा स्थापित कर रही है। भारत और विदेश से अधिक से अधिक फास्ट-फूड कंपनियां अनुबंध के लिए संपर्क कर रहे हैं। यह तो बस शुरुआत है। करमचंदानी ने कहा कंपनी अगले कुछ महीनों में नए उत्पाद पिज्जा, कबाब, मोमोज, प्रसंस्कृत सब्जियां आदि लांच करने की तैयारी में है। वर्ष 2015 में अपनी स्थापना के बाद से केवल सात वर्षों में 1000 करोड़ रुपये का राजस्व पार कर लिया है। पिछले वित्त वर्ष में इसने 1,200 करोड़ रुपये का कारोबार दर्ज किया, जिसमें से 70 फीसदी निर्यात के माध्यम से आया, और इसकी योजना (शेष पेज 9)

नेपाल व सीमावर्ती राज्यों पर इस बार 'मित्र वन' बसाएगी योगी सरकार

● वृक्षारोपण जन अभियान में 35 सीमावर्ती राज्यों पर भी होगा पौधरोपण

लखनऊ। योगी सरकार वृक्षारोपण जन अभियान-2024 के तहत पड़ोसी देश नेपाल व यूपी के सीमावर्ती राज्यों पर 'मित्र वन' बसाएगी। इसके लिए 35 वन प्रभागों द्वारा स्थानों का चयन कर लिया गया है। सीएम योगी के निर्देश पर 35 करोड़ पौधरोपण के साथ ही हरीतिमा बढ़ाने के लिए वन विभाग पड़ोसी देश व राज्यों भी समन्वय स्थापित कर रहा है। यही नहीं, सीमाओं पर यूपी की जमीन में पौधरोपण के साथ ही वन विभाग दूसरे राज्यों के गणमान्यों को इस महाभियान से जोड़ेगा।

सीएम योगी की तरफ से तिथि निर्धारित (20 जुलाई) होने के उपरांत वन विभाग वृक्षारोपण जन अभियान-2024 की सफलता में जुट गया है। इसके तहत यूपी के सीमावर्ती जनपदों में व्यापक पौधरोपण कार्यक्रम भी होगा। सीमावर्ती जनपदों से लगने वाले 35 जनपदों में भी इसकी तैयारी पुरजोर ढंग से की जा रही है। सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, सोनभद्र, मीरजापुर, प्रयागराज, चित्रकूट, बांदा, महोबा, झांसी, ललितपुर, जालौन, इटावा, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, नोएडा, गाजियाबाद, बागपत व शामली में व्यापक पौधरोपण कार्यक्रम की तैयारी की जा चुकी है।

योगी सरकार की नई पहल मित्र वन को बसाने के प्रयास में विभाग जुटा है। इसके लिए सीमावर्ती राज्यों के साथ ही मित्र राष्ट्र नेपाल के समीप भी पौधरोपण महाभियान चलाने की कार्रवाई होगी। विगत दिनों एक कार्यक्रम में सीएम योगी ने नेपाल की

तरफ पौधरोपण को लेकर चिंता भी जाहिर की थी। इसे देखते हुए वन विभाग इस बार नेपाल के बॉर्डर वाले सोनौली महराजगंज, लखीमपुर खीरी, श्रावस्ती, बहराइच, पीलीभीत समेत सभी जनपदों की सीमाओं पर भी मित्र वन स्थापित करेगी।

यहां पौधरोपण के दौरान न सिर्फ उत्तर प्रदेश के जनप्रतिनिधि, बल्कि पड़ोसी देश से भी समन्वय स्थापित कर उन्हें इस कार्यक्रम से जोड़ने की पहल की जाएगी। प्रधान मुख्य वन संरक्षक व विभागाध्यक्ष सुधीर कुमार शर्मा ने 35 वन प्रभागों द्वारा मित्र वन स्थापना के लिए स्थान का चयन करते हुए पड़ोसी देश नेपाल व सीमावर्ती राज्य के गणमान्य अतिथियों से कराए जाने वाले पौधरोपण के लिए पौध प्रजातियों को चिह्नित करने का भी निर्देश दिया है। उन्होंने पौध प्रजाति के चयन में पड़ोसी देश/राज्य के वन विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर उनकी राय प्राप्त करने और पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित कर इसकी सूचना वन मुख्यालय स्थित कमांड सेंटर को उपलब्ध कराने को कहा है। मित्र वन के साथ ही वृक्षारोपण जनभियान 2024 के अन्तर्गत उक्त के अतिरिक्त प्रत्येक जनपद में शक्ति वन, युवा वन, बाल वन जैसे विशिष्ट वनों की स्थापना के भी निर्देश दिए गए हैं। अपर मुख्य वन संरक्षक पीपी सिंह ने बताया कि वृक्षारोपण जन अभियान-2024 के तहत इस बार मित्र वन की स्थापना की जाएगी। यूपी से सटे बिहार, उत्तराखंड, दिल्ली, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत सभी राज्यों के आसपास मित्र वन स्थापित होंगे। इसके लिए विभाग ने सारी तैयारी भी कर ली है। सीएम योगी के निर्देश पर 35 करोड़ पौधरोपण के लिए नर्सरी में पौधे भी तैयार हो गए हैं। मित्र वन बसाने और उसे समृद्ध बनाने के लिए संबंधित प्रभागों के डीएफओ को निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं।

आयुध नगरी के रूप में विकसित हो रहा 'पूरब का मैनचेस्टर'

● कानपुर में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर ले रहा आकार, 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक का निवेश

लखनऊ। कभी 'पूरब का मैनचेस्टर' कहा जाने वाला कानपुर आने वाले दिनों में आयुध नगरी के रूप में विख्यात होने जा रहा है। देश को रक्षा उत्पाद के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देशन में यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपी डीआईसी) तेजी से आकार ले रहा है। यूपी डीआईसी के प्रदेश में छह नोड हैं, जिसमें कानपुर नोड में सर्वाधिक निवेश हो रहा है। कानपुर नोड में सबसे बड़े पैमाने पर रक्षा क्षेत्र से जुड़े उत्पादों का निर्माण होगा। इसमें छोटे-बड़े हथियारों से लेकर गोला-बारूद और देश की सेना के लिए अत्याधुनिक वस्त्रों का निर्माण भी शामिल है। यही नहीं कानपुर नोड में अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़े उपकरणों को भी निर्मित किया जाएगा।

कानपुर के नरवल तहसील अंतर्गत साढ़ में 218 हैक्टेयर से अधिक भूमि पर डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर आकार ले रहा है। यूपीडा के अधिकारियों के अनुसार अबतक यहां 24 कंपनियों ने निवेश की इच्छा जाहिर की है, जिसमें से पांच कंपनियों ने निवेश शुरू करते हुए कार्य प्रारंभ कर दिया है। इसमें सबसे बड़ा नाम अदाणी समूह का है, जिसने बीते फरवरी माह से ही यहां अपनी फैक्ट्री शुरू कर दिया है। 1500 करोड़ रुपए के निवेश से शुरू हुए इस प्रोजेक्ट के जरिए छोटे, मध्यम और बड़े कैलिबर के गोलाबारूद के विविध रेंज का निर्माण किया जाएगा। वहीं इसके अलावा 38 करोड़ रुपए से आधुनिक मैटेरियल एंड साइंसेज़ प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सैनिकों के लिए अत्याधुनिक वस्त्रों के निर्माण का कार्य भी शुरू हो चुका है। वहीं 360 करोड़ रुपए से नेत्र ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड आर्टलरी शेल का निर्माण करेगी और 3500 करोड़ रुपए से अनंत टेक्नोलॉजी एलईओ और जीईओ सैटेलाइट निर्माण से जुड़े उपकरण तैयार करेगी।

यूपीडा के अधिकारियों के अनुसान कानपुर नोड के लिए अबतक 210 हैक्टेयर से अधिक भूमि अलॉट की जा चुकी है। डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के कानपुर नोड से कुल 18 हजार से भी अधिक रोजगार सृजन होने की उम्मीद है। वहीं अबतक कुल 17 सौ करोड़ से अधिक का निवेश धरातल पर उतर भी चुका है, जिससे फिलहाल ढाई हजार रोजगार युवाओं को प्राप्त हुए हैं। कानपुर नोड में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए योगी सरकार 62 करोड़ रुपए से अधिक खर्च करेगी। इसमें से लगभग 33 करोड़ रुपए के कार्य पूरे हो चुके हैं। इसके अलावा 16 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य निर्माणाधीन हैं। वहीं 13 करोड़ से अधिक के कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है।

प्रदेश के 17,342 कारीगर और शिल्पकार हुए प्रशिक्षित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कारीगरों और शिल्पकारों के सशक्तिकरण के उद्देश्य से शुरू की गई पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत उत्तर प्रदेश के 21 जनपदों में 17,342 कारीगरों और शिल्पकारों को प्रशिक्षण दिया गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य कारीगरों और शिल्पकारों की आजीविका में सुधार लाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। योजना के अंतर्गत आगरा, अम्बेडकर नगर, अयोध्या, आजमगढ़, बहराइच, बलिया, बलरामपुर, फिरोजाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, गाजीपुर, जौनपुर, झांसी, कौशांबी, लखीमपुर खीरी, ललितपुर, मऊ, प्रतापगढ़, सहारनपुर, सोनभद्र और वाराणसी में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से योगी सरकार कारीगरों का कौशल निखारकर उन्हें रोजगार के साथ ही स्वरोजगार के लिए सक्षम बना रही है। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान कारीगरों और शिल्पकारों को विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षित किया गया, जिनमें असिस्टेंट बारबर, सैलून सर्विसेस, असिस्टेंट हेयर ड्रेसर, ब्लैकस्मिथ (लोहार), ब्रिक मेसन, बेसिक, कारपेंटर्स, कंक्रीट मेसन-बेसिक, गोल्डस्मिथ (सुनार), हैमर एंड टूल किट मेकर, प्लास्टर मेसन-बेसिक, पॉटर (कुम्हार), शूजस्मिथ (कॉबलर), टेलर (दर्जी), ट्रेडिशनल मालाकार, ट्रेडिशनल सॉफ्ट टॉय मेकर और वॉशरमैन शामिल हैं। पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत प्रशिक्षित कारीगरों और शिल्पकारों ने अपनी दक्षताओं में सुधार किया है और उन्हें अपने व्यवसाय में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षण मिला है। इस योजना से न केवल उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी वृद्धि हुई है।

बनारसी साड़ी को ओडीओपी में शामिल करने से काशी के कारीगरों के हुनर को मिली अंतरराष्ट्रीय उड़ान

लखनऊ/वाराणसी। काशी की जीआई और ओडीओपी उत्पाद बनारसी साड़ी अंबानी परिवार की शादी में रंग बिखेरेगी। काशी की इस प्राचीन कला को जीआई टैग मिलने से विश्व में बनारसी साड़ी को अलग ही पहचान मिली है। योगी सरकार द्वारा बनारसी साड़ी को वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट में शामिल करने से काशी के कारीगरों का हुनर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उड़ान भर रहा है। बनारसी साड़ी को नई पहचान मिलने के बाद इसकी ख्याति और बढ़ती जा रही है। फ़िल्म इंडस्ट्री हो या देश दुनिया के सबसे बड़े औद्योगिक घराने, बनारसी साड़ी सबको खूब भाती है। वहीं बेटे की शादी के लिए नीता अंबानी ने भी इसी ख़ास बनारसी साड़ी का ऑर्डर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जीआई उत्पाद व वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट के ब्रांड अंबेसडर के रूप में देश के शिल्पियों के हुनर को नया बाज़ार दिया है। देश के सबसे बड़े

औद्योगिक घरानों में शुमार मुकेश अंबानी की पत्नी नीता अंबानी अपने बेटे की शादी के लिए यह साड़ी खरीदने कुछ दिन पहले बनारस पहुंची थीं। नीता अंबानी साड़ी की दुकान से लेकर बुनकर के घर तक गईं।

उन्होंने करघे पर बुनकरों की बुनाई करते हुए कारीगरी को भी देखा। साथ ही बनारसी साड़ी के कारीगरों से इसकी बारीकियां भी समझीं। जीआई एक्सपर्ट पद्मश्री डॉ रजनीकांत ने बताया कि जीआई टैग की बनारसी साड़ी 100 प्रतिशत हैंडलूम और सिल्क की होती है। नीता अंबानी ने पसंद किया है। अब अंबानी परिवार की ओर से बनारसी साड़ी को पसंद किये जाने से दुनिया में इसका आकर्षण बढ़ेगा। बनारसी परंपरागत वस्त्रों के साथ ही जीआई और ओडीओपी उत्पादों के सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर प्रधानमंत्री और सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ हैं, जिन्होंने इसका विस्तार पूरी दुनिया में किया है।

बेटे की शादी के लिए नीता अंबानी ने दिया है ऑर्डर

नीता अंबानी ने बेटे की शादी के लिए ढेर सारी बनारसी साड़ियों का आर्डर दिया है। साड़ी के व्यापारी और एक्सपोर्टर प्रवीण अग्रवाल बताते हैं कि बनारसी साड़ी को जीआई उत्पाद में शामिल होने और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा इसे ओडीओपी में शामिल करने से पुरातन कला और बुनकरों को नया जीवन मिला है। अंबानी परिवार की इस शादी में जब बनारसी साड़ी पहनी जाएगी, तब इसकी चर्चा पूरी दुनिया में फिर से होगी। इससे बनारसी साड़ी का बाजार एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय फलक छुएगा। सुविधा साड़ी के मालिक और युवा उद्यमी अमित शेवारामानी बताते हैं कि मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में विश्व भर के उद्योगपति, सेलिब्रटी और विभिन्न क्षेत्रों के शीर्षस्थ लोगों के बीच बनारसी साड़ी को एक बार फिर नई बुलंदी और हुनरमंद कारीगरों को काम मिलेगा।

साठ प्रतिशत उपभोक्ता कर रहे बिजली बिल का डिजिटल भुगतान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए विगत 7 वर्ष में योगी सरकार ने जो प्रयास किए हैं, उसका असर साफ देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश विद्युत निगम लि.(यूपीपीसीएल) ने कंज्यूमर फ्रेंडली ऐसे कई कदम उठाए हैं, जिसके चलते विद्युत सेवाएं प्राप्त करना बहुत आसान हो गया है। इसके माध्यम से स्वयं बिल जेनरेट करने के साथ-साथ ऑनलाइन बिल का भुगतान करने के मामलों में आमूलचूल वृद्धि हुई है। यही नहीं, नए कनेक्शंस, बिल करेक्शन, कंप्लेंट और टैरिफ चेंज जैसी सुविधाओं के लिए यूपीपीसीएल का कंज्यूमर एप लोगों की मुश्किलों को आसान कर रहा है। वो दिन लोग भूले नहीं होंगे जब बिजली का बिल जमा करने के लिए लोगों को बिजली विभाग के कार्यालयों में घंटों लाइन में लगना पड़ता था। हालांकि, यूपीपीसीएल ने कंज्यूमर फ्रेंडली जो सुविधाएं शुरू की हैं उसके माध्यम से काउंटर्स पर फिजिकली बिजली बिल जमा करने वालों की संख्या मात्र 32 प्रतिशत रह गई है, जबकि 68 प्रतिशत तक उपभोक्ता ऑनलाइन, ई वॉलेट और सीएससी के माध्यम से बिल का भुगतान करने में सक्षम हुए हैं। सबसे ज्यादा 39 प्रतिशत ऑनलाइन पेमेंट किया जा रहा है, जबकि ई वॉलेट के माध्यम से 21 प्रतिशत तक भुगतान हो रहा है। वहीं विभिन्न कार्ड (क्रेडिट और डेबिट कार्ड) के जरिए 8 प्रतिशत तक भुगतान किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त यूपीपीसीएल ने नए कनेक्शन प्राप्त करने के लिए फेसलेस मैकेनिज्म के तहत झटपट पोर्टल, निवेश मित्र और पीटीडब्ल्यू पोर्टल की शुरुआत की है, जिसके माध्यम से उपभोक्ताओं को नए कनेक्शन के लिए विद्युत विभाग के कार्यालय जाकर समय बर्बाद करने की आवश्यकता नहीं रह गई है। यही नहीं, ऑनलाइन ऑटो लोड इनहैंसमेंट, सेल्फ बिल जेनरेशन भी संभव हुआ है। इसके साथ ही, यदि आपका बिल गलत आ गया है तो इसे भी ऑनलाइन पोर्टल या एप के माध्यम से रिवीजन के लिए भेज सकते हैं। इसी तरह अपने नाम व एड्रेस में करेक्शन के लिए भी ऑनलाइन सुविधा का लाभ उठा सकते हैं, जबकि ऑनलाइन ही अपनी कैटेगरी में बदलाव, पर्मानेंट डिसकनेक्शन की भी सुविधा मिल रही है।

यूपीपीसीएल के अध्यक्ष आशीष कुमार गोयल के अनुसार, यूपीपीसीएल कंज्यूमर एप के माध्यम से भी आसानी से नए कनेक्शन, बिल करेक्शन, कंप्लेंट रिड्रेसेल और टैरिफ में बदलाव इत्यादि की सुविधा का उपभोक्ता लाभ उठा रहे हैं। इसी में असिस्टेड बिलिंग की भी सुविधा दी गई है, जिसके जरिए बिलिंग की क्वालिटी में बड़े सुधार के लिए आग्रह किया जा सकता है। यही नहीं, विभाग ने उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए किस्तों में बिल अदा करने की भी सुविधा प्रदान की है। उपभोक्ताओं के परिसर में ही रियल टाइम बिल रीडिंग, बिल जेनरेशन और पेमेंट की भी सुविधा ने लोगों का काफी समय बचाया है। इसके अतिरिक्त बैंक और फिनटेक कंपनियां कलेक्शन प्वॉइंट्स के रूप में ऑनबोर्ड हुई हैं।

1912 को विद्युत आपूर्ति से संबंधित शिकायतों के लिए व्यापक रूप से संचालित किया जा रहा है। सोशल मीडिया की महत्ता को समझते हुए यूपीपीसीएल ने इसको भी संवाद का माध्यम बनाया है। फेसबुक, एक्स जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स सभी जिलों में कंज्यूमर्स के साथ संवाद स्थापित करने का अच्छा माध्यम बन रहे हैं। लोग इन सोशल मीडिया माध्यमों के जरिए न सिर्फ विद्युत आपूर्ति से संबंधित शिकायतें कर पा रहे हैं, बल्कि विभिन्न समस्याओं को रख पा रहे हैं। विभाग की ओर से भी इन शिकायतों एवं समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। सभी डिस्कॉम्स में डेडिकेटेड सोशल मीडिया सेल्स बनाए गए हैं। वॉट्सएप, एसएमएस के जरिए उपभोक्ताओं को उनके बकाया बिलों और भुगतान की तारीखों के बारे में अलर्ट भेजने की सुविधा शुरू की गई है।

मल्टी एंड रीलिंग यूनिट्स से लैस होंगे महाराजगंज, बस्ती, सहारनपुर व औरैया

● रेशम विकास विभाग ने शुरू की 10 बेसिन युनिट्स की क्रय प्रक्रिया, इन मशीनों की डिलीवरी व इंस्टॉलेशन के लिए होगी कॉन्ट्रैक्टर एजेंसी की नियुक्ति

लखनऊ। उप्र में सकारात्मक कारोबारी माहौल को बढ़ाकर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाने के लक्ष्य की ओर बढ़ रही योगी सरकार रेशम उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर कार्य कर रही है। सीएम योगी के विजन अनुसार प्रदेश में रेशम उद्योग को बढ़ाने के लिए विभिन्न क्लस्टरों में बड़े स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। अब सीएम योगी की मंशा अनुसार महाराजगंज, बस्ती, सहारनपुर व औरैया को मल्टी एंड रीलिंग यूनिट्स से लैस करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इन रीलिंग यूनिट्स के अंतर्गत 10 बेसिन युनिट्स की क्रय प्रक्रिया रेशम विभाग ने शुरू कर दी है। इस क्रय प्रक्रिया को कॉन्ट्रैक्टर एजेंसी द्वारा पूरा किया जाएगा जिसे रेशम विभाग नियुक्त करेगा। कॉन्ट्रैक्टर एजेंसी को कार्यावंटन के बाद 90 दिनों के भीतर इन सभी युनिट्स को निर्धारित जिलों में डिलिवर व इंस्टॉल करना होगा। इस कार्य को पूरा करने के लिए रेशम विभाग द्वारा जो आवेदन मांगे गए हैं उसमें मुख्यत: उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन निदेशालय व राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम से पंजीकृत कंपनियों को वरीयता दी जाएगी।

मल्टी एंड रीलिंग यूनिट में विभिन्न मशीनरी कॉम्पोनेंट्स होते हैं जो बेसिन युनिट्स के अंतर्गत आते हैं। कुल 10 बेसिन युनिट्स की क्रय प्रक्रिया फिलहाल रेशम विभाग द्वारा पूरी की जा रही है। इन बेसिन युनिट्स में 50 किलोग्राम कैपेसिटी वाला हॉट एयर ड्रायर, कोकून सॉर्टिंग टेबल, ब्रशिंग प्रक्रिया के लिए दो पैन टेबल्स, सर्कुलर प्रेशराइज्ड कोकून कुकिंग तथा वैक्यूम प्रीमिएशन प्री ट्रीटमेंट इक्विपमेंट से युक्त होगा। वहीं, बेसिन मल्टीएंड रीलिंग मशीन (10 एंड्स प्रति बेसिन), विंडो क्लोज्ड टाइम री-रीलिंग मशीन (5 एंड्स प्रति विंडो), स्मॉल रील पर्मिएशन सेंटर, 600 ग्राम कैपेसिटी व 0.01 ग्राम सेंसिटिविटी युक्त इलेक्ट्रॉनिक बैलेंस से भी युक्त होगा। जबकि, 7.5 केवीए कैपेसिटी युक्त जेनरेटर, 100 किलोग्राम स्टीम आउटपुट प्रति घंटे की कैपेसिटी युक्त तथा आईबीआर क्वॉलिटी युक्त ब्वॉयलर तथा 100 किलोग्राम रेजिन कैपेसिटी युक्त वाटर सॉफ्टनर जैसे कॉम्पोनेंट्स से युक्त होगा। इन सभी कॉम्पोनेंट्स के जरिए रेशम उत्पादन के लिए जरूरी कोकून एक्सट्रैशन, प्रोसेसिंग और रीलिंग प्रक्रिया को पूरा किया जा सकेगा। सीएम योगी की मंशा अनुसार महाराजगंज, बस्ती, सहारनपुर व औरैया में जिन मल्टी एंड रीलिंग युनिट्स के क्रय, स्थापना व संचालन की प्रक्रिया पूरी की जा रही है उसके लिए 180 दिन का वैलिडिटी पीरियड तय किया गया है। इन सभी युनिट्स को कॉन्ट्रैक्टर एजेंसी को कार्यावंटन के उपरांत 90 दिनों की कार्यावधि में डिलीवर व इंस्टॉल करना होगा। उल्लेखनीय है कि बतौर कॉन्ट्रैक्टर इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन निदेशालय व राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम से पंजीकृत कंपनियों को वरीयता दी जा रही है। उन्हें अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (ईएमडी) में भी रियायत दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

नये प्रयोग करने वाले आम उत्पादकों को किया जाएगा सम्मानित: दिनेश प्रताप सिंह

लखनऊ। योगी सरकार विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी राज्य स्तरीय आम महोत्सव का आयोजन कर रही है। यह आयोजन आगामी 12 जुलाई से 14 जुलाई 2024 तक लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम में आयोजित किया जायेगा। तीन दिवसीय आम महोत्सव से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां पूरी की जा रही हैं। जानकारी प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने देते हुए बताया कि इस बार के आम महोत्सव को विगत वर्ष में आयोजित आम महोत्सव से भव्य आयोजन करने की तैयारी की जा रही है। महोत्सव में उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त अन्य प्रदेशों के उद्यान विभाग के प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, बागवान, स्टेकहोल्डर तथा निर्यातक भी शामिल होंगे।

उद्यान मंत्री ने बताया कि आम महोत्सव से संबंधित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके कार्यदायित्व सौंप दिये गये हैं और उन्हें निर्देशित भी किया गया है कि अपने दायित्वों को समयबद्ध एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें। आम महोत्सव के दौरान मूलभूत सुविधायें सुनिश्चित की जा रही है, आम महोत्सव में आने वाले किसानों, उत्पादकों, निर्यातकों आदि को किसी प्रकार की परेशानी न हो। आम महोत्सव में आम की विविधता एवं गुणवत्ता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अधिक से अधिक आम की विभिन्न प्रजातियों का प्रदर्शन किया जायेगा। आम की खेती में नये प्रयोग करने वाले आम उत्पादकों को सम्मानित भी किया जायेगा। विगत वर्ष की भांति इस आम महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

सपा प्रतिनिधि मण्डल आज जाएगा फर्रूखाबाद

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार सपा का प्रतिनिधि मण्डल 8 जुलाई को फर्रूखाबाद जायेगा। फर्रूखाबाद के भोजपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नगला जोध निवासी अरविन्द सिंह पाल ब्लाक अध्यक्ष कमालगंज की पुश्तैनी गांव की जमीन पर विधायक के समर्थक जबरदस्ती कब्जा कर महिलाओं और परिवार के पुरूषों के साथ मारपीट की जिसमें गम्भीर चोटें आई हैं जांच एवं जानकारी हेतु प्रतिनिधि मण्डल नगला जोख फर्रूखाबाद पहुंचेगा। प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यगण हैं चन्द्रभूषण सिंह पूर्व सांसद, डॉ. नवल किशोर शाक्य पूर्व लोकसभा प्रत्याशी फर्रूखाबाद, जमालुद्दीन सिद्दीकी पूर्व विधायक, चन्द्रपाल सिंह यादव जिलाध्यक्ष सपा फर्रूखाबाद, डॉ. जितेन्द्र सिंह यादव प्रदेश सचिव सपा, सर्वेश अम्बेडकर प्रदेश सचिव सपा, राघव दत्त मिश्रा महानगर अध्यक्ष सपा फर्रूखाबाद, नरेन्द्र सिंह यादव विधानसभा अध्यक्ष भोजपुर, इलियाश मंसूरी जिला महासचिव सपा फर्रूखाबाद एवं ब्रजेश पाल जिला उपाध्यक्ष सपा फर्रूखाबाद।

ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना जरूरी:अखिलेश

लखनऊ। सपा के 1 जुलाई से 7 जुलाई तक चल रहे प्रदेशव्यापी पीडीए पेड़ रोपण अभियान के क्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सपा प्रदेश मुख्यालय में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अखिलेश ने सपा कार्यालय में बरगद का पेड़ लगाकर पीडीए पेड़ रोपण अभियान का समापन किया। अखिलेश यादव द्वारा सपा के प्रदेश मुख्यालय में बरगद का पेड़ रोपण किया गया। पृथ्वी को हरा-भरा रखने और पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ लगाना और उनकी सुरक्षा करना बहुत आवश्यक है। आज ग्लोबल वार्मिंग पूरी दुनिया के लिए चिंता का विशय बन गया है। ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाकर वृक्षावरण और वनावरण बढ़ाना जरूरी है। समाजवादी सरकार के समय उप्र में वृक्षावरण के बढ़ाने की दिशा में काफी कार्य हुए थे। नदियों, झीलों, नहरों के किनारे पार्कों में खाली स्थानों पर बड़ें

पैमाने पर पेड़ लगाए गए थे, लगाए गये पेड़ों की देखभाल की गयी थी। समाजवादी सरकार में राजधानी लखनऊ में बनाए गए डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क, जनेश्वर मिश्र पार्क, गोमती रिवरफ्रंट, लखनऊ पीजीआई में लगाए गए पेड़ इसके उदाहरण है। पूरे प्रदेश में पेड़ लगाए गये। पर्यावरण संरक्षण और अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए हर वर्ष की तरह इस साल भी समाजवादियों ने पूरे प्रदेश में अभियान चलाकर बड़ी संख्या में नीम, पीपल और बरगद के पेड़ लगाए हैं। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, श्याम लाल पाल, विधायक एवं पूर्वमंत्री रविदास मेहरोत्रा पूर्व मंत्री याशर शाह, पूर्व सांसद अरविंद कुमार सिंह पूर्व सांसद आलोक तिवारी, विधायक मनोज पारस, पूर्व एमएलसी उदयवीर सिंह, पूर्व विधायक सतीश निगम, रुदौली नपा के अध्यक्ष जब्बार अली, खालिद शेरवानी, कीर्ति कोल, फहीमुद्दीन चेयरमैन बदायूं, तनवीर हसन, विजय सिंह, त्रिवेणी पाल, दिलीप कमलापुरी, सागर धानुक समेत बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जगन्नाथ रथयात्रा में शामिल हुए सपा राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी

लखनऊ। अमीनाबाद की मारवाड़ी गली में रविवार को जगन्नाथ रथयात्रा पूरी श्रद्धाभक्ति और उत्साह के साथ शुरू हुई। महंत दिव्या गिरि और सपा के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी ने रथ में स्थापित प्रतिमाओं का पूजन आरती करके भगवान जगन्नाथ का रथ खींचकर पवित्र यात्रा की शुरूआत की। सपा प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि यह रथयात्रा एक सदी से अनवरत चल रही है। सर्व प्रथम यह रथयात्रा मंदिर स्व. सूरज बली हलवाई मारवाड़ी गली से 1924 में निकाली गयी थी। महंत शत्रुघ्न दास ने इस यात्रा की शुरूआत की थी। अमीनाबाद मारवाड़ी गली से यात्रा प्रारम्भ होकर फतेहगंज, गणेशगंज, नाका हिंडोला, गौतमबुद्ध मार्ग, लाटूश रोड, कैसरबाग मंडी, नजीराबाद, हनुमान मंदिर, अमीनाबाद होते हुए पुन: मारवाड़ी मंदिर में उसका समापन हुआ। भगवान जगन्नाथ जी के स्वरूप में भगवान राम-जानकी, लड्डू गोपाल, कृष्ण राधा जी के विग्रह होते हैं। लोग रथयात्रा को अपने हाथों खींचते हैं। कमेटी ने पौध भंडारा भी किया गया। रथयात्रा में ढोल मंडली, बैंड बाजा, आठ विशिष्ट झांकियां, चंद्रयान, भारत माता आदि के अतिरिक्त श्री गोपाल मिश्र सुंदरकांड का पाठ करते चलती है। जगह-जगह रथयात्रा रोककर लोग आरती करते है। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ के साथ बलभद्र जी और देवी सुभद्रा जी की रथयात्रा वस्तुत आस्था और परम्परा का सुन्दर उदाहरण है। मार्ग में श्रद्धालुओं की श्रद्धा, सेवा और भक्ति के अनुपम

दर्शन होते है। जय जगन्नाथ का उद्घोष कए नई ऊर्जा का संचार करता है। भगवान जगन्नाथ के रथ से रथयात्रा समिति के आयोजक दीपचंद अग्रवाल अध्यक्ष, पुनीत गर्ग उपाध्यक्ष, नितिन माहेश्वरी मंत्री, प्रेमशंकर पाठक महामंत्री एवं प्रवीण माहेश्वरी द्वारा मिश्रित दाल, जामुन, आम फल, बूंदी व मेवे का प्रसाद वितरित होता रहा। भगवान जगन्नाथ के विग्रह के साथ अन्य प्रतिमाओं की महाआरती सम्पन्न हुई।

फूलों के रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण को निकले भगवान जगन्नाथ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

चराचर जगत के पालनहार भगवान जगन्नाथ स्वस्थ होने के बाद भाई बलभद्र, बहन सुभद्रा के साथ रंग बिरंगे फूलों से सुसज्जित रथ पर सवार होकर भक्तों को स्वयं दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकल पड़े। यह अद्भुत नजारा रविवार को मोतीनगर स्थित श्री गौडीय मठ के श्रीश्री जगन्नाथ रथयात्रा रहा। श्रीश्री जगन्नाथजी रथयात्रा बैंडबाजों, विशाल डमरूओं की गड़गड़ाहट तथा संकीर्तन करते भक्तों के बीच रथ में विराजमान बलभद्र, बहन सुभद्रा के साथ भगवान जगन्नाथ के विग्रह की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं का मार्गों के दोनों ओर जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस मौके पर भगवान के रथ को रंग बिरंगे फूलों से सजाया गया था। सुभद्रा, बलभद्र एवं जगन्नाथ जी को रत्नजड़ित पगड़ी, भगवा रंग वस्त्र और रंग बिरंगे फूलों की माला पहने हुए थे।

भगवान की काष्ठ प्रतिमाओं को भक्तों ने अपने कंधों पर उठाकर नाचते गाते हुए विशाल रथ पर विराजमान किया। जगन्नाथ रथयात्रा का शुभारंभ समिति के मठाध्यक्ष विधि विधान से पूजा अर्चना कर प्रभु को झूला झुलाते है फिर चंदन कपूर मिश्रित जल छिड़क कर रथ समार्चना कर आरती उतारी। श्री जगन्नाथ के रथ को खींचने का पुण्य लाभ कमाने के लिए भक्तों में होड़ सी मची रही। पुरी की तर्ज पर अवध में निकाली गई जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। भगवान जगन्नाथ पर कई स्थानों पर फूलों की वर्षा की गई। मृदंग की थाप व घंटे घड़ियाल की लय पर झूमते भक्तों ने जय जय जगन्नाथ स्वामी, हरि हरि बोल, राधे राधे के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। पूरी रथयात्रा में पूड़ी, बूंदी, मीठे चावल का प्रसाद वितरण किया गया। यह रथयात्रा श्री गौड़ीय मठ मंदिर मोतीनगर से ऐशबाग रोड, नाका हिण्डोला, बांसमंडी चौराहा, लाटूश रोड, श्रीराम रोड, अमीनाबाद रोड, गणेशगंज से नाका हिण्डोला, आर्यानगर, मोतीनगर चौराहा होते हुए वापस श्री गौड़ीय मठ मंदिर में पहुंचकर समाप्त हुई। रथयात्रा के समापन के बाद मंदिर में भगवान जगन्नाथ जी की मूर्ति के साथ बलराम, बहन सुभद्रा की प्रतिमा स्थापित की गई। मठाध्यक्ष ने बताया कि आपने कई यात्राओं में भाग लिया होगा जैसे- बद्रीनाथ, केदारनाथ, अमरनाथ आदि ये यात्राएं परिश्रम की अपेक्षा रखते है। यदा-कदा इन यात्राओं में प्राकृतिक विपदाएं भी यात्रियों के दिल की विभीषका का स्मरण दिलाकर अनिच्छा पैदा करती है किन्तु भगवान जगन्नाथ रथयात्रा निराली है। यहां भगवान जगन्नाथ जी स्वयं मंदिर से निकलकर जनपथ में उतरते है सबको दर्शन देते है। यहां भगवान भक्त के पास दौड़कर जाते हैं जबकि अन्य यात्राओं में भक्त दौड़ता हैं भगवान के पास। भगवान अपने सिंहासन पर विराजमान रहते है भक्त को बुलाते है। इस शोभायात्रा में कोलकाता, उड़ीसा,

ठाकुरगंज से निकली भव्य जगन्नाथ जी की रथयात्रा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ठाकुरगंज से गोमतीदास ठाकुर द्वारा भव्य जगन्नाथ यात्रा निकाली गयी। पिछले 70 वर्षों से भव्य जगन्नाथ यात्रा ठाकुरगंज होते हुए घासमंडी, निवाजगंज, माली खां सराय आदि इलाकों का भ्रमण करते हुए ठाकुरद्वारा पहुंच कर पूर्ण हुई। भ्रमण केदौरान भक्त अपने दरवाजे के पास पूजा आरती करते और छतों से पुष्प वर्षा करते रहे।

भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा ठाकुरगंज स्थित स्थल बाबा गोमतीदास ठाकुर द्वारा निकाली गयी। भव्य रथ यात्रा संयोजक अनुराग पांडेय के प्रयास से लखनऊ की सबसे प्राचीन रथयात्राओं में एक है, पिछले 70 वर्षों से निकाली जा रही है। रथयात्रा में घोड़े बग्घी डी जे बैंड भांगड़ा के साथ सैकडो भक्तों ने साथ में चलकर यात्रा में भाग लिया। धूमधाम से नाचते गाते भक्तों व भगवान का हर घर के दरवाजे पर खड़े श्रद्धालुओं ने दीप प्रसाद आदि से स्वागत किया। रथयात्रा घासमंडी ठाकुरगंज ठाकुरद्वारा में पूजा करके प्रारंभ हुई, जिसे ठाकुरगंज चौराहा, निवाजगंज माली खा सराय, तहसीन गंज होते हुए पुनः घासमंडी ठाकुरद्वारा पहुँची, जहां आरती पूजा के पश्चात प्रसाद वितरण हुआ। रथयात्रा के दौरान बड़ी मात्रा में श्रद्धालु गण शामिल हुए। भाव विभोर जगन्नाथ यात्रा का स्वागत करने के लिए घंटों दरवाजों पर प्रतीक्षा करते दिखाई दिए। इस अवसर पर जे पी मिश्रा, अवध प्रकाश शुक्ल, गोपाल नारायण शुक्ला, संजय तिवारी, संतोष शुक्ला, आदित्य शुक्ला, अमिताभ पांडेय, अमित गुप्ता, अमरीश वर्मा, राम किशोर अवस्थी, विनोद मिश्रा, अर्पित शुक्ला, अरविंद पाण्डेय, पवन मिश्रा, रजत तिवारी, मनोज रस्तोगी, दिलीप शुक्ला, चंद्रशेखर तिवार, जय नाथ शुक्ला, मुन्ना भैया आदि के साथ सैकड़ो श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भगवान जगन्नाथ ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

लखनऊ। चौपटिया चारों धाम की पालकी रथ यात्रा में रविवार को भगवान जगन्नाथ ने लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसी के साथ 151 पेड़ भक्तों में वितरित किए गए। चारों धाम मंदिर में सुबह पूजन के बाद भगवान जगन्नाथ जी ,बलदाऊ भैया, और सुभद्रा माता चांदी की पालकी में सवार होकर भक्तों के द्वार पहुंच गए। क्षेत्र के भ्रमण में निकले भगवान जगन्नाथ जी को भक्तों ने अपने घर के बाहर देखकर भव्य स्वागत किया, आरती उतारी, एवं प्रसाद चढ़ाया। पालकी यात्रा चौपटिया से प्रारंभ होकर दिलाराम बारादरी, नेपियर रोड कॉलोनी, सराय माली खां, होते हुए खेत गली ठाकुर द्वारा आई जहां भगवान ने विश्राम किया। पालकी यात्रा में प्रमुख रूप से लक्ष्मी कांत पांडे, शिव नारायण अग्रवाल, संजय , अभय, आशीष अग्रवाल, रिद्धि किशोर गौड़, राधे तिवारी, मोहित शर्मा,चौक हॉकर यूनियन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार, अनिल, आशीष, अमित गौड़,विपिन अवस्थी,संदीप तिवारी, मनोज अग्रवाल,गौरव शुक्ला सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

सपा प्रमुख ने दी बधाई

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भगवान जगन्नाथ रथयात्रा के शुभारम्भ पर समस्त देशवासियों को बधाई दी है और इस पवित्र दिवस पर सभी के सुख समृद्धि की कामना करते हुए शुभकामनाएं व्यक्त की है।

मुंबई, दिल्ली, कुरूक्षेत्र, मथुरा, वृन्दावन, पटना, मुगलसराय, काशी, प्रयागराज से पधारे अनेक संतजन एवं गणमान्य लोग सम्मिलित होकर भगवान जगन्नाथ जी अपने को समर्पित कर पूजा अर्चना करते हैं।

माध्यमिक शिक्षकों को सम्बद्ध किये जाने पर शिक्षक संगठनों ने जताई नाराजगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जिला विद्यालय निरीक्षक, लखनऊ द्वारा बिना किसी विधिक व्यवस्था के मनमाने तरीके से सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयो के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को शिक्षण कार्य हेतु विशेष माध्यमिक विद्यालय में सम्बद्ध किए जाने पर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ ने नाराजगी जताई है। प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डा आरपी मिश्र, महामंत्री नरेन्द्र कुमार वर्मा, प्रदेशीय मंत्री डा आरके त्रिवेदी, जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा, जिलामंत्री महेश चन्द्र ने जिला विद्यालय निरीक्षक से इस अधिकार विहीन आदेश को तत्काल वापस लिए जाने की मांग की है। यदि जिविनि द्वारा तत्काल आदेश वापस नहीं लिया गया तो 10 जुलाई को जिला संगठन की बैठक में संघर्ष की रूपरेखा निर्धारित की जाएगी। संघ के मुताबिक जिविनि द्वारा सांठ-गांठ और डीलिंग कर एक ओर न्यून छात्र संख्या होने के बावजूद अन्य जनपदों से शिक्षक स्थानान्तरित किए जा रहे है। वही दूसरी ओर न्यून छात्र संख्या की बात कर शिक्षकों को अनियमित रूप से राजकीय शिक्षण संस्था में शिक्षण कार्य के लिए सम्बद्ध किया जा रहा है। शिक्षक नेताओं ने कहा कि सहायता प्राप्त मा. विद्यालयों का संचालन मा. शिक्षा अधिनियम एवं उसके अन्तर्गत निर्मित विनिमयों से होता है। जिसमें जिला विद्यालय निरीक्षक को सहायता प्राप्त मा. विद्यालयों के शिक्षकों को राजकीय या किसी अन्य विद्यालय में स्थानान्तरित या समायोजित सम्बद्ध करने का अधिकार नही है। जिविनि द्वारा अनियमित रूप से सहायता प्राप्त मा. विद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को राजकीय शिक्षण संस्था में अध्यापन हेतु सम्बद्ध किया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक ने 6 जुलाई को आदेश जारी कर इण्डस्ट्रियल इण्टर कालेज के 3 शिक्षक, गिरधारी सिंह इण्टर कालेज के 3 शिक्षक, सोहन लाल इण्टर कालेज के 2 शिक्षक, जय नारायण इण्टर कालेज के 1 शिक्षक, महाराजा अग्रसेन इण्टर कालेज के एक शिक्षक, बप्पा श्रीनारायण इण्टर कालेज के एक शिक्षक, अग्रेसन इण्टर कालेज, चौक के एक शिक्षक को दिव्यॉगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित समेकित विशेष मा. विद्यालय मे शिक्षण कार्य/शासकीय कार्य हेतु अनियमित रूप से सम्बद्ध किया गया है।

प्रदेश में परिवार नियोजन सेवाओं के उपयोग में 41 फीसद का आया उछाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सरकार द्वारा परिवार नियोजन सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को सुधारने के लिए किये गए प्रयासों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। परिणामस्वरूप ही प्रदेश में परिवार नियोजन सेवाओं के उपयोग में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार 2022-23 से 2023-24 तक कुल परिवार नियोजन साधनों के उपयोग में कुल 14 फीसद की वृद्धि हुई है। वहीं सबसे अधिक 41 फीसद की बढ़त त्रैमासिक गर्भनिरोधक इंजेक्शन अंतरा के इस्तेमाल में देखने को मिली है। प्रसव पश्चात् इंट्रायूटेरिन कॉन्ट्रासेप्टिव डिवाइस (पीपीआईयूसीडी) के इस्तेमाल में 24 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई है। जबकि आईयूसीडी के इस्तेमाल में 12फीसद का इज़ाफा हुआ है, जो कि महिलाओं में बढ़ती जागरूकता और स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर पहुंच को दर्शाता है। नॉन हार्मोनल साप्ताहिक गर्भनिरोधक गोली छाया के उपयोग में 20 फीसद का इजाफा हुआ है। कंडोम के इस्तेमाल में पाँच फीसद की वृद्धि हुयी है तो वहीँ माला-एन के उपयोग में सात फीसद की वृद्धि हुई। स्थायी गर्भनिरोधक उपायों को अपनाने की बात की जाए तो पुरुष नसबंदी में 29 फीसद और महिला नसबंदी में 17 फीसद का इजाफा हुआ है। महाप्रबंधक परिवार नियोजन डा. सूर्यांश ओझा बताते है कि 2022-23 में 35.23 लाख उपयोगकर्ताओं ने परिवार नियोजन साधनों का इस्तेमाल किया जबकि इसकी तुलना में 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 40.21 लाख हो गई है। वृद्धि की वजह विभाग द्वारा लगातार किये जा रहे प्रयास हैं। इसका एक उदहारण है कि हमने प्रदेश के सभी कार्यक्रमों के काउंसलर को परिवार नियोजन सम्बन्धी प्रशिक्षण दिए हैं। जिन जिलों में अगर परिवार नियोजन काउंसलर नहीं हैं तो वहां परिवार नियोजन सम्बन्धी कार्य प्रभावित न हो। साथ ही कहा कि हमारा निरंतर प्रयास है कि लक्षित जनसंख्या को परिवार नियोजन के आधुनिक साधनों के बारे में जानकारी हो और वह उसे स्वीकारें। हमें समुदाय को परिवार नियोजन के पारम्परिक साधनों को अपनाने के लिए हतोत्साहित करना है।

लापरवाही बरतने पर मेट को किया निलंबित

लखनऊ। ठाकुरगंज जोन में भारी बारिश में लापरवाही बरतने पर मेट पर कड़ी कार्रवाई की गयी। नगर निगम द्वारा लापरवाही और बगैर सूचना कार्यालय से गायब रहने वाले मेट को निलंबित कर दिया गया। नगर आयुक्त द्वारा इस प्रकरण में अपर नगर आयुक्त अरूण कुमार गुप्ता को जांच अधिकारी नामित किया है। वर्तमान में लखनऊ में भारी वर्षा होने के कारण नगर निगम प्रशासन ने हर संभव प्रयास कर लोगों को सुविधा देने में जुटा है। ठाकुरगंज जोन में तैनात मेट आंतरित कुमार बिना सूचना के गायब है। भीषण लापरवाही और गैरजिम्मेदार होने के चलते मेट पर नगर निगम प्रशासन ने नोटिस जारी की, लेकिन कर्मी मेट ने कोई जानकारी नहीं दी। ठाकुरगंज क्षेत्रान्तर्गत में जल निकासी व मलबा उठान में दिक्कतें आ रही है। ऐसे में आन्तरित कुमार मेट ज़ोन 6 द्वारा विगत डेढ़ माह से बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रहने एवं उच्चाधिकारियों के फोन भी नहीं उठाए जाने के कारण लखनऊ के जन.मानस से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण में दिक्कतें आ रहीं है। अधिशासी अभियंता जोन 6 ने इस प्रकरण को नगर आयुक्त के संज्ञान में लायी गयी। नगर आयुक्त के आदेश पर अंतरित कुमार मेट को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया। अपर नगर आयुक्त अरूण कुमार गुप्ता को जांच अधिकारी नामित किया है।

वन महोत्सव पर्व पर एलयू में हुआ वृहत वृक्षारोपण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वन महोत्सव पर्व पर रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में वृहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन मालवीय लॉन में किया गया। कार्यक्रम में प्रो मनुका खन्ना (प्रति कुलपति), डॉ विनोद कुमार सिंह (कुलसचिव), प्रो संगीता साहू (अधिष्ठाता छात्र कल्याण), प्रो एस एन पाण्डेय (अधीक्षक, भूमि एवं उद्यान विभाग), प्रो गीतांजलि मिश्रा (अधिष्ठाता अकादमिक), एवं विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी सहित अनेक शिक्षकों, छात्रों व कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ एक वृक्ष माँ के नाम के संदेश के साथ पौधरोपण किया। भूमि एवं उद्यान विभाग ने कुल 251 पौधे विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में रोपित कराये। जिसमें सजावटी पौधे (एरेका पाम, साईकस, बोगनविलिया, फॉक्स टेल पाम, बॉटल पाम, फाईकस, कैजुराईना), औषधीय पौधे (तुलसी, एलोवेरा, लेमन ग्रास, इलायची, सदाबहार आदि), फलदार (आम, नीम्बू, बेल), बॉर्डर प्लांट (गोल्डन डुरांटा, लाल चौलाई, मनोकामनी) तथा लताये (मालती, विगोनिया, वालुस्टा, अपराजिता) आदि पौधों का पौधरोपण हुआ। इस वन महोत्सव सप्ताह (1-7 जुलाई) के दौरान विश्व विद्यालय के दोनों परिसरों में कुल 551 पौधों का रोपण किया गया एवं उनके सुरक्षित विकास के लिए इंतजाम किया गया।

एलयू के तीन छात्रों का आईआईएम में एमबीए के लिए चयन

अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के तीन प्रतिभाशाली छात्रों का चयन देश के प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में एमबीए कोर्स के लिए हुआ है। प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि 2022 बैच के ऋषभ अग्रवाल का चयन आईआईएम सिरमौर में, जबकि 2024 बैच की अदिति एवं पार्थ पांडेय का चयन क्रमशः आईआईएम काशीपुर एवं आईआईएम रांची में एमबीए कोर्स के लिए हुआ है।

बारिश के चलते सड़क से लेकर गलियां बनी नाला, विकासनगर में सड़क धंसी

लखनऊ। लखनऊ में रविवार को भी जमकर बारिश हुई। दिन भर बादलों की आवाजाही और सड़कों पर पानी भरने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दुबग्गा मंडी में भी पानी भरने से सब्जियां खराब हो गईं। वहीं विकासनगर में सड़क धंस गयी। सुल्तानपुर हाईवे पर 1 फीट तक पानी भर गया। जलभराव की स्थिति का जायजा लेने निकले, नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह से लोगों की तीखी बहस हो गई। नगर आयुक्त के सामने स्थानीय व्यापार मंडल के नेताओं ने कहा- सफाई को लेकर हर बार सिर्फ आश्वासन मिलता है, धरातल पर कुछ नहीं होता। रविवार को दिन का अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि रविवार को बारिश के साथ ही 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवायें चलीं। गरज-चमक के साथ बारिश हुई। दोपहर के पहले तक जोरदार बरसात होती रही। बारिश के पानी से सबसे अधिक दिक्कत आलमबाग, गीतापल्ली, इंदिरानगर, इस्माईलगंज, फैजुल्लागंज, गोमती नगर, आशियाना, रजनीखंड समेत कई इलाकों में सबसे ज्यादा समस्या हुई। कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया। आशियाना की रहने वाली पूजा श्रीवास्तव ने बताया कि सड़कों का पानी कई जगह घर के अंदर भी आ गया था। घुटने तक पानी भर गया। पानी निकलने में करीब तीन घंटे लग गए। इसके अलावा हजरतगंज, नरही, सिविल अस्पताल समेत कई इलाकों में जल भराव की समस्या रही। रूची खंड में रहने वाले संतोष ने बताया कि उनके घर के आस-पास हर जगह पानी भर गया। कार निकालने में लोगों को परेशानी हुई। इंदिरानगर के शिवाजीपुरम गली नंबर 14 में बारिश के कारण सीवर चोक होने से गंदा पानी भर गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नाले की सफाई में लापरवाही से जलभराव हो रहा है। इस दौरान फोन करने पर नगर निगम अधिकारी कॉल भी रिसीव नहीं करते हैं।

लखनऊ में बारिश से सड़क के नीचे मिट्टी बह जाने की घटना से विकास नगर के सेक्टर दो में सड़क धंस गयी। बीते दो वर्षों में विकास नगर में सड़क धंसने की यह तीसरी घटना है। बावजूद इसके जल निगम सहित अन्य विभाग द्वारा कराए कार्यों के चलते मिट्टी धंसने की घटना लगातार हो रही है।

विकास नगर सेक्टर दो निवासी अजय ने बताया कि दिन के वक्त उनके आंखों के सामने सड़क नीचे की ओर धंसती गयी और कुछ ही मिनटों में वहां एक बड़ा सा गड्ढ़ा हो गया। सड़क धंसने के बाद वहां पुलिस बैरेकेटिंग लगा दी गई है। कुछ मिनटों के बाद नगर निगम, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को फोन से सूचित किया गया। मौके पर विकास नगर थाने की पुलिस टीम पहुंची, जिन्होंने धंसी सड़क की घेरेबंदी कर दी। अमित अग्रवाल ने कहा कि विकास नगर में दो वर्ष पूर्व ही गुलाचीन हनुमान मंदिर से विकास नगर की ओर मुड़ते हुए सड़क धंस गयी थी। तभी कुछ माह बाद ही सड़क बन सकी थी। फिर पिछले वर्ष ही विकास नगर के पावर हाऊस के निकट सड़क एक बार फिर से धंसी। इस बार तो हद ही हो गयी, सोचा नहीं था कि इतनी जल्दी सड़क धंसेगी। विकास नगर सेक्टर दो की घटना की सूचना मिलने पर नगर निगम के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने सड़क के नीचे की मिट्टी बह जाने की वजह बतायी। कर्मचारियों ने बारिश के कारण मिट्टी बहने से सड़क कमजोर होने और धंसने की बात कही है। यही नहीं सड़क धंसने से एक कार अंदर धंसते धंसते बची थी, जिसे बाद में जेसीबी से खींच कर किनारे लाया गया था।

जल्द ही पूर्ण होगा क्षतिग्रस्त मार्ग का मरम्मत कार्य, की गई बैरिकेडिंग

विकास नगर में कुर्सी रोड शिव जी की मूर्ति से लेकर अड्डे को जाने वाली मुख्य सड़क पर पावर हाउस चौराहे के पास काफी बड़ा गड्ढा हो गया है। यह सड़क लोक निर्माण विभाग की है और सड़क पर पूर्व में जेएनएनयूआरएम के अंतर्गत यूपी जल निगम द्वारा किये गए कार्य के कारण ही सड़क पर यह गड्ढा हुआ है। इस सड़क पर गतवर्ष भी काफी गहरा गड्ढा हो गया था। सड़क लोकनिर्माण विभाग की है और जल निगम के कार्य से मार्ग क्षतिग्रस्त है, इस लिए नगर निगम द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत अस्थाई रूप से उक्त मार्ग को बैरिकेट लगा कर बंद कर दिया गया है। लोगों व वाहनों के आवागमन को भी फिलहाल डाइवर्ट कर दिया गया है। लोक निर्माण विभाग, जल कल एवं जल निगम को इसके मरम्मत कार्य को युद्ध स्तर पर कराए जाने के लिए सूचित कर दिया गया है, जल्द ही कार्य पूर्ण कर स्थिति को पूर्व भी भांति कर दिया जाएगा।

यहां हुआ जलभराव

आलमबाग, चारबाग, शहीद पथ, सुशांत गोल्फ सिटी, रामनगर, लेबर कॉलोनी, नंदाखेड़ा, अंबा पैलेस, राजाजीपुरम, छुइयापुरवा, जानकीपुरम, महानगर फातिमा हॉस्पिटल के पीछे, शिव लोक कॉलोनी-खदरा, जीवन प्लाजा, विजय खंड, विपुल खंड, विभूति खंड, जनता गर्ल्स इंटर कॉलेज के पास, पवनपुरी पुलिया ओमनगर, हरनापुर चौराहा, पकरी पुल, मायाखेड़ा, अल्मास सिटी, कांशीराम कॉलोनी, जलालपुर तालाब, कंचना बिहारी मार्ग, बहादुरपुर, मायापुरी कॉलोनी।

श्रावस्ती और कुशीनगर में बाढ़ में फंसे 87 लोगों की रेस्क्यू कर बचायी गयी जान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत कार्यों में तेजी लाने, पीड़ितों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश के बाद अतिसंवेदनशील और संवेदनशील जिलों के अधिकारी हरकत में आ गये हैं। सीएम योगी के निर्देश के बाद अधिकारी अपने जिलों में बाढ़ की स्थितियों पर लगातार नजर बनाए रखे हैं। इसी क्रम में नेपाल में मूसलाधार बारिश के बाद अचानक पांच लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने से श्रावस्ती और कुशीनगर में बाढ़ में फंसे 87 लोगों को रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर सुरक्षित निकाला गया है। इस दौरान कुशीनगर में बाढ़ में फंसे 20 मवेशियों को भी बचाया गया। वहीं सीएम योगी ने नेपाल से छोड़े गये पानी से प्रभावित श्रावस्ती और कुशीनगर के जिलाधिकारियों को क्षतिग्रस्त फसल का 24 घंटे के अंदर सर्वे कर रिपोर्ट शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं। इसके साथ ही सीएम योगी ने शासनस्तर के अधिकारियों को क्षतिग्रस्त फसल की सर्वे रिपोर्ट मिलते ही तत्काल मुआवजा देने का आदेश दिया है। हालांकि अभी इन जिलों में स्थिति सामान्य है, जबकि कुछ ही इलाकों में फसलों को नुकसान हुआ है।

राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि शनिवार रात करीब आठ बजे राज्य स्तरीय इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर को श्रावस्ती के तहसील जमुनहा की ग्राम पंचायत गजोभरी के ग्राम मोहनपुर भरथा एवं केवटन पुरवा में नेपाल से अचानक छोड़े गये पानी में 11 लोगों के फंसे होने की सूचना मिली, जिसमें तीन बच्चे, पांच महिलाएं और 3 पुरुष शामिल थे। सूचना मिलते ही तत्काल श्रावस्ती जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी को जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी अपनी टीम के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए मौके पर पहुंचे। जिला प्रशासन एवं फ्लड पीएसी की टीमों ने ज्वॉइंट रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और लगभग आठ घंटे की कड़ी मेहनत के बाद सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद सभी का चिकित्सकों की टीम द्वारा प्राथमिक उपचार भी कराया गया। साथ ही सभी पीड़ितों को रासी बैराज स्थित गेस्ट हाउस में पहुंचाया गया। देवीपाटन मंडल के आयुक्त शशि लाल भूषण सुशील ने बताया कि सभी पीड़ितों का प्राथमिक उपचार और खाना खिलाने के बाद उन्हे उनके गांव में सुरक्षित भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि रेस्क्यू के दौरान करिका 10 वर्ष, मिन्नी 12 वर्ष, रीता 25 वर्ष, शेरू 8 वर्ष, अर्चना 17 वर्ष, कमला देवी 40 वर्ष, शान्ति देवी 50 वर्ष, सकटराम 18 वर्ष, रेखा देवी 28 वर्ष, नन्दन 30 वर्ष और राम उजागर 50 वर्ष को सुरक्षित निकाला गया। वहीं रविवार को बाढ़ से प्रभावित 18 गांव के करीब चार सौ लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है, जहां पर उन्हे पौष्टिक और गरम खाने के साथ अन्य सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं।

राहत आयुक्त ने बताया कि शनिवार रात करीब आठ बजे राज्य स्तरीय इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर को नेपाल में मूसलाधार बारिश के बाद देवघाट बैराज से 5,71,850 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सूचना मिली। इस पर कुशीनगर जिलाधिकारी उमेश मिश्रा को बड़ी गंडक में बाल्मीकि नगर बैराज द्वारा 3 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने की संभावना पर तहसील खड्डा के गांवों के प्रभावित होने की तत्काल जानकारी दी गयी। इसके बाद कुशीनगर जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने अपनी टीम के साथ तहसील खड्डा के प्रभावित 13 गांवों का निरीक्षण किया। साथ ही गांववासियों से गांव को खाली करने की अपील की। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान तहसील खड्डा के नारायणपुर के एक टापू पर कुछ लोगों के साथ मवेशियों के फंसे होने की जानकारी मिली, जिसके बाद एनडीआरएफ और पीएसी की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। रेस्क्यू टीम ने घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद 76 लोगों को बचाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा। इस दौरान टीम ने 20 मवेशियों को भी सुरक्षित बचाया। वहीं बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है। यह पर उन्हे पौष्टिक और गरम खाने के साथ अन्य सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही है। इसके साथ ग्रामीणों के मवेशियों के लिए विशेष इंतजाम किये गये हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह तड़के नेपाल से छोड़े गये पानी से प्रभावित श्रावस्ती और कुशीनगर के जिलाधिकारियों से बातचीत कर स्थिति की जानकारी हासिल की। उन्होंने सीएम को बताया कि रेस्क्यू कर 87 लोगों के साथ 20 मवेशियों को भी बचाया गया है। इस पर सीएम योगी ने सभी जिलाधिकारियों को बाढ़ के पानी से क्षतिग्रस्त फसल का 24 घंटे के अंदर सर्वे कराकर शासन को रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिये। इसके अलावा उन्होंने शासनस्तर के अधिकारियों से बात कर क्षतिग्रस्त फसलों की रिपोर्ट मिलते ही तत्काल मुआवजा देने का आदेश दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रभावित जिलों के अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर राहत कार्य पर नजर रखें और प्रभावित लोगों को मदद प्रदान करें। उन्होने आपदा से हुई जनहानि से प्रभावित परिवारों को अनुमन्य राहत राशि अविलंब प्रदान किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के घरों को नुकसान पहुंचा अथवा पशु हानि हुई, ऐसे प्रभावितों को तत्काल अनुमन्य वित्तीय सहायता प्रदान की जाए।

बढ़ा नदियो का जलस्तर, कई जिलो मे बाढ़ की स्थिति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसून के पूरी तरह सक्रिय होने के बीच नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है और कुशीनगर, बलरामपुर तथा श्रावस्ती जिलों के कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार बलरामपुर में भी बाढ़ की स्थिति है। यहां भी राप्ती नदी खतरे के निशान को पार कर गई है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत के लिए राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और बाढ़ पीएसी की एक-एक टीम तैनात हैं। इसके अलावा 32 चिकित्सा दल भी गठित किए गए हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्वी इलाकों में मानसून जोर पकड़ चुका है और इन इलाकों के विभिन्न जिलों में पिछले दो दिनों से लगातार बारिश हो रही है। आंचलिक मौसम केंद्र लखनऊ की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य के गोरखपुर, बहराइच, गोंडा, बस्ती, संत कबीर नगर, महराजगंज, बलरामपुर, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी तथा उसके आसपास के जिलों में रविवार को भी भारी बारिश होने का अनुमान है।

जनहानि से प्रभावित परिवारों को राहत राशि तत्काल प्रदान करें: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तेज बारिश के दृष्टिगत संबंधित जनपदों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं।उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर राहत कार्य पर नज़र रखें और प्रभावित लोगों को मदद प्रदान करें। उन्होने आपदा से हुई जनहानि से प्रभावित परिवारों को अनुमन्य राहत राशि अविलंब प्रदान किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के घरों को नुकसान पहुंचा अथवा पशु हानि हुई, ऐसे प्रभावितों को तत्काल अनुमन्य वित्तीय सहायता प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश भी दिए हैं कि फसलों को हुए नुकसान का आकलन कर शासन को आख्या उपलब्ध कराई जाए ताकि इस संबंध में अग्रेतर कार्यवाही की जा सके।

● मुख्यमंत्री ने तेज बारिश के दृष्टिगत संबंधित जनपदों के अधिकारियों को तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपने सरकारी आवास पर देवीपाटन मण्डल के सांसदों व विधायकों से की शिष्टाचार भेंट

शास्त्रीय संगीत से हुई शिव की आराधना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शास्त्रीय संगीत से रविवार को अवध की शाम सजी। वाल्मीकि रंगशाला में आयोजित संगीत भवन एकेडमी के 37वें वार्षिकोत्सव में एक ओर जहां गायन, वादन और नृत्य की त्रिवेणी में संगीत अनुरागियों ने गोते लगाये वहीं संगीत के माध्यम से शिव आराधना हुई। दीप प्रज्वलन और संगीत गुरु कमल डेविड के चित्र पर माल्यार्पण से शुरू हुए कार्यक्रम में अंतरा भट्टाचार्य ने संगीत भवन एकेडमी की अविराम यात्रा का उल्लेख करते हुए दर्शकों का स्वागत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ राग मिश्र काफी पर आधारित सामूहिक सितार वादन से हुआ।जिसमें मीहिका गांगुली, प्रवीन गौर, अमेया सिंह, भव्या गुप्ता, नेहा प्रजापति, चंदा, मधु सिंह और पद्मा बत्रा सम्मिलित रहे। अर्चित अग्रवाल और सार्थक मिश्र के तबला वादन में बनारस, फर्रुखाबाद, पंजाब आदि घरानों के संगीत की प्रचलित बंदिशें मुखरित हुई। इसके बाद सौम्या गोयल, अव्युक्ता, मीहिका, अथर्व, अविका, कर्णिका, आर्या, अमेया, आराध्या, डा. रवि लेले, शीर्षा अग्रवाल और भव्या गुप्ता ने राग अहीर भैरव में शिव स्तुति की। तबले पर खुशाल कुमार ने संगत की। कथक के तीन समूहों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दीं जिसमें स्मिता पाण्डेय, अनिका, अंजलि, शान्वी, श्रीयादीप, गुनाश्री, नेहा, स्नेहा, आरुषी, डा. नमिता, सुमन मिश्रा आदि प्रमुख रहे। कार्यक्रम में वरिष्ठ गायिका पद्मा गिडवानी, गायत्री कमल डेविड, तुषारकान्ति भट्टाचार्य, निवेदिता भट्टाचार्या, आईएफएस एन. रवीन्द्र, सुधा द्विवेदी, रत्ना अस्थाना समेत अन्य मौजूद रहे।

अफसरों की फटकार के बाद बदली गई एबीसी बीस दिन बाद लोगों को मिली बिजली

मोहनलालगंज। अफसरों की फटकार के बाद रविवार को धनवारा में बीस दिन बाद नया केबिल खींचकर प्राइमरी स्कूल और आसपास के घरों की बिजली चालू की गई। जिसे लेकर स्थानीय लोगों ने कमिश्नर रोशन जैकब को धन्यवाद दिया। मोहनलालगंज के धनवारा में बीस दिन पूर्व दस पोल की लाइन का एरियल बंच कंडक्टर फुंक गया था। जिसके बाद से प्राइमरी स्कूल और आसपास के घरों की बिजली गुल हो गई थी। लेकिन शिकायत के बाद भी केबिल बदलकर सप्लाई चालू नहीं की जा सकी।

शनिवार को स्थानीय लोगों ने कमिश्नर रोशन जैकब से मिलकर पूरे मामले की शिकायत की थी। रविवार को पायनियर में प्रमुखता से प्रकाशित खबर का अफसरों ने संज्ञान लेकर जिम्मेदारों को कड़ी फटकार लगाई। जिसके बाद देर शाम तक टीम जुटाकर खराब एबीसी लाइन बदलकर लोगों की सप्लाई चालू कर दी गई। बीस दिन बाद बिजली मिली तो लोगों की खुशी का ठिकाना नही रहा। स्थानीय धीरज बजरंगी विजय प्रकाश और महेश ने कमिश्नर रोशन जैकब और पायनियर का आभार जताया।

लापरवाही....

सबस्टेशन में बदइंतजामी की भरमार, कीचड़ से गुजरकर आवागमन कर रहे लोग

संवाददाता। मोहनलालगंज

अधिकारियों की लापरवाही से मोहनलालगंज के पूरनपुर सबस्टेशन में अव्यवस्थाओं का बोलबाला है। बारिश में भीषण कीचड़ की वजह से सबस्टेशन भैंसों के तबेले में तब्दील नजर आ रहा है। बिलिंग काउंटर पर छांव का कोई प्रबंध नहीं है। अंदर पंखे खराब और वायरिंग जर्जर हालत में है। लिहाजा जेई और एसडीओ के कमरे की ही बिजली गुल चल रही है। जबकि 33 केवी लाइन के एक सोर्स का टीपीएमओ लंबे समय से खराब है। मोहनलालगंज खण्ड के अधिकारी इन दिनों उपभोक्ता सेवाओं को लेकर संजीदा नही हैं। कुछ साल पहले बनकर तैयार हुए पूरनपुर सबस्टेशन में बदइंतजामी हावी हैं। सबस्टेशन में गेट से लेकर बिल्डिंग तक इस कदर कीचड़ फैला हुआ है कि लोगों को बिल जमा करने और नए कनेक्शन के लिए कीचड़ और गंदगी से होकर आवागमन करना पड़ रहा है। फीडर रूम से दो पंखे खराब पड़े हुए हैं। वायरिंग बोर्ड टूटे और सॉकेट बाहर लटके हुए हैं। ज्यादा बारिश में छत से फीडर पर पानी टपकने लगता है जिसकी वजह से नमी होने से इनकमिंग फीडर के केबल में खराबी आ चुकी है। फीडरों को नमी से बचाने के लिए हीटर का भी इंतजाम नहीं है। एक्सइएन सुधीर कुमार अग्रवाल ने बताया सबस्टेशन की खामियों को दूर करने के लिए मातहतों को कड़े निर्देश दिए गए हैं।

खराब टीपीएमओ की वजह से साढ़े तीन घंटे बिजली गुल

मोहनलालगंज के पूरनपुर सबस्टेशन पर आवास विकास परिषद और खुजेहटा से 33 केवी के डबल सोर्स की सुविधा उपलब्ध है। लेकिन आवास विकास की लाइन का टीपीएमओ लंबे समय से खराब है। रविवार की सुबह 9 बजे खुजेहटा से आई 33 केवी लाइन भी ब्रेकडाउन हो गई। जिससे क्षेत्रीय लगभग 6 हजार उपभोक्ताओं को साढ़े तीन घंटे तक बिजली संकट झेलना पड़ गया। एक्सइएन एसके अग्रवाल की फटकार के बाद दोपहर साढ़े बारह बजे बिजली आपूर्ति बहाल हो सकी। तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली।

आपका विधायक - आपके द्वार के तहत हुई जनसुनवाई

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा शुरू की गयी अभिनव पहल आपका विधायक - आपके द्वार जनसुनवाई शिविर विगत 78 सप्ताह से अविरल, अथक, अविराम जारी है। रविवार को पंचायत युसुफनगर में 78वें आपका विधायक - आपके द्वार जनसुनवाई शिविर का आयोजन कर विधायक की टीम द्वारा ग्रामवासियों की समस्याएँ सुनीं गईं। शिविर के दौरान आवास, निराश्रित महिला एवं वृद्धावस्था पेंशन, राशन कार्ड, सड़क निर्माण, जल निकासी आदि से संबंधित 49 जन शिकायतें/सुझाव प्राप्त हुए, जिन्हें डॉ. राजेश्वर सिंह की टीम द्वारा सम्बंधित विभागों अथवा अधिकारियों को प्रेषित कर व विधायक स्तर पर प्रयास कर यथोचित निराकरण के लिए आश्वस्त किया गया। शिविर के दौरान गाँव की शान पहल के अंतर्गत इंटरमीडिएट परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाने वाले युसुफनगर के चार मेधावियों कशिश चौधरी (76.6 फीसद), समीर चौधरी (65 फीसद), इंदल कुमार (63.2 फीसद एवं पायल रावत (56.6 फीसद) को डॉ. राजेश्वर सिंह की ओर से साईकिल, घडी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बेटियों को प्रगति के संसाधन उपलब्ध कराने के संकल्प क्रम में ग्राम पंचायत युसुफनगर बगियामऊ में 25वें गर्ल्स यूथ क्लब का गठन कर उन्हें वॉलीबॉल, कैरम आदि

इनडोर और आउटडोर स्पोर्ट्स की किट प्रदान की गयी। गाँव के 3 वरिष्ठ नागरिक कात्यायनी दत्त मिश्र, कैप्टन डी. राय व कैप्टन एल. पी. सिंह को विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अर्जुनगंज भाजपा मंडल अध्यक्ष मोहित तिवारी, सेक्टर संयोजक कमलेश कुमार शुक्ला, बूथ अध्यक्ष जय प्रकाश, पूर्व प्रधान तेज नारायण, ओम प्रकाश यादव, अमर सिंह, राम मिलन एवं सुरेश कुमार को भी सम्मानित किया गया। साथ ही सरोजनीनगर की पहचान बन चुकी तारा शक्ति रसोई के माध्यम से उपस्थित जनों को ताजा, पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया गया। इस सम्बन्ध में सरोजनी नगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह का कहना है एक जनप्रतिनिधि सरकार तथा जनता के बीच का सेतु होता है, सतत संवाद, जन समस्याओं के समाधान और मेधावियों के सम्मान के लक्ष्य के साथ सरोजनीनगर में यह अभियान अनवरत संचालित रहेगा।

ब्राह्मण युवकों का सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार सम्पन्न

लखनऊ। चौक के रानी कटरा चौपटिया में ब्राह्मण युवकों का सामूहिक यज्ञापवीत संस्कार का आयोजन किया गया। 51 नवयुवकों का यज्ञोपवीत संस्कार वैदिक आचार्य द्वारा विधि विधान से कराया गया। हर वर्ष की भाति यज्ञोपवीत संस्कार नि:शुल्क कराया गया, इसके लिए पंजीकरण कराना अनिवार्य है। रविवार को जगन्नाथ यात्रा के शुभ अवसर पर प्रत्येक वर्षों की भांति इस वर्ष भी विजय प्रदोष मंडल व संकटा देवी मंदिर समिति के संयुक्त तत्वाधान में वैदिक आचार्य द्वारा चौक में किया गया। संकटा देवी मंदिर, रानी कटरा चौपटिया में ब्राह्मण नवयुवको का सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का कार्यक्रम आयोजित किया। विजय मण्डल के प्रवक्ता डॉ आशीष दीक्षित ने बताया की प्रत्येक वर्षों की भांति इस वर्ष भी 51 नवयुवक का यज्ञोपवीत संस्कार वैदिक आचार्य पंडित पाटेश्वर शुक्ला एवं पांच अन्य वैदिक ब्राह्मणों ने कराया। विजय प्रदोष मंडल के अध्यक्ष पंडित भाल चंद दीक्षित ने बताया प्रत्येक वर्ष इस तरह का सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन मण्डल ने किया है।

स्वामी विवेकनंद केजीवन मे हाथरस का था विशेष महत्व, यहीं मिले थे पहले शिष्य सदानंद

लखनऊ (भाषा)। नारायण साकार विश्व हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत की हाल में हुई त्रासदी को लेकर इन दिनों चर्चा में बने हाथरस को दुनिया में नई आध्यात्मिक चेतना जगाने वाले स्वामी विवेकानंद के पहले शिष्य के स्थान के रूप में भी जाना जाता है। स्वामी विवेकानंद के प्रथम शिष्य माने जाने वाले स्वामी सदानंद रेलवे में बतौर स्टेशन मास्टर के पद पर कार्यरत थे, लेकिन विवेकानंद के प्रति उनके मन में ऐसी लौ प्रज्वलित हुई कि वह नौकरी छोड़कर साधु बन गए और खुद को एक योग्य शिष्य साबित करने के लिए उन्होंने अपने रेलवे स्टेशन पर कुलियों तक के सामने भिक्षा मांगी।

स्वामी सदानंद को साधुओं को महाराज कहकर संबोधित करने की परंपरा शुरू करने का श्रेय भी दिया जाता है। लखनऊ में रामकृष्ण मठ के प्रमुख स्वामी मुक्तिनाथानंद ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, इन दिनों हाथरस खबरों में है और नकारात्मक कारणों से सुर्खियां बटोर रहा है लेकिन, यह वही स्थान है जहां पर दिव्यता और आध्यात्मिकता के बीज इसके रेलवे स्टेशन पर अंकुरित हुए थे। तब नियति ने स्वामी विवेकानंद को उनके पहले शिष्यों में से एक के रूप में हाथरस में ही सौंपा था, जिन्हें आज दुनिया स्वामी सदानंद के नाम से जानती है।

स्वामी अब्जाजनंदा अपनी पुस्तक स्वामी विवेकानंद के मठवासी शिष्य में कहते हैं, वर्ष 1888 के उत्तरार्द्ध में एक भटकता हुआ साधु वृंदावन से ऋषिकेश जा रहा था। वह हाथरस स्टेशन पर ट्रेन से उतरा। स्टेशन मास्टर ने उस भिक्षु को देखा। उसकी चमकदार आंखें और उसका प्रसन्न चेहरा उसे बरबस आकर्षित कर रहा था, इसलिए वह उसके पास गया और बातचीत शुरू की। स्टेशन मास्टर ने पूछा, स्वामी जी आप यहां क्यों बैठे हैं? क्या आप आगे नहीं जाएंगे? भिक्षु ने कहा, हां, निश्चित रूप से मैं जाऊंगा। स्टेशन मास्टर पास आया और पूछा, स्वामीजी, क्या आप धूम्रपान करना चाहेंगे? इस बार भिक्षु ने एक अलग तरीके से उत्तर दिया, हां, अगर आप मुझे एक पेश करते हैं।

अगले अनुच्छेद में इस रहस्य का खुलासा करते हुए लेखक ने कहा, यह भटकने वाला भिक्षु कोई और नहीं बल्कि स्वयं स्वामी विवेकानंद थे, और स्टेशन मास्टर शरतचंद्र गुप्त थे, जो बाद में स्वामीजी के शिष्य बन गए और उन्हें सदानंद नाम दिया गया। उन्हें रामकृष्ण संघ में गुप्त महाराज के नाम से भी जाना जाता था। इस तरह गुरु और शिष्य के बीच पहली मुलाकात हुई। ऐसा माना जाता है कि हाथरस के इस स्टेशन मास्टर को स्वामी विवेकानंद का पहला शिष्य होने का गौरव प्राप्त था।

हालांकि, फुटनोट में लेखक ने स्वामी विवेकानंद और सदानंद के बीच पहली मुलाकात का एक अलग विवरण भी दिया है। फुटनोट में लिखा है, स्वामीजी के संस्मरणों में, जिसका शीर्षक है स्वामीजी विवेकानंद जैसा मैंने उन्हें देखा, सिस्टर क्रिस्टीन ने स्वामीजी के साथ सदानंद की पहली मुलाकात का थोड़ा अलग विवरण दिया है। क्रिस्टीन के अनुसार सदानंद ने स्वामी विवेकानंद को एक रेल के डिब्बे में बैठे देखा और उनकी चमकदार आंखों से मोहित होकर उनसे नीचे उतरने की विनती की। ऐसा लगता है कि कुछ रात पहले ही सदानंद को उन्हीं आंखों का सपना आया था।

स्वामी सदानंद के संन्यासी जीवन पर प्रकाश डालते हुए लेखक ने कहा, शरतचंद्र गुप्त का जन्म छह जनवरी 1865 को कोलकाता में हुआ था। उनके पिता जदुनाथ गुप्त वर्ष 1869 में अपने परिवार के साथ वाराणसी के पास जौनपुर चले गए थे और वहीं बस गए थे। उत्तर भारत में पले-बढ़े शरतचंद्र जन्म से बंगाली होने के बावजूद हिंदी और उर्दू भाषाओं से अधिक परिचित थे। लेखक ने अपनी पुस्तक में यह भी कहा है, उन दिनों स्वामियों को संबोधित करने का कोई निश्चित तरीका नहीं था। स्वामी सदानंद ने पश्चिमी भारत में प्रचलित रीति-रिवाजों का पालन करते हुए भिक्षुओं को महाराज कहकर संबोधित करना शुरू किया। धीरे-धीरे, यह उन्हें संबोधित करने का स्वीकृत तरीका बन गया।

लेखक शरतचंद्र से संबंधित एक अन्य घटना का उल्लेख करते हैं जिसमें वह स्वामी विवेकानंद से बार-बार उनका शिष्य बनने का अनुरोध करते हैं। लेखक ने कहा, उनकी दृढ़ता और ईमानदारी को देखकर स्वामीजी ने कहा: क्या तुम सचमुच मेरे अनुयाई बनना चाहते हो? तो फिर मेरा भिक्षापात्र ले लो और स्टेशन के कुलियों से हमारे लिए भोजन मांगो।

आदेश मिलते ही शरत अपने ही रेलवे स्टेशन पर काम करने वाले कुलियों से भिक्षा मांगने चले गए। कुछ मात्रा में भोजन एकत्र करके वह उसे स्वामी विवेकानंद के पास ले गए। इस पर स्वामी विवेकानंद ने उन्हें हृदय से आशीर्वाद दिया और उन्हें अपना शिष्य स्वीकार कर लिया।

पुस्तक के मुताबिक स्वामी विवेकानंद के प्रति पूर्ण समर्पण दिखाते हुए शरत ने अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया, कुछ कपड़े गेरुए रंग में रंगे और एक भिक्षु के रूप में स्वामी जी के साथ जाने के लिए खुद को तैयार किया। बाद में उन्हें औपचारिक रूप से संन्यासी व्रतों में शामिल किया गया और उनका नाम सदानंद रखा गया। हाथरस जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, स्वामी विवेकानंद के हाथरस में पहली बार आगमन की स्मृति में हाथरस सिटी रेलवे स्टेशन पर एक शिलालेख स्थापित किया गया था, जिससे पता चलता है कि स्वामी विवेकानंद ने अपने पहले शिष्य को सदानंद नाम दिया था, जो हाथरस सिटी रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर थे।

राजशाही ठाठ से निकली भगवान जगन्नाथ की दिव्य रथयात्रा

नंदी घोष रथ पर दोनों हाथ पसारकर भक्तों को भगवान जगन्नाथ ने दिए दर्शन

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

श्री जगन्नाथ महोत्सव समिति ट्रस्ट के द्वारा अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद गुप्ता एवं रथ यात्रा संयोजक बसंत लाल आजाद के नेतृत्व राजशाही ठाट बाट के साथ आज भगवान जगन्नाथ की दिव्य रथ यात्रा निकाली गई। पूर्व मंत्री गगन दास गुप्ता ने सनातन धर्म की षोडशोपचार विधि विधान के अनुसार महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी की पूजन अर्चन किया। उन्हें भ्राता बलभद्र एवं देवी सुभद्रा के संग नंदी घोष रथ पर रथारूढ़ कर कमल पुष्प तुलसी पत्र गंगाजल मोर पंख शंख पंच फल पंच मेवा से अभिषेक एवं एक सौ एक दीप ज्योति माला की महा आरती की गई। रथयात्रा का शुभारंभ सांसद उज्जवल रमण सिंह महापौर गणेश केसरवानी किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरि जयराम गुप्ता दाऊ दयाल गुप्ता कुमार नारायण विजय वैश्य राजेश केसरवानी अन्नू गुप्ता सतीश केसरवानी कार्यक्रम संयोजक त्रिलोकी केसरवानी कन्हैया लाल गुप्ता महिला अध्यक्ष पूनम गुप्ता ने नारियल फोड़ कर और रथ यात्रा की रस्सी खींचकर किया। रथ यात्रा सह संयोजक संयोजक राजेश केसरवानी ने बताया कि रथ यात्रा के आगवानी में भगवान गणेश वरुण देव हनुमान महाराज नर सिंह भगवान और पांच पांडव रहे। इसके अलावा एरावत हाथी एरावत हाथीपर इंद्र देवता कृष्ण बलराम कृष्ण सुदामा केरल के कलाकारों द्वारा मुरादाबाद से आए श्रीराम जन्मभूमि राम दरबार की झांकी और राधा कृष्ण की महारास की शानदार झांकी भगवान जगन्नाथ का मृदंग दल काशी का डमरू दल मुरादाबाद का बैंड बाजा डीजे बैंड पाइप बैंड भक्तों को मंत्र मुग्ध कर रथ यात्रा को सुशोभित कर रही थी। रथ यात्रा आर्य भवन जीरो रोड से शुभारंभ होकर अपने निर्धारित मार्ग अग्रसेन चौराहा चमेली बाई धर्मशाला जानसेनगंज घंटाघर लोकनाथ चौराहा बहादुरगंज राम भवन मुट्ठीगंज हटिया पुलिस बूथ बांस मंडी बलुआ घाट कटघर से होते हुए काशी राजनगर स्थित प्रयागेश्वर नाथ भगवान जगन्नाथ के धाम में विश्राम ली।

रथ यात्रा मार्ग में जगह जगह पर भक्तों ने भगवान जगन्नाथ स्वामी की आरती दर्शन किया और रथ यात्रा का स्वागत किया। रथ यात्रा मार्ग में जगह जगह पर भक्तों ने भगवान जगन्नाथ स्वामी की आरती दर्शन किया और रथ यात्रा का स्वागत किया।रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ देवी सुभद्रा और भ्राता बलभद्र रतन जड़ित पोशाक और भव्य श्रृंगार और भगवान जगन्नाथ जी का विशाल नंदी घोष रथ आकर्षण का केंद्र रहा। रथ यात्रा में पार्षद नेम यादव अन्नू गुप्ता त्रिलोकी केसरवानी हैप्पी कसेरा अमर रस्तोगी कन्हैयालाल गुप्ता महिला अध्यक्ष पूनम गुप्ता लता उपाध्याय सुशील जैन सुमित केसरवानी सुनील टंडन राम प्रकाश अजय अग्रहरि सुमित केसरवानी हर्षित राम सजीवन शुक्ला एवं हजारों की संख्या में भक्तगणों ने नाचते गाते भगवान जगन्नाथ जी का जयकारा लगाते भगवान जगन्नाथ का रथ खींचा।

तीन गुमशुदा नाबालिग़ बच्चों को रेलवे चाइल्ड लाइन को किया सुपुर्द

प्रयागराज। उप निरीक्षक गौरव हमराह हेड कांस्टेबल प्रवीण कुमार और महिला कांस्टेबल पूजा गुप्ता प्रयागराज जंक्शन पर गस्त में मामूर थे। गस्त के दौरान प्रयागराज जंक्शन प्लेटफॉर्म नंबर 06 पर 03 नाबालिग़ बच्चे गुमशुदा हालत में अपने अपने बैग सामान के साथ दिखाई दिए। जिनसे प्यार से पूछताछ किया तो बताया कि वह नाराज होकर मदरसे से भाग कर आए हैं। बच्चों से बैठाकर नाम पता पूछा तो अपना नाम मोहम्मद मिजान पुत्र सलारूद्दीन उम्र 13 वर्ष पता ग्राम बालम घडिया थाना सहरसा

जिला सहरसा बिहार और दूसरे ने मोहम्मद सुफियान पुत्र सलारूद्दीन उम्र 07 वर्ष पता ग्राम बालम घडिया थाना सहरसा जिला सहरसा बिहार और तीसरे ने मोहम्मद इकबाल पुत्र मोहम्मद इसरापुल उम्र 08 वर्ष पता ग्राम बालम घडिया थाना सहरसा जिला सहरसा बिहार बताया। जिनके बैग में पुराने कपड़े नमकीन बिस्कुट और किताब आदि मिला। मदरसे का पता पूछा तो नहीं बता सके और न ही मोबाइल नंबर बता सके। बाद में बच्चों को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज कार्यालय लेकर आया गया। जहाँ बच्चों को खाना पानी दिया गया तथा बच्चों की सूचना पर रेलवे चाइल्ड लाइन प्रयागराज के कार्यालय में सौंप दिया गया। सूचना पर ज्योति सिंह तथा विमल रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज पर उपस्थित हुईं। जिनको पूरी घटना से वाकिफकरा दिया गया।।

महाकुंभ के आयोजन को बनाना है दिव्य और भव्य

ए के द्विवेदी के लोक निर्माण विभाग प्रयागराज के मुख्य अभियंता बनने पर कर्मचारियों में हर्ष, दी बधाई

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग प्रयागराज में ए के द्विवेदी मुख्य अभियंता बनने पर सर्किल एवं फील्ड स्टॉफ कर्मचारियों में भारी हर्ष व्याप्त है। सर्किल एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह एवं नियमित वर्कचार्ज कर्मचारी संघ के क्षेत्रीय मंत्री रविशंकर मिश्र के नेतृत्व में नवनियुक्त मुख्य अभियंता ए के द्विवेदी को बुके देकर स्वागत किया गया। कर्मचारी संघ ने आशा व्यक्त किया है कि मुख्य अभियंता ए के द्विवेदी के यहां आने से कर्मचारियों की समस्याओं का निस्तारण त्वरित गति से होगा। वहीं महाकुंभ मेला के कार्यों में भी प्रगति होगी।

लोनिवि के मुख्य अभियंता ए के द्विवेदी ने कहा कि सभी अच्छा करना है जिसमें आप सभी भी अपना पूरा प्रदर्शन करें। मांगंगा ने बुलाया है तो विश्वस्तरीय महाकुंभ मेला में लोक निर्माण विभाग का परचम लहराना है। जनपद अध्यक्ष सर्किल दिनेश सिंह प्रशासनिक अधिकारी संगठन के पदाधिकारियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रमुख सचिव एवं प्रमुख अभियंता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कुम्भ मेला का कार्य सकुशल सम्पन्न कराने का अनुभव मुख्य अभियंता को है। उनके अनुभव का लाभ सभी वर्ग के लोगों को मिलेगा। क्षेत्रीय मंत्री रविशंकर मिश्र ने कहा कि मुख्य अभियंता को 13 एवं 19 के कुम्भ और महाकुम्भ का कराने का अनुभव है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी संगठन 2025 का महाकुम्भ कराने मे पूरा सहयोग प्रदान करेगा। मुख्य अभियंता ए के द्विवेदी के स्वागत समारोह में विनय सिंह प्रेमचंद्र वर्मा योगेश शुक्ला पंकज श्रीवास्तव वेद प्रकाश आशीष कुमार योगेंद्र सुमित शुक्ला घनश्याम शुक्ला विकास केशरवानी जितेंद्र कुशवाहा गिरजा शंकर शुक्ला आदि कर्मचारियों ने बधाई दी है।

डीएम ने बैनामादारों को किया सम्मनित

बैठक में हुआ गहन मंथन

अंबेडकर नगर। तहसील जलालपुर के बैनामे दारो को जिलाधिकारी द्वारा माला पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया।तहसीलदार जलालपुर द्वारा अवगत कराया गया कि किसान कतारूए सोना देवीएराम प्रसादए शिव प्रसादए कुशएगब्बरए तारा देवीए पंकज कुमारएसंगमए संजना ने संयुक्त रूप से 2ण्69 हेक्टर भूमि का बैनामा औद्योगिक कॉरिडोर के पक्ष में किया गया। इन्हें 21लाख 51हजार 600 रुपए का भुगतान किया गया।इन सभी किसानों द्वारा अंबेडकर नगर औद्योगिक कॉरिडोर में दी गई भूमि के लिए दिए गए सहयोग के प्रति जिलाधिकारी द्वारा सभी किसानों का आभार व्यक्त किया गया। किया गया । इन्हें 36 लाख 35 हजार 280 रुपए भुगतान किया गया। नरेंद्र बहादुर द्वारा ण्045 हेक्टेयर भूमि का बैनामा औद्योगिक कॉरिडोर के पक्ष में किया गया। इन्हें 5 लाख 94 हजार रुपए का भुगतान किया गया।दुर्गावती द्वाराण्163 हेक्टेयर भूमि का बैनामा औद्योगिक कॉरिडोर के पक्ष में किया गया। इन्हें 21लाख 51हजार 600 रुपए का भुगतान किया गया इन सभी किसानों द्वारा अंबेडकर नगर औद्योगिक कॉरिडोर में दी गई भूमि के लिए दिए गए सहयोग के प्रति जिलाधिकारी द्वारा सभी किसानों का आभार व्यक्त किया गया।

अंबेडकर नगर । जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में अंबेडकर नगर वन प्रभाग की जिला वृक्षारोपण समितिए जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक आयोजित किया गया। बैठक के दौरान आगामी महावृक्षारोपण अभियान के सभी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा किया गया और सभी विभागों की तैयारियों की समीक्षा कर जरूरी दिशा निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिला पर्यावरणीय समिति ए जिला गंगा संरक्षण समितिए गंगा एवं सहायक नदियों में प्रवाहित किये जा रहे सीवेज के प्रवाह को शून्य करने हेतु निर्धारित समय में एक्शन प्लान तैयार करने हेतु आवश्यक सूचना ध्सुझाव एवं अधिकरण द्वारा निर्धारित प्रारूप पर समस्त सूचनाओं को समस्त संबंधित विभागों द्वारा शीघ्र उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध मेंए तमसा में हाईफ्लड लेवर का चिन्हीकरण कराने के सम्बन्ध मेंए जिलाधिकारी डॉ उमेश कुमार तिवारीए अपर जिलाधिकारी डॉ सदानंद गुप्ताए समस्त उप जिलाधिकारी तथा संबंधित विभाग के अधिकारीए कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

नवनियुक्त प्रधानाचार्या शर्ली मसीह ने लगाए गंभीर आरोप

बीजेएस की पूर्व प्रिंसीपल पारुल की नियुक्ति को बताया अवैध

प्रयागराज। मिशन रोड कटरा स्थित बिशप जॉनसन गर्ल्स स्कूल की पूर्व प्रधानाचार्या पारुल सोलोमन पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने और भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक को लेकर आरोप लगाए गए हैं। यह आरोप नई प्रधानाचार्या शर्ली मसीह ने उन पर बाकायदा प्रेस कॉन्फ्रेंस करके आज लगाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पारुल सोलोमन पूर्व बिशप पीटर बलदेव की बेटी हैं। पीटर बलदेव का लम्बा आपराधिक इतिहास रहा है। पारुल सोलोमन दूसरे विद्यालय में शिक्षिका रही हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्य योजना लाल ने फरवरी 2022 में प्रधानाचार्य पद से इस्तीफ़ा दे दिया था। जहां गलत तरीके से पारुल को प्रधानाचार्य बना दिया गया। चयन समिति के सदस्यों का भी यही कहना था कि पारुल सोलोमन की नियुक्ति अवैध है। इसी आधार पर बैंक ने पारुल सोलोमन के हस्ताक्षर से खाता संचालन कराने से रोक लगा दी और खाता सीज़ कर दिया। उनका आरोप है कि 2022 से शिक्षक कर्मचारियों के कई महीने का वेतन नहीं दिया गया और साथ में सभी का पीएफफण्ड जमा न करके करोड़ों रूपए का गबन कर लिया गया। शर्ली मसीह का आरोप था कि प्रबंध समिति के बदले जाने पर इसकी शिकायत की गई तो जांच करने पर सभी आरोप सही पाए गए। जिसके कारण पारुल सोलोमन को उनकी अवैध नियुक्ति होने के कारण से 12 अक्टूबर 2023 को पद से से बर्खास्त कर दिया गया था। शर्ली मसीह के साथ ही सभी शिक्षक और कर्मचारियों ने मीडिया के माध्यम से मांग की है कि पेपर लीक मामले की मास्टर माइंड जिन्होंने इस विद्यालय से पेपर लीक कराकर विद्यालय की छवि को धूमिल किया और शिक्षकों के वेतन एवं पीएफ फण्ड के करोड़ों रूपए गबन किया उन लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाए। प्रेस वार्ता में प्रधानाचार्या शर्ली मसीह बलराम पांडेय सुकृति मेंसी अनीता तिवारी वंदना फ्रांसिस अंकित सुनील कुमार वर्मा आदि उपस्थित थे।

माता प्रसाद दुबे की पुण्यतिथि पर उमड़ा हुजूम

दी गई श्रद्धांजलि

मीरजापुर।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और मिर्जापुर के जननायक स्वर्गीय माता प्रसाद दुबे की मनि चतुर्थ पुण्यतिथि उमड़ा सामाजिक कार्यकर्ताओ और कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जन सैलाब

विभिन्न दलों के नेताओं एवं समाज सेवको ने अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि मिर्जापुर के जन प्रिय नेता और मिर्जापुर के जननायक और छोटे गांधी के रूप मे मशहूर रहे स्वण् माता प्रसाद दुबे की चतुर्थ पुण्य तिथि बाजीराव कटरा स्थित स्प्रिंग होटल में धूमधाम से मनाई गई कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व विधायक भगवती चौधरी ने कहा कि स्वण् माता प्रसाद दुबे का व्यक्तित्व शब्दों में समेटा नहीं जा सकता है कांग्रेस कामगार पार्टी ;के के सीद्ध के मंडल अध्यक्ष रितेश मिश्रा ने कहा कि एक दल और एक सिद्धांत वादी नेता होने के साथ.साथ सभी दलों के प्रिय थे आज भले ही वे हमारे बीच नहीं है लेकिन उनके सिद्धांत आज हम सबको प्रेरित कर रहा है मिर्जापुर के कांग्रेस पार्टी के जिला सचिव स्वण् माता प्रसाद दुबे के भतीजे मनीष दुबे ने कहा कि आज भी हम उनके सिद्धांतों में चलकर जनता की सेवा कर रहे हैं और उनकी प्रेरणा सदैव हमें आशीर्वचन देती रहेगी इस कार्यक्रम में भारी संख्या में कांग्रेस पार्टी सहित अन्य दलों के साथ.साथ तमाम सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे जिसमें प्रमुख रूप से शिव शंकर चौबे जिला पंचायत सदस्यए हर्ष नारायण दुबेए कमलेश दुबेए रामनाथ दुबेए केदार दुबेए राजन पाठकए मोहित दुबेए सुशील तिवारीए राज धर दुबेए अशोक गुप्ता सहित तमाम कार्यकर्ता और अन्य पार्टी के लोग उपस्थित रहे।

सोनभद्र। शहीद स्थल प्रवंधन ट्रस्ट करारी, मधुरिमा साहित्य गोष्ठी, असुविधा हिंदी साहित्य पत्रिका परिवार व राष्ट्रीय संचेतना समिति के तत्वावधान मे शोक सभा वरिष्ठ साहित्यकार अजय शेखर के आवास पर आयोजित कर डा पंकज पांडेय 40 वर्ष व उनके बेटे की दुखद मौत पर शोक सभा आयोजित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उल्लेखनीय है कि पंकज पांडेय के पिता महेंद्र नाथ पांडेय जनपद के वरिष्ठ अधिवक्ता थे। वहीं बड़े भाई नीरज भी अधिवक्ता हैं पत्नी परिषदीय प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक है। पंकज की मृत्यु सड़क दुर्घटना में शुक्रवार को हो गई थी। शोक संतप्त परिवार को श्रद्धांजलि देते हुए ईश्वर से संबल देने की कामना कर दो मिनट मौन रक्खा गया।

फिर से मड़िहान सीओ की कमान संभाली

मड़िहान मिर्जापुर मड़िहान के 6 माह पहले पुलिस क्षेत्राधिकार रह चुके मुनेंद्र पाल सिंह एक फिर से सीओ आपरेशन मड़िहान की बागदौड सम्भाल ली हैं। बता दें कि इनके पहले अमर बहादुर मड़िहान सीओ आपरेशन पद पर कार्यरत थे। उनका स्थानांतरण लालगंज सीओ आपरेशन बतौर हो चुका है। गौरतलब हो कि वर्तमान मड़िहान सीओ आपरेशन मुनेंद्र पाल सिंह जब इसके पहले बतौर मड़िहान सीओ आपरेशन का पदभार संभाले थे एतो महज एक माह ही में ही क्षेत्र में सम्पूर्ण शांति व्यवस्था दिखाई देने लगी थी। अपराध में काफी कमी आई थी। पुलिस द्वारा जनता के हर बात को शांति पूर्वक ढंग से सुना समझा जाता था। विगत कुछ माह पहले श्री सिंह को आफिशियल कार्यभार देकर मुख्यालय के कार्यों में हाथ बंटाने के लिए नवाज़ दिया गया था। लेकिन जबसे श्री सिंह फिर से मड़िहान सीओ आपरेशन का कार्यभार विगत कुछ दिनों पहले संभाला है।

मारुति नंदन महायज्ञ में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

सोनभद्र। रामगढ़ कसारी स्थित भिखारी बाबा आश्रम परिसर में चल रहे नौ दिवसीय मारुति नंदन महायज्ञ के दूसरे दिन रविवार को यज्ञ मंडप की परिक्रमा को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हर हर महादेव के जयकारे से समूचा परिसर गुंजायमान रहा। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारे में श्रद्धालुओ ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के आयोजक संयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि भिखारी बाबा आश्रम परिसर में नौ दिवसीय मारुति नंदन महायज्ञ एवं गरीब कन्याओं का शुभ विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। दूसरे दिन रविवार को यज्ञ मंडप की परिक्रमा को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। यज्ञाचार्य राधेकृष्ण तिवारी आचार्य योगेश तिवारी, रेवती रमण तिवारी समेत अन्य आचार्यों के जरिए मारुति नंदन महायज्ञ कार्यक्रम संपन्न कराया जा रहा है। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओ ने प्रसाद ग्रहण किया। करुणा सिंह सीता अग्रवाल शारदा देवी डॉक्टर विजय उर्मिला देवी परमानंद मौर्य चिंता मौर्या रिशिता केसरी विमला देवी रजवंती मौर्या कालो देवी शांति संत सूरज महाराज राजेंदर मुन्ना बाबा सुभराम महाराज राजकिशोर प्रभु जी आदि लोग मौजूद रहे।

स्वस्थ जीवनशैली के लिए होम्योपैथी विश्वसनीय विकल्प-संजीव सिंह

सोनभद्र में होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की उठाई गई मांग

सोनभद्र।आइडियल होम्योपैथिक वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन सोनभद्र के तत्वाधान में रविवार को प्रादेशिक होमियोपैथिक वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन जिला मुख्यालय स्थित द लोटस बैंक्वेट सभागार में किया गया। जिसमें वक्ताओं ने होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति को बेहतरीन बताते हुए सोनभद्र में होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की मांग उठाई। प्रथम सत्र के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री संजीव सिंह गोड़ ने कहा कि असाध्य रोगों का इलाज होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति में है, यह पद्धति वर्तमान समय में अन्य चिकित्सा पद्धतियों से सस्ती और लाभकारी है, इस पद्धति से इलाज कराने से जटिल रोगों का स्थाई समाधान संभव है, हमारी सरकार इस चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा दे रही है प्रदेश के प्रत्येक जनपदों में होम्योपैथिक चिकित्सालय कार्य कर रहे हैं। स्वस्थ जीवन शैली के लिए होम्योपैथी विधा एक विश्वसनीय विकल्प है। विशिष्ट अतिथि सदर विधायक भूपेश चौबे ने होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के जनक हेनीमैन साहब नें संपूर्ण विश्व को ऐसी चिकित्सा पद्धति प्रदान किया है, इसके प्रयोग से मानव शरीर पर कोई कुप्रभाव नहीं पड़ता, हमारे देश में अनेक चिकित्सा पद्धतियां विद्यमान है उसमें सबसे सस्ती अच्छी कारगर चिकित्सा होम्योपैथी की मीठी गोलियों से संभव है। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा ने कहा कि आज के प्रदूषण के दौर में जब संपूर्ण विश्व वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, प्रकाश प्रदूषण की समस्याओं से जूझ रहा है। खाद युक्त भोजन, जल मानव ग्रहण कर रहा है। ऐसी स्थिति में प्रदूषण से होने वाले रोगों का इलाज होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति में है होम्योपैथ मीठी मीठी गोलियो से छोटे छोटे नवजात शिशुओ के स्वास्थ्य का संरक्षण करती है। आइडियल होम्योपैथिक वेलफेयर आर्गेनाईजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे एन सिंह रघुवंशी ने आयोजित संगोष्ठी में उत्तर प्रदेश सरकार से मांग किया कि चार राज्या बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, व छत्तीसगढ़ की सीमा से सटे जनपद सोनभद्र मे होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जानी चाहिए, ताकि उत्तर प्रदेश के साथ ही चारों अन्य राज्यों के नागरिकों को सस्ता सुलभ इलाज मिल सके। वहीं कार्यक्रम के प्रथम सत्र का विषय बच्चों के व्यवहार का संतुलन रहा, मुख्य वक्ता डॉ दिनेश और अध्यक्षता डी एस सिंह ने किया। द्वितीय सत्र का विषय मानसिक रोग में होम्योपैथिक का क्या महत्व रहा मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस. एस. पाल और अध्यक्षता डॉ अर्पिता चटर्जी ने किया, वहीं तृतीय सत्र का विषय असाध्य रोगों में होम्योपैथिक विधा क्या कर सकती है। इस सत्र के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद राम सकल और मुख्य वक्ता मनोरंजन पाल रहे अध्यक्षता आर सी श्रीवास्तव ने किया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के जनक हैनिमेन की तस्वीर पर माल्यार्पण कर व द्वीप प्रज्वलन के साथ किया गया। प्रथम सत्र में आर्गनाइजेशन के अध्यक्ष वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर कुसुमाकर श्रीवास्तव सचिव डॉक्टर सीबीडी पांडेय द्वारा संयुक्त रूप से मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, डॉक्टरों, पत्रकारों का माल्यार्पण करते हुए स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता प्रभाकर श्रीवास्तव, पत्रकार दीपक कुमार केसरवानी, राजेश कुमार पाठक राम अनुज धर द्विवेदी विमल अग्रवाल उमेश पांडेय राधेश्याम मिश्र डॉक्टर अभिषेक देव पांडेय मनोरंजन पाल अजीत सिंह वंशराज आनंद ए के सिंह, जौनपुर आनंद कुमार मिर्जापुर अनिल कुशवाहा बीवी नवाब दिनेश त्रिपाठी आरती श्रीवास्तव आनंद नारायण रविशंकर मिश्रा प्रकाश श्रीवास्तव हर्ष कुशवाहा गौरव अक्षय कुमार मिश्रा रवि सिंह अनुभव पांडे श्रद्धा दुबे रेखा प्रजापति इंद्र बहादुर सरोज सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मोदी-पुतिन बैठक

महत्वपूर्ण घटना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन के बीच बैठक उभरती विश्व व्यवस्था में भारत की प्रमुख भूमिका मजबूत करेगी। प्रधानमंत्री मोदी तथा राष्ट्रपति पुतिन के बीच बैठक की तैयारी लंबे समय से चल रही थी, पर चुनावों के कारण इसमें विलम्ब हुआ। भारत-रूस संबंध ऐतिहासिक हैं, पर वे विकसित होती बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में और महत्वपूर्ण हो गए हैं। फरवरी, 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह मोदी की पहली रूस यात्रा होगी। पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन टकराव के कारण रूस को अलग-थलग करने के बढ़ते प्रयासों के बावजूद भारत ने इस मामले पर 'तटस्थ' दृष्टिकोण अपना रखा है। भारत ने विवाद के समाधान के लिए संवाद और राजनय की आवश्यकता पर जोर दिया है, पर उसने रूस की सीधे निन्दा नहीं की है। यह दृष्टिकोण भारत की 'गुट-निरपेक्षता' तथा 'रणनीतिक स्वायत्तता' की ऐतिहासिक नीति के अनुरूप है। पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद भारत लगातार रूसी तेल खरीद रहा है। भारत और रूस के बीच लंबे समय से मैत्रीपूर्ण संबंध हैं जिनकी शुरुआत शीतयुद्ध युग से हुई थी। दोनों देशों के बीच मजबूत परंपरागत रक्षा एवं आर्थिक संबंध रहे हैं तथा रूस भारत को प्रमुख सैनिक हार्डवेयर का मुख्य सप्लायर रहा है। विभिन्न राजनीतिक परिवर्तनों के बावजूद ये संबंध बने हुए हैं। इनमें नाभिकीय ऊर्जा, अंतरिक्ष की खोज तथा व्यापार समेत विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग शामिल है। वास्तव में यूक्रेन युद्ध के वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था व सुरक्षा पर दूरगामी प्रभाव पड़े हैं। इस टकराव ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों और सप्लाई श्रृंखलाओं में बाधा डाली है तथा दुनिया भर में मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा है। लेकिन अमेरिका से अच्छे संबंधों तथा पश्चिमी दबाव के बावजूद भारत ने रूस से संबंध नहीं तोड़े। तटस्थता का दृष्टिकोण अपनाते हुए भारत ने रूस के साथ व्यापार संबंध बनाए रखे जिनमें कम कीमत पर रूसी तेल का आयात बढ़ाना शामिल है।

इस पृष्ठभूमि में मोदी की पुतिन के साथ मुलाकात महत्वपूर्ण है। उम्मीद है कि इसमें व्यापक विषयों पर चर्चा होगी जो भारत-रूस संबंधों की बहुआयामी प्रकृति की परिचायक होगी। ऊर्जा बाजारों में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी रूस से दीर्घकालीन ऊर्जा सप्लाई पर बात कर सकते हैं। दोनों नेता वर्तमान और भावी रक्षा उत्पादों के बारे में बातचीत कर सकते हैं जिसमें सैनिक हार्डवेयर की डिलीवरी तथा रक्षा तकनीकों का संयुक्त विकास शामिल है। यह चर्चा का प्रमुख बिंदु हो सकता है। उम्मीद है कि मोदी और पुतिन विकसित होती अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था तथा क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे। उभरती विश्व शक्ति के रूप में भारत की स्थिति तथा क्षेत्रीय सुरक्षा में उसकी भूमिका को भी चर्चा में प्रमुख स्थान मिल सकता है। बातचीत में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति व स्थिरता पर भारत का दृष्टिकोण शामिल किया जा सकता है जहां वह चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला कर रहा है। रूस पर पश्चिमी देशों द्वारा लगाए प्रतिबंधों के बावजूद भारत-रूस द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि हुई है। दोनों देश सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगा कर इसे और विस्तार दे सकते हैं। हालांकि, शायद यह सब अमेरिका को पसंद न आए और वह इससे गुस्सा हो सकता है, लेकिन हर देश अपने हितों को सर्वोच्च महत्व देता है। वर्तमान स्थितियों को देखते हुए भारत द्वारा अपनाई गई संतुलनकारी रणनीति उसे वैश्विक टकरावों में मध्यस्थ की महत्वपूर्ण भूमिका दे सकती है। इससे विश्व मंच पर भारत की भूमिका बढ़ेगी और वह अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने में भी उल्लेखनीय भूमिका अदा कर सकेगा।

पेपर लीक का उचित समाधान

पेपर लीक केवल प्रकियागत विफलता नहीं हैं, बल्कि ये परीक्षा व्यवस्था में विश्वास तोड़ते हैं। यह मुद्दा राजनीतिक विभाजनों के पार जाता है तथा इसके लिए व्यवस्था सुधार जरूरी है।

गौरव वल्लभ
(लेखक, प्रोफेसर व राजनेता हैं)

हालिया 'नीट' पेपर लीक ने पूरे देश में उथलपुथल पैदा की है। पेपर लीक एक गंभीर मुद्दा है जिसे संवेदनशील व गैर-राजनीतिक ढंग से संबोधित करने की आवश्यकता है। कोई सरकार ऐसी गड़बड़ियों को माफ नहीं कर सकती है तथा उनके समाधान को राजनीतिक लाभ से ऊपर उठ कर प्राथमिकता मिलनी चाहिए। मुख्य कारणों को संबोधित कर सक्रिय उपाय क्रियान्वित किए जाने चाहिए ताकि परीक्षा प्रक्रिया के प्रति निष्ठा सुनिश्चित हो और छात्रों तथा उनके परिवारों में इनके प्रति विश्वास बहाल किया जा सके। पेपर लीक कोई नई बात नहीं है और पहले भी ऐसा होता रहा है। ऐसे में महत्वपूर्ण रूप से इस मुद्दे को गंभीरता से लेकर उसके समाधानों पर काम करना चाहिए।

यह समझना जरूरी है कि माता-पिता तथा छात्र लीक पेपरों से कैसे प्रभावित होते हैं तथा इसके मूल कारणों को संबोधित कर परीक्षा के प्रति निष्ठा बनाए रखने तथा न्यायोचित प्रक्रिया सुनिश्चित करने के प्रयास होने चाहिए। पेपर लीक की घटनाओं से परीक्षा व्यवस्था में विश्वास टूटता है जिससे अवैध तरीकों से चयन की गारंटी के प्रति लालच पैदा होता है। यह व्यवहार रोकने, कठोर सुरक्षा उपाय करने, गलत व्यवहार करने वालों को कठोर दंड सुनिश्चित करने तथा पारदर्शी व उचित परीक्षा प्रक्रिया के प्रति विश्वास सुनिश्चित करने की आवश्यकता है ताकि योग्यता-आधारित सफलता का सिद्धान्त लागू किया जा सके। हमें यह अवश्य याद रखना चाहिए कि 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी'-एनटीए की स्थापना एक प्रमुख, विशेषज्ञ, स्वायत्तशासी व आत्मनिर्भर परीक्षा संगठन के रूप में की गई है जो उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए पेवेश परीक्षायें कराती है।

एनटीए का संचालन एक ऐसी समिति द्वारा किया जाता है जिसमें यूपीएससी के पूर्व अध्यक्ष, आईआईटी, एनआईटी व आईआईएम के निदेशक तथा जेएनयू व इग्नू के उप-कुलपति शमिल होते हैं। इनकी निष्ठा पर कोई संदेह नहीं होना चाहिए। लेकिन यहां मुद्दा नीति तथा क्रियान्वयन स्तरों का है और इसके समाधान दोनों स्तरों पर होने चाहिए। इसके लिए कुछ समाधानों का सुझाव दिया गया है। 500,000 से अधिक छात्रों वाली परीक्षाओं के लिए दो चरण वाली व्यवस्था लागू होनी चाहिए जिसमें प्रिलिमिनरी व मुख्य परीक्षायें शामिल हों। यदि उम्मीदवारों की संख्या 2,000,000 से अधिक हो तो जदा कठोर तीन चरणों वाली व्यवस्था लागू होनी चाहिए जिसमें प्रिलिमिनरी, मुख्य चरण 1 व मुख्य चरण 2 परीक्षायें होनी चाहिए। अंतिम मेरिट लिस्ट मुख्य चरण 1 व मुख्य चरण 2 में प्राप्त औसत अंकों के आधार पर बननी चाहिए।

इस दृष्टिकोण के लिए एक समग्र मूल्यांकन प्रक्रिया होनी चाहिए जिसमें उम्मीदवारों को अनेक स्तरों पर चयन से बाहर करने के लिए न्याय व निष्ठा को महत्व दिया जाए। इस व्यवस्था को लागू करने के लिए बड़ी संख्या में उमीदवारों का प्रबंधन तथा गलत व्यवहारों का जोखिम घटाना शामिल है। इससे ज्यादा विश्वसनीय परीक्षा प्रक्रिया तैयार होगी। इसके लिए कुछ शहरों या केन्द्रों को संवेदनशील या अत्यधिक संवेदनशील के रूप में परिभाषित करना होगा जैसा कि निर्वाचन आयोग मतदान केन्द्रों के बारे में करता है। ऐसे केन्द्रों को लगातार सीसीटीवी की निगरानी में रखना होगा ताकि परीक्षा प्रक्रिया की निष्ठा बनी रहे, गलत व्यवहार करने वाले हतोत्साहित हों तथा न्याय व पारदर्शिता सुनिश्चित हो। इस सक्रिय दृष्टिकोण से परीक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाल करने में सहायता मिलेगी तथा अनियमितताओं की जोखिम घटेगी। 'चयन परीक्षा' व 'अस्वीकृति परीक्षा' के बीच अंतर स्पष्ट रूप से परिभाषित होना चाहिए तथा इसे दृढ़ता से लागू किया जाना चाहिए। उच्च-जोखिम वाली 'नीट' व 'जेईई' जैसी परीक्षाओं के लिए अस्वीकृति-आधारित व्यवस्था होनी चाहिए ताकि अयोग्य उम्मीदवारों को अलग किया जा सके। इसका प्राथमिक उद्देश्य उन लोगों को बाहर करना होगा जो आवश्यक मानकों का पालन नहीं करते हैं। इसके लिए पेपर बनाने वालों को विशेष प्रशिक्षण देने की आवश्यकता होगी ताकि परीक्षायें इस उद्देश्य की प्रभावी रूप से पूर्ति कर सकें। इसमें प्रत्येक प्रश्न एक बाधा की तरह होना चाहिए जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों को दो भागों में बांट कर समग्र रूप से उनके ज्ञान और कौशल की परीक्षा करना हो। इस दृष्टिकोण से सुनिश्चित होगा कि केवल सर्वाधिक सक्षम तथा अच्छी तैयारी करने वाले छात्र ही सफल हों। इस उद्देश्य से एक मजबूत क्वेश्चन बैंक, आनलाइन टेस्टिंग तथा एआई-आधारित 'प्राक्टरिंग' होनी चाहिए ताकि परीक्षाओं की विश्वसनीयता बढ़ सके। क्वेश्चन बैंक बनाने में सभी शिक्षकों की सहभागिता तथा कठिन सवालों से टेस्टिंग को ज्यादा उपयोगी बनाया जा सकता है। परीक्षा प्रक्रियाओं की निष्ठा बनाए रखने के लिए साइबर-सुरक्षा के वैश्विक मानकों का प्रयोग होना चाहिए। क्वेश्चन पेपर हैंडलिंग के लिए बायोमीट्रिक प्रणाली का प्रयोग नीट, 2004 जैसे पेपर लीक से बचा सकता है।

न्याय व सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी, डिजिटल इन्क्रिप्शन तथा सुरक्षित परिवहन जैसी तकनीकों का प्रयोग जरूरी है। सरकार ने हाल ही में 21 जून को 'पब्लिक इक्जामिनेशन्स प्रिवेंशन आफ अनफेयर मीन्स एक्ट' की अधिघोषणा जारी की है। यह भारत में परीक्षा व्यवस्थाओं की निष्ठा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस कानून में कठोर दंड की व्यवस्था की गई है जिसमें संगठित पेपर लीक और परीक्षा में गलत साधनों का प्रयोग करने वालों के लिए 10 साल तक की सजा तथा एक करोड़ रुपये जुर्माने तक का प्राविधान है। इसका उद्देश्य परीक्षाओं में धोखाधड़ी रोकना तथा जनता का विश्वास परीक्षा प्रक्रिया में बहाल करना है। इससे स्पष्ट संदेश जाता है कि धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार को सहन नहीं किया जाएगा। इस कानून का व्यापक स्तर पर समर्थन किया जाना चाहिए क्योंकि इसका उद्देश्य ईमानदार छात्रों तथा उनके कठोर परिश्रम व आकांक्षाओं का सम्मान है तथा इससे सबके लिए उचित व पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित होती है। ग्रेस मार्क व्यवस्था समाप्त की जानी चाहिए क्योंकि यह जवाब देने की गति व सटीकता जैसे मुद्दों पर केन्द्रित है जिससे असंगति और अनुचित लाभ की स्थिति पैदा हो सकती है। परीक्षा संस्थाओं को ग्रेस मार्क देने से बचना चाहिए ताकि सभी उम्मीदवारों के लिए समान आधार तय हो सके और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता व औचित्य बनाए रखा जा सके।

सरकार द्वारा सात केन्द्रों पर 1,563 छात्रों के लिए फौरन पुन: 'नीट' परीक्षा कराने का निर्णय स्वागत योग्य है। हाल ही में 'नीट' परीक्षा में अनियमितताओं की जांच करने के लिए मामला सीबीआई को सौंप दिया गया है। सीबीआई पूरी गंभीरता से पूरी परीक्षा में धोखाधड़ी की कठोर जांच कर रही है। सीबीआई ने इस जांच के दौरान अनेक ब्रोकरों, शिक्षकों, प्रधानाचार्यों व ऐसे अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है जो 'नीट' परीक्षा में पेपर लीक व अन्य धांधलियों तथा धोखाधड़ी में शामिल थे। सरकार की ओर से मामला फौरन सीबीआई को सौंपने की यह त्वरित प्रतिक्रिया उसकी प्रतिबद्धता प्रकट करती है। सरकार परीक्षा प्रक्रियाओं की निष्ठा बनाए रखने तथा सभी छात्रों को समान व न्यायोचित अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार और सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों के बीच यह सहयोगी प्रयास ऐसी गड़बड़ियों को संबोधित करने तथा परीक्षा व्यवस्था में छात्रों व उने माता-पिता का विश्वास बहाल करने के लिए जरूरी है।

राजनीतिक रूप से आरोप-प्रत्यारोप लगाने के बजाय उचित परीक्षा नीतियां लागू करना ज्यादा जरूरी है। विपक्षी दलों को विभिन्न मुद्दों पर सहायक समाधान पेश करने चाहिए जिनमें पेपर लीक व परीक्षाओं में धोखाधड़ी शामिल हैं। हमें एकसाथ आकर इन समस्याओं का सक्रिय रूप से समाधान खोजना चाहिए। छात्रों की बेहतरी पर ध्यान देते हुए एक सुरक्षित व पारदर्शी परीक्षा परिवेश बनाना चाहिए जो अकादमिक व कॅरियर लक्ष्यों के साथ ही देश के भविष्य पर सकारात्मक प्रभाव डाल सके।

जूलियन असांजे की सराहनीय भूमिका

जूलियन असांजे दुनिया भर में प्रेस की स्वतंत्रता और मुखबिरों की सुरक्षा के लिए जटिल लड़ाई का प्रतीक बन गए हैं।

संतोष मैथ्यू
(लेखक, सहायक प्रोफेसर हैं)

हाल के वर्षों में, व्हिसलब्लोअर और प्रेस की स्वतंत्रता पर उनके प्रभाव से जुड़ी कहानी ने दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया है। विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे इस चल रही चर्चा में एक प्रमुख व्यक्ति बने हुए हैं। उनके नवीनतम कानूनी और व्यक्तिगत विकास एक ऐसा दृष्टिकोण प्रदान करते हैं जिसके माध्यम से हम प्रेस की स्वतंत्रता, व्हिसलब्लोअर की सुरक्षा और राज्य की शक्ति की जटिल गतिशीलता के व्यापक मुद्दों की जांच कर सकते हैं। जूलियन असांजे को 2006 में विकीलीक्स की स्थापना के लिए जाना जाता है, जो राजनीतिक, नैतिक, कूटनीतिक या ऐतिहासिक महत्व की वर्गीकृत, सेंसर की गई या अन्यथा प्रतिबंधित जानकारी प्रकाशित करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक मंच है। विकीलीक्स ने 2010 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि प्राप्त की जब इसने अमेरिकी सैन्य दस्तावेजों और राजनयिक केबलों का एक संग्रह जारी किया, जिसमें अमेरिकी सरकार की विवादास्पद कार्रवाइयों और नीतियों का खुलासा किया गया। इस कदम ने पारदर्शिता और प्रेस स्वतंत्रता के चैंपियन के रूप में असांजे की प्रतिष्ठा को मजबूत किया, लेकिन साथ ही उन्हें गहन कानूनी और राजनीतिक जांच का लक्ष्य भी बनाया। 2024 के मध्य तक, असांजे यूनाइटेड किंगडम की बेलमार्श जेल में हिरासत में हैं, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रत्यर्पण की लड़ाई लड़ रहे हैं, जहां उन्हें जासूसी अधिनियम के तहत आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। उनकी कानूनी टीम का तर्क है कि असांजे को प्रत्यर्पित करने से दुनिया भर के पत्रकारों के लिए एक खतरनाक मिसाल कायम होगी, जिससे सार्वजनिक हित में वर्गीकृत जानकारी के प्रकाशन को संभावित रूप से आपराधिक बनाया जा सकेगा। उनका स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय रहा है, जिसमें रिपोर्टें बिगड़ती शारीरिक और मानसिक सेहत का संकेत देती हैं। मानवाधिकार संगठनों ने बार-बार उनकी रिहाई की मांग की है, जिसमें उनकी हिरासत की कठोर परिस्थितियों और वैश्विक प्रेस स्वतंत्रता पर संभावित प्रभाव का हवाला दिया गया है। विकीलीक्स पर अपनी कानूनी लड़ाई के अलावा, असांजे को स्वीडन में बलात्कार के आरोपों का भी सामना करना पड़ा है। 2010 में, स्वीडिश अधिकारियों ने बलात्कार सहित यौन दुराचार के आरोपों में असांजे के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया। असांजे ने आरोपों से इनकार किया, दावा किया कि वे एक राजनीतिक बदनामी अभियान का हिस्सा थे। उन्होंने 2012 में लंदन में इक्वाडोर के दूतावास में शरण मांगी, जहाँ वे सात साल तक रहे, जब तक कि 2019 में उनकी शरण रद्द नहीं कर दी गई, जिसके कारण उन्हें ब्रिटिश अधिकारियों ने गिरफ़्तार कर लिया। 2019 में, स्वीडिश अभियोजकों ने जाँच बंद कर दी, लेकिन आरोपों ने असांजे की सार्वजनिक छवि पर छाया डालना जारी रखा।

वैश्विक पत्रकारिता और पारदर्शिता पर जूलियन असांजे के प्रभाव को कम करके नहीं आंका जा सकता। 2010 में टाइम मैगज़ीन के पर्सन ऑफ़ द ईयर के नाम से नामित, विकीलीक्स के माध्यम से असांजे के काम ने खोजी पत्रकारिता के एक नए युग को प्रेरित किया है। छिपी हुई सच्चाइयों को उजागर करने के लिए तकनीक का लाभ उठाकर, असांजे ने दुनिया भर के पत्रकारों और कार्यकर्ताओं को शक्तिशाली संस्थानों को चुनौती देने और जवाबदेही की माँग करने के लिए सशक्त बनाया है।

जूलियन असांजे की दुर्दशा एक बड़ी कहानी का हिस्सा है जिसमें एडवर्ड स्नोडेन और चेल्सी मैनिंग जैसे अन्य उल्लेखनीय व्हिसलब्लोअर शामिल हैं। स्नोडेन ने 2013 में वर्गीकृत जानकारी लीक की, जिससे ह्वू और उसके सहयोगियों द्वारा संचालित व्यापक वैश्विक निगरानी कार्यक्रमों का खुलासा हुआ। वर्तमान में रूस में रह रहे स्नोडेन गोपनीयता और सरकारी पारदर्शिता के पक्षधर बने हुए हैं। पूर्व अमेरिकी सेना खुफिया विश्लेषक चेल्सी मैनिंग ने 2010 में विकीलीक्स को वर्गीकृत सैन्य और राजनयिक दस्तावेज लीक किए थे। उनके खुलासे में कुख्यात कोलैटरल मर्डर वीडियो शामिल था, जिसमें बगदाद में अमेरिकी हेलीकॉप्टर गनशिप हमलों में नागरिकों की मौत को दिखाया गया था। मैनिंग को 2013 में दोषी ठहराया गया था और 35 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन सात साल की हिरासत के बाद 2017 में राष्ट्रपति बराक ओबामा ने उनकी सजा कम कर दी थी। भारत, अपने जटिल सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य के साथ, मुखबिरों और प्रेस स्वतंत्रता चुनौतियों का अपना इतिहास रहा है। हरियाणा वन विभाग में भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले भारतीय वन सेवा अधिकारी संजीव चतुर्वेदी जैसे मामले भारत में मुखबिरों के सामने आने वाले जोखिमों को उजागर करते हैं। भ्रष्टाचार या गलत कामों को उजागर करने वाले व्यक्तियों की सुरक्षा के उद्देश्य से बनाए गए व्हिसल ब्लोअर प्रोटेक्शन एक्ट, 2014 के बावजूद, भारत में व्हिसल ब्लोअर को अक्सर उत्पीड़न, कानूनी कार्रवाई और यहां तक कि शारीरिक नुकसान सहित प्रतिशोध का सामना करना पड़ता है। जूलियन असांजे, एडवर्ड स्नोडेन और चेल्सी मैनिंग के मामले प्रेस की स्वतंत्रता और व्हिसल ब्लोअर सुरक्षा के महत्वपूर्ण अंतर्संबंध को दर्शाते हैं। जबकि उनके कार्यों ने निस्संदेह सार्वजनिक जागरूकता और जवाबदेही में योगदान दिया है, उन्हें गंभीर नतीजों का भी सामना करना पड़ा है। ये मामले व्हिसल ब्लोअर और पत्रकारों के लिए मजबूत कानूनी सुरक्षा की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सत्य की खोज व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सुरक्षा की कीमत पर न हो।

भारत और विश्व स्तर पर, प्रेस की स्वतंत्रता और व्हिसल ब्लोअर की सुरक्षा की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है।

जबकि सरकारें राष्ट्रीय सुरक्षा और जनता के जानने के अधिकार के बीच संतुलन बनाना जारी रखती हैं, इन हाई-प्रोफाइल मामलों के परिणाम निस्संदेह भविष्य की नीतियों और पारदर्शिता और जवाबदेही पर व्यापक चर्चा को प्रभावित करेंगे। आपातकाल के दौरान मीडिया अनुपालन के संदर्भ में, लालकृष्ण आडवाणी की टिप्पणी, आपको झुकने के लिए कहा गया था, लेकिन आप रेंगने लगे, आज भी प्रासंगिक है क्योंकि यह समझौता किए गए प्रेस की स्वतंत्रता के खतरों और सत्ता को जवाबदेह ठहराने में पत्रकारिता की अखंडता के महत्व की एक स्पष्ट याद दिलाता है।

आप की बात

गैर-जिम्मेदार विपक्ष

संसद सत्र के शुरुआती दिनों में ही संसद की कार्यवाही देखने पर पता चलता है कि हमारे अनेक जन-प्रतिनिधि हमारी परेशानियों पर कम और अपने राजनीतिक हितों पर अधिक बोल रहे हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई बहस का जब प्रधानमंत्री सिलसिलेवार जवाब दे रहे थे तब विपक्ष द्वारा लगातार शोरगुल और हुड़दंग मचाकर कार्यवाही बाधित करना संसदीय परंपराओं के साथ उन मतदाताओं का भी अपमान है जिन्होंने उनको संसद में भेजा है। विपक्ष के नेता जैसे महत्वपूर्ण पद पर पहुंचे राहुल गांधी विपक्षी सांसदों को जोर-जोर से चिल्लाने और आसंदी के निकट आकर हुड़दंग मचाने के लिए खड़े होकर हिदायत देते हुए देखे गए। इससे लगता है कि विपक्ष अपने अधिक संख्याबल का उपयोग सही मुद्दे उठाने के बजाय सिर्फ शोर मचाने और हंगामा करने के लिए ही करना चाहता है। यह प्रवृत्ति भारतीय लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं है। विपक्ष शायद लोकसभा अध्यक्ष व राज्यसभा सभापति द्वारा गैर-जिम्मेदार सांसदों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की प्रतीक्षा कर रहा है, ताकि वह फिर अपने प्रति कथित अन्याय पर घड़ियाली आंसू बहा सके। लेकिन उसे समझना चाहिए कि देश की जनता उसके सभी कारनामों को गंभीरता से देख रही है।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

कीर स्टार्मर की विजय

ब्रिटेन की लेबर पार्टी ने कन्सर्वेटिव पार्टी को जबरदस्त मात दी है। कीर स्टार्मर ने 412 सीट जीत कर रिकार्ड कायम किया है। हालाकि वे 27 साल पहले टोनी ब्लेयर के नेतृत्व में जीती गई 418 सीटों से कुछ पीछे रह गए, मगर इन्होंने भी निसंदेह बहुत कड़ी मेहनत की है। 2019 के चुनाव में लेबर पार्टी को केवल 202 सीटें ही मिली थी। कंजर्वेटिव पार्टी के 14 साल के शासन में ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को भारी झटका लगा था और उसके सार्वजनिक उद्यम खस्ताहाल हो गए थे। स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन आदि विभागों के कामगरों को कई बार हड़ताल पर जाना पड़ा था। कंजर्वेटिव पार्टी को सबसे ज्यादा नुकसान ब्रेक्सिट के कारण उठाना पड़ा। इसने न सिर्फ ब्रिटेन को यूरोपियन यूनियन से अलग किया बल्कि व्यापार के मामले में भी यह देश यूरोप में सबसे अलग-थलग पड़ गया। स्टार्मर ने सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने के साथ ही अमीरों पर अधिक टैक्स लगाने की बातें चुनाव प्रचार में की थीं। देखना होगा कि वे अपनी नीतियों पर कहां तक अमल करते हैं। हिंदू प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की पराजय के बावजूद ब्रिटेन में भारतवंशियों का कद बढ़ा है और हाउस आफ कामन्स में उनकी संख्या अब 15 के मुकाबले 26 हो गई है।

– **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

योगी का योगदान

योगी आदित्यनाथ ने प्रमाणित कर दिया है कि सनातन पथ पर चलकर धर्म और मानवता की रक्षा एवं दुष्टों का अंत कैसे किया जा सकता है। इसके बावजूद कुछ नेता जातिगत सोच के चलते उनके विरुद्ध षडयंत्र कर रहे हैं। उनको याद रखना चाहिए कि प्रदेश की जनता योगी को मात्र एक मुख्यमंत्री ही नहीं अपितु मानवता के संरक्षक के रूप में स्वीकार करती है। पिछली सरकारों में कोई भी राजनेता जो काम नहीं कर पाया वह योगी आदित्यनाथ ने अपनी दृढ इच्छाशक्ति और निर्भीकता से पूरे किए हैं । लेकिन विडंबना है कि आज भी भारत के अनेक मंदिरों को पुलिस सुरक्षा की जरूरत पड़ती है। दूसरे धर्म के कट्टरपंथियों की अधिक संख्या वाले क्षेत्रों में आज भी हिंदुओं को अपने धार्मिक विश्वासों पर चलने में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संसद से प्रताड़ित हिन्दू समाज को ही हिंसक कहकर पूरे विश्व में मजहबी कट्टरपंथी समाज का बचाव करने और अपने वोटबैंक के तुष्टीकरण करने वालों की असलियत अब हिंदू समाज को समझनी होगी। इन स्थितियों को देखते हुए आज हिंदू समाज को योगी जैसे अनेकानेक राजनेताओं की आवश्यकता पूरे देश में है। यही योगी आदित्यनाथ का पूरे समाज को योगदान है।

– **दिव्य अग्रवाल,** देवघर

रेल यात्रियों को कष्ट

रेलवे ट्रेनों में लगातार स्लीपर श्रेणी कोच को हटाकर थर्ड एसी और थर्ड एसी इकोनॉमी कोच बढ़ाता जा रहा है। इससे ट्रेनों में स्लीपर कोच और जनरल कोच की संख्या घट रही है। इससे गरीब और सामान्य वर्ग के लोगों को सस्ती यात्रा की सुविधा घटती जा रही है। लंबी दूरी की ट्रेनों में 500 किलोमीटर तक की यात्रा में फ्लिहाल स्लीपर श्रेणी में 350 रुपये में होती है। जबकि इतनी ही दूरी की यात्रा में इकोनॉमी श्रेणी के लिए यात्रियों को 950 से 1000 रुपये तक देना पड़ता है। स्लीपर श्रेणी की तुलना थर्ड एसी इकोनॉमी में ही 600 से 700 रुपये अतिरिक्त खर्च करना पड़ रहा है। ट्रेनों में स्लीपर श्रेणी के कोच कम होने के कारण स्लीपर श्रेणी में वेटिंग लिस्ट लंबी होती जा रही है। इसके अलावा कम दूरी की यात्रियों के लिए अलग से चलने वाली लोकल ट्रेनों की संख्या भी बहुत कम है। इन्हें बढ़कर कम से कम चौगुना किया जाना चाहिए ताकि एक्सप्रेस ट्रेनों में भीड कम हो। रेलवे आम जनता के लिए एक कल्याणकारी सुविधा है। इसे केवल मुनाफा कमाने वाले उद्यम में बदलना किसी प्रकार उचित नहीं है। इस पर ध्यान देना होगा।

– **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

राप्ती नदी में भीषण बाढ़ से दर्जनों गांव हुए जलमग्न

●बाढ़ में फंसे 11 ग्रामीणों को फ्लड पीएसी टीम ने बचाया

संवाददाता। श्रावस्ती, भिनगा

मानसून आते ही भीषण बारिश का दौर शुरू हो चुका है जनपद में लगातार तीन दिन से रूक रुककर हो रही बरसात से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। नेपाल के पहाड़ी क्षेत्र में कई दिनों से हो रही बरसात से कुसुम बांध से अधिक मात्रा में पानी डिस्चार्ज किये जाने के कारण राप्ती नदी में भीषण बाढ़ आ गई है। नदी के समीपवर्ती व निचले इलाको के दर्जनों गांव में बाढ़ का पानी प्रबेश कर गया है लोग अपने परिवार व मवेशियों को लेकर सुरक्षित स्थानों पर पलायन कर रहे हैं। जिला प्रशासन दो दिन पहले ही लोगो को सुरक्षित स्थानों पर पनाह लेने के लिए सतर्क कर चुका है जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी स्वयं लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भ्रमण शील है। उनके निर्देश पर सभी बाढ़ चौकियों को सक्रिय कर दिया गया है युद्ध स्तर पर राहत व बचाव कार्य चलाया जा रहा है प्रभावित लोगों को राहत शिविरों में लाया जा रहा है। एनडीआरएफ व फ्लड पीएसी की टीमें बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है।

इस सम्बंध में जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए बाढ़ से बचाव की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है कुल 19 बाढ़ चौकियों की स्थापना की गई है जिसमें सभी चौकियों पर बाढ़ चौकी प्रभारियों को तैनात कर सक्रिय कर दिया गया है। इसके अलावा बाढ़ शरणालयों एवं पशु शिविरों की स्थापना कर दी गई है राहत सामग्री जो शरणालयों में उपलब्ध करायी जाएगी उसकी टेंडर प्रक्रिया को पूर्ण कर लिया गया है। जनपद में बाढ़ कन्ट्रोलरूम स्थापित कर दिया गया है जो 24 घण्टे संचालित रहेगा जिसका नम्बर 8545092198 है जिले में 04 बोट सहित 35 जवान तैनात है तथा आयोध्या से 15 मोटराइज्ड नाव भी मंगा ली गई है। जनपद में पीएसी फ्लड 02 टीम एवं एनडीआरएफ की 01 बटालियन तैनात है राप्ती बैराज पर नदी के घटते-बढ़ते जलस्तर की लगातार चौबिसों घण्टें मानिटरिंग की जा रही है। बाढ़ कार्य खण्ड द्वारा नदी के कटान से प्रभावित ग्रामों के बचाव कार्य हेतु कटान रोधी कार्य कराया जा रहा है सभी नोडल अधिकारी एवं उपजिलाधिकारी को भी अपने-अपने क्षेत्रों में दौरा कर निगरानी रखे जाने के निर्देश दिये गये है।

जनपद के तहसील जमुनहा अंतर्गत ग्राम पंचायत गजोबरी के ग्राम मोहनपुर भरथा एवं केवटन पुरवा में 11 लोगो के बाढ़ में फंसे होने की सूचना प्राप्त होते ही तत्काल जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू हेतु फ्लड पीएसी को निर्देशित किया। जिला प्रशासन एवं फ्लड पीएसी की लगभग आठ घंटे की कड़ी मेहनत के बाद सभी 11 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया तथा मौके पर मौजूद चिकित्सकों की टीम द्वारा पीड़ितों का प्राथमिक उपचार कराया गया जिसके बाद उन सभी को राप्ती बैराज स्थित गेस्ट हाउस में पहुंचाया गया। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए राहत आयुक्त जी0एस0 नवीन कुमार देवीपाटन मण्डल के आयुक्त शशि लाल भूषण सुशील व परियोजना निदेशक आपदा आदिती उमराव द्वारा पल-पल की सूचना ली जाती रही।

फ्लड पीएसी की तरफ से आपरेशन शुरू करने वाले टीम में क्रमशः सोनू कुमार अमरेश कुमार सरोज शुभम सिंह अब्दुल समी सतीश कुमार यादव व मनोज कुमार द्वारा आपरेशन सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया। रेस्क्यू के दौरान क्रमशः करिका 10 वर्ष मिन्नी 12 वर्ष रीता 25 वर्ष शेरू 08 वर्ष अर्चना 17 वर्ष कमला देवी 40 वर्ष शान्ती देवी 50 वर्ष सकटराम 18 वर्ष रेखा देवी 28 वर्ष नन्दन 30 वर्ष व राम उजागर 50 वर्ष को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला गया।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की दीर्घायु के लिए सपाइयों ने किया वृक्षारोपण

संवाददाता। अमेठी

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन के अवसर पर पार्टी नेतृत्व के आह्वान पर 01 जुलाई से 07 जुलाई 2024 तक ''पीडीए पेड़'' रोपण कार्यक्रम के तहत आज सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव ने विधान सभा क्षेत्र के अलग अलग स्थानों पर 52 पौधों का रोपण व वितरण कर सपा मुखिया के अच्छे स्वास्थ्य लम्बी आयु व सफल जीवन की कामना की। अमेठी विधानसभा क्षेत्र के अलग अलग स्थानों पर सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव के नेतृत्व में युवा कार्यकर्ताओं विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कई गांवों में पीडीए पेड़ वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया। आम अमरूद नीम सागौन पीपल व बरगद के 52 पौधों का रोपण किया। इस अवसर सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव ने कहा कि सपा पर्यावरण संरक्षण के प्रति कृत संकल्पित है और प्रदेश भर में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री रहते अखिलेश यादव ने वृक्षारोपण करवा कर गिनीज बुक अपना नाम भी दर्ज करवाया था।

आनलाइन उपस्थिति का बहिष्कार करेगा शिक्षक संघ

अमेठी। पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ और उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने सरकार के समक्ष अपने मांग पत्र को दोहराते हुए आज से आनलाइन उपस्थिति के बहिष्कार का निर्णय लिया है। दोनों संगठनों की प्रदेश इकाईयों में ने वर्चुअल आपात बैठक कर यह निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पहले 15जुलाई से डिजिटल उपस्थिति के साथ बच्चों की उपस्थिति को आनलाइन करने और एम डी एम पंजिका को आनलाइन करने का आदेश दिया था। शनिवार को अचानक शासन की ओर से आदेश में संशोधन करते हुए 8जुलाई से शिक्षकों की डिजिटल उपस्थिति का आदेश जारी कर दिया। आदेश की जानकारी होते ही पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ और उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की प्रांतीय कार्यकारिणी में वर्चुअल आपात बैठक करके शासन के आदेश के बहिष्कार का निर्णय लिया है।

सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय परिसर में जमा होता है नाली का गंदा पानी

शुकुल बाजार, अमेठी। एक तरफ जहां केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार करोड़ों रुपए खर्च कर गांवो का समुचित विकास करा रही है। तो वही प्रशासनिक अधिकारियों की लापरवाही के वजह से भाजपा के मातृत्व संगठन के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विद्याभारती द्वारा संचालित शुकुल बाजार कस्बे के सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय इस विकास कोसो दूर है विद्यालय परिसर में बरसात व नाली का गंदा पानी और कीचड़ आ जाने से बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तो वही संक्रामक रोग का खतरा भी बढ़ गया है। प्रधानाध्यापक के मुताबिक विद्यालय के पास की नाली की मरमती कारण व सफाई न होने से यह समस्या खड़ी हुई है।

उन्होंने नाली और विद्यालय के सामने बनी नाली के सफाई व मरमतीकरण कराए जाने को लेकर बीडीओ को शिकायतीपत्र सौंपा है। विद्याभारती द्वारा शुकुल बाजार कस्बे में स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर विद्यालय में इस समय बरसात व नाली का गंदा पानी और कीचड़ भरा रहा है। ऐसे में विद्यालय पढने आने वाले बच्चों को अपने कक्षा तक जाने के लिए उस कीचड़ और उस गंदे पानी के बीच से होकर जाना पड़ता है। प्रधानाध्यापक ने बताया कि सफाईकर्मी द्वारा नाले की सफाई नहीं की जाती है, जिसकी वजह से उसमें कीचड़ बजबजा रहा है। नाली का कीचड़ और गंदा पानी स्कूल परिसर में भी आ गया है। जिससे बच्चों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

उन्होंने कहा कि गंदगी के चलते कभी भी संक्रामक रोग फैल सकते हैं। इस संबंध में उन्होंने खंड विकास अधिकारी अंजलि सरोज को पत्र सौंप नाली और विद्यालय परिसर की सफाई करवाए जाने की बात कही है। उधर, बीडीओ ने इस समस्या के निराकरण किए जाने को लेकर सचिव को निर्देशित किया है।

कांवड़ यात्रा-श्रावण झूला मेला की तैयारियों के सम्बंध में मुख्य सचिव ने की बैठक

संवाददाता। अयोध्या

मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन श्री मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में कांवड़ यात्रा-श्रावण झूला मेला की तैयारियों के सम्बंध में आज जनपद अयोध्या से विकास प्राधिकरण सभागार में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। समीक्षा के दौरान पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश श्री प्रशांत कुमार, मण्डलायुक्त अयोध्या श्री गौरव दयाल, मण्डलायुक्त देवीपाटन श्री शशिभूषण लाल सुशील, मण्डलायुक्त बस्ती श्री अखिलेश सिंह, पुलिस महानिरीक्षक श्री प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी अयोध्या श्री नितीश कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजकरन नैय्यर, अपर आयुक्त प्रशासन श्री अजय कान्त सैनी सहित सम्बंधित विभागों के मण्डल एवं जिला स्तर के अधिकारी उपस्थित रहे तथा देवीपाटन, बस्ती व अयोध्या मण्डल के जिलाधिकारीगण व पुलिस अधीक्षक गणों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की।

मुख्य सचिव ने बैठक के दौरान निर्देश दिये कि अयोध्या में आने वाले श्रद्वालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाये इसका जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग विशेष रूप से ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि सावन झूला मेला क्षेत्र एवं कांवड़ यात्रा मार्गो पर पर्याप्त साफ सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय इसके लिए शासन द्वारा 1500 अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों की व्यवस्था की जा रही है तथा मार्गो के गड्ढे, खराब सड़के, मार्ग जलभराव आदि को भी यथाशीघ्र सही कराया जाय और इसका वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर सुनिश्चित कर लिया जाय, की सभी मार्ग पैदल यात्रा करने वालों के लिए अनुकूल है और यह व्यवस्था अयोध्या के साथ साथ आसपास के जनपदों में भी सभी जिलाधिकारियों द्वारा सुनिश्चित की जाय। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु तथा कांवड़ियों द्वारा कलश से जलाभिषेक किये जाने के कारण मार्गो एवं मंदिर की सीढ़ियों व शिवलिंग के आसपास फिसलन की सम्भावना बढ़ जाती है इसके लिए इसकी नियमित सफाई होती रहे इसका भी विशेष ध्यान दिया जाय।

अयोध्या में श्री राम के कुल देवता की हुई प्राण प्रतिष्ठा

अयोध्या। भगवान श्री राम के कुल देवता श्री रंगराघव भगवान का संत शिरोमणि संत गोपाल दास जी महाराज के पूर्ण स्मृति में ऋण मोचन घाट स्थित नवनिर्मित श्री संत गोपाल मंडपम में प्राण प्रतिष्ठा हुई । नव दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव श्रीसंत गोपाल मंडपम के पिठाधिपति स्वामी कूरेशाचार्य जी महाराज के संयोजन में हो रहा है और यह महोत्सव श्रीकाञ्ची प्र.भ. जगद्गुरु गादिस्वामि श्रीनिवासाचार्य जी महाराज काञ्ची पुरी की अध्यक्षता की अध्यक्षता में संपन्न कराया जा रहा है। स्वामी कूरेशाचार्य जी महाराज ने बताया कि 30 जुलाई से प्रारंभ हुए महोत्सव के मुख्य यजमान इंद्रपाल सिंह सहित पूरे देश से वैदिक विद्वानों प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराया गया।

ऊमरी पेट्रोल पंप के पास कुएं में मिले शव की गुत्थी सुलझी, 3 गिरफ्तार

रामपुरा, जालौन। रामपुरा थाना क्षेत्र के ऊमरी में भदौरिया पेट्रोल पंप के पास कुएं में शव मिलने की घटना का पर्दाफाश कर तीन हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया। ज्ञात हो कि तीन जुलाई को रामपुरा थाना अंतर्गत ऊमरी में भदौरिया पेट्रोल पंप के पास कुआं में एक युवक का शव मिला था जिसकी शिनाख्त सोनू पुत्र छोटेलाल कुशवाहा निवासी गिधौसा के रूप में हुई थी। इस घटना की तहरीर 3 जुलाई दिन बुधवार को अवधकिशोर पुत्र रामप्रकाश कुशवाहा निवासी गिधौसा ने थानाध्यक्ष रामपुरा को दी थी। तहरीर में बताया गया था कि मेरा चचेरा भाई सोनू पुत्र छोटेलाल कुशवाहा घर से पानी पूड़ी का धन्धा करने के लिए 28 जून दोपहर करीब 2.30 बजे घर से निकला था जिसकी किसी अज्ञात व्यक्ति ने हत्या कर शव को भदौरिया पेट्रोल पंप के पास वाले कुएं में फेंक दिया। तहरीर के आधार पर थाना रामपुरा में मुकदमा अपराध संख्या 82/24 धारा 302, 201 भादपि पंकीकृत किया गया था। पुलिस अधीक्षक डॉ ईराज राजा एवं असीम चौधरी के कुशल निर्देशन एवं सीओ माधौगढ़ शैलेंद्र वाजपेयी के पर्यवेक्षण में टीम गठित की जिसका नेतृत्व रामपुरा एसओ योगेंद्र कुमार ने किया। थानाध्यक्ष योगेंद्र पटेल व उनकी टीम की कार्यकुशलता ने हत्या की गुत्थी को महज एक हफ्ते के अंदर ही सुलझा कर हत्याभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।

अखिलेश यादव के कार्यकाल में हुआ ऐतिहासिक वृक्षारोपणः वीरेन्द्र यादव

संवाददाता। रायबरेली

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन पर समाजवादी पार्टी द्वारा मनाये जा रहे वृक्षारोपण सप्ताह के अन्तिम दिन जनपद रायबरेली में कार्यकर्ताओं द्वारा बड़ी संख्या में लगभग 2000 पौधे रोपित किये गये है। खीरों, लालगंज एवं शहर रायबरेली में वृक्षारोपण करते हुए जिलाध्यक्ष इं0 वीरेन्द्र यादव नें कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यकाल में वन एवं पर्यावरण के क्षेत्र में उ0प्र0 में ऐतिहासिक कार्य हुये हैं अखिलेश यादव द्वारा लखनऊ शहर के अन्दर एशिया का सबसे बड़ा पार्क जनेश्वर मिश्र पार्क में विभिन्न प्रकार के हजारों पेड़ लगवा कर, डॉ लोहिया पथ एवं पार्क इटावा लायन सफारी सहित सम्पूर्ण प्रदेश में करोड़ों वृक्ष लगाये गये जो वर्तमान में जनजीवन को शीतलता, छाया एवं ऑक्सीजन दे रहे है। वर्तमान भाजपा सरकार के 7 वर्ष के कार्यकाल में उप्र में वृक्षारोपण के नाम पर सिर्फ कागजों पर आंकड़े दिखाये जा रहे हैं। धरातल पर वृक्षारोपण के नाम पर कुछ भी दिखायी नहीं दे रहा है।

विधायक श्याम सुंदर भारती द्वारा ग्राम पंचायत कैर, महराजगंज, नीम टीकर, बछरावां, में सघन वृक्षारोपण किया गया। विधायक राहुल लोधी द्वारा हरचन्दपुर के धुराई, अतरहर आदि गांव में अनेकों वृक्ष लगा कर कार्यकर्ताओं को वृक्षारोपण हेतु प्रेरित किया गया।

रायबरेली के पूर्व प्रत्याशी आर0पी0 यादव एवं विधान सभा अध्यक्ष योगेश्वर पटेल द्वारा कोडरस, अमावां में पौधे रोपित किये गये पूर्व प्रत्याशी सलोन चौधरी सुरेश निर्मल, विधान सभा अध्यक्ष पुत्तन सिंह यादव के नेतृत्व में रेवरी सैदपुर, बेतौरा, पोठई, बहुतई में कार्यकर्ताओं के साथ वृक्षारोपण किया गया।

मानक विहीन खड़ंजा निर्माण की हुई शिकायत

गोंडा। जिले के विकास खंड मनकापुर में ग्राम पंचायत विद्यानगर में विकास के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। ग्राम पंचायत विद्यानगर के मजरा पण्डित पुरवा में कच्चे रास्ते को खड़ंजा निर्माण के नाम पर लाखो रुपये खर्च किये गए, किन्तु आधा अधूरा और मानक विहीन खड़ंजे का निर्माण कराया गया। वहीं मानसूनी बारिश ने विद्यानगर ग्राम पंचायत में विकास की कलई खोल दिया है।बता दें कि थोड़ी ही बरसात ने ग्राम पंचायत के मजरा पंडितपुरवा में बनी सड़क ध्वस्त हो गई। जिससे लाखो रुपये का वारा न्यारा हो गया है। ग्रामीणों की माने तो यहां खड़ंजा निर्माण के नाम पर केवल कोरम ही पूरा किया गया है। इससे ग्रामवासियों का प्रधान के विरुद्ध गुस्सा पनपने लगा है। कॉम्पेंशन के अभाव में बारिश के पानी में खड़ंजा से मिट्टी बह जाने से आवागमन बाधित हो रहा है। वहीं ग्राम निवासी संजय पाठक ने जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी से निर्माण में गुणवत्ता खराब होने की शिकायत की है।

1857 के अमर नायक राना बेनी माधव की जयंती की तैयारी शुरू

रायबरेली। 18 महीने तक अवध को अंग्रेजों के चंगुल से मुक्त रखने वाले 1857 के अमर नायक राना बेनी माधव की जयंती की तैयारी शुरू हो गई। राना बेनी माधव बक्स सिंह स्मारक समिति के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कई निर्णय लिए गए। साथ ही आयोजन को भव्य बनाने के लिए सदस्यों के सुझाव लिए गए। साथ ही निर्णय लिया गया कि इस महाबीर चक्र से सम्मानित सेना के जवान को राना बेनी माधव बक्स सिंह स्मृति सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। रविवार को होटल प्लीजेंट व्यू सेनानी में आयोजित बैठक में अध्यक्ष श्री सिंह ने कार्यक्रमों की जानकारी सभी के समक्ष रखी। सचिव अशुतोष सिंह ने गत वर्षों की भांति इस वर्ष में देने वाले सम्मानों व कार्यक्रमों की जानकारी सभी के समक्ष रखी। उपाध्यक्ष शिवकुमार सिंह ने कहा कि इस वर्ष महाबीर चक्र से सम्मानित सेना के जवान को राणा बेनी माधव बक्स सिंह स्मृति सम्मान दिया जाएगा।

रवींद्र सिंह ने कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में काम करने वाले दो लोगों को बीरा पासी व लालचंद्र स्वर्णकार स्मृति सम्मान दिया जाएगा। शशिकांत शर्मा ने कहा कि साहित्यक क्षेत्र में एक साहित्यकार को डॉ. शिव बहादुर सिंह भदोरिया स्मृति सम्मान दिया जाएगा।

इनरव्हील ने जगन्नाथ रथयात्रा का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत स्वागत किया

रायबरेली। रामकृपाल चौराहे पर इनर व्हील क्लब रायबरेली की सभी सदस्याओं ने भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा का भव्य स्वागत पुष्प वर्षा कर किया रथयात्रा में बैठे भागवन को प्रसाद चढ़ा कर साथ ही भगवान जगन्नाथ का पूजन भी किया। सभी पदाधिकारी ने रथ यात्रा को कुछ दूर आगे बढ़ाने रस्सी खींच कर रथ चलाने वाले सभी लोगों को इनरव्हील क्लब की सदस्याओं ने शोभा यात्रा में सभी भक्तों हजारों को सोनपापड़ी, आम, केला, फरूटी एवं पानी का वितरण किया। इस पावन अवसर पर अध्यक्षा दीप्ति सिकरिया, आज पूरा देश कई जिले व प्रदेश में भगवान श्री जगन्नाथ यात्रा निकल जाती है सभी देशवासी व विदेशों में भी भगवान की शोभायात्रा व पूजन करते हैं सचिव विनीता राजपाल, अर्चना सिकरिया, प्रियंका अग्रवाल, रीना गुप्ता, निधि मेहरोत्रा, अल्पना पियूष,नीरज गुप्ता आदि सदस्याएं उपस्थित थीं।

रैपुरा-मयास-नदियावां सम्पर्क मार्ग जर्जर, राहगीर परेशान

अमेठी। जिले के बिकास खण्ड जामो के नन्दमहर बाजार से नदियावां -मयास -रैयपुरा सम्पर्क मार्ग जर्जर है। जगह-जगह पटरी क्षतिग्रस्त है। सड़क पर जानलेवा गडढे ऊभर आये है। गाँव के लोग परेशान है। सम्पर्क मार्ग की मरम्मत नही हुई। पुर्ननिर्माण ना होने से लोग परेशान है। रैपुरा के पंडित राम प्रताप पाण्डेय के घर पीड़ित परिवारो का आवागमन सदैव रहता है। लेकिन जर्जर सड़क पर मजबूरन लोग सफर करते है। लेकिन सड़क के ऊभरे गडढे लोगो को परेशान कर रहे है। सड़क मार्ग पर जगह-जगह जल भराव हल्की वारिस मे हो जाता है। पूर्व एम एल सी दीपक सिंह ने बताया कि सड़क मार्ग जर्जर है। शिकायत कई बार ग्रामीणो ने की है। विधायक का कहना है कि शिकायत अभी तक नही मिली है। शिकायत मिली तो सड़क की मरम्मत होगी।

मुहर्रम, कांवड़ यात्रा के दौरान सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखें: जिलाधिकारी

संवाददाता। उरई, जालौन

मोहर्रम, श्रावण मास, कावड़ यात्रा और अन्य त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉक्टर ईरज राजा की अध्यक्षता में विकास भवन के रानी लक्ष्मी बाई सभागार में जनपद के समस्त धर्म गुरुओं और संभ्रांत नागरिकों के साथ शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।

जिलाधिकारी ने सभी धर्म गुरुओं और संभ्रांत लोगों से अपील करते हुए कहा कि आपसी प्रेम सद्भाव और सौहार्द के साथ त्योहार को मनाये, साथ ही नगर पालिका प्रशासन तथा जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए कि वह शहरी व ग्रामीण इलाकों में साफ सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखे, जिससे मोहर्रम और कावड़ यात्रा के दौरान किसी को भी असुविधा न हो। जनपद के प्रत्येक नागरिकों की जिम्मेदारी है कि इन त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्द के साथ मनाएं, साथ ही यह भी ध्यान रखें कि किसी की भावना को ठेस न पहुंचे।

उन्होंने कहा कि खास तौर पर यदि कोई भी अराजक तत्व शांति व्यवस्था में खलल डालता है, तो उसके बारे में तत्काल पुलिस तथा प्रशासन को अवगत कराए, जिससे उसके विरुद्ध कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि किसी भी भ्रामक खबरों को प्रसारित करने से बचें और किसी भी प्रकार की सूचना आदि उन्हें प्राप्त होती है, तो इसकी सूचना तत्काल जिला प्रशासन को दें, ताकि उस सूचना की जांच करते हुए प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

उन्होंने विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए कि आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए विद्युत आपूर्ति बाधित न होने पाए।

इसके अलावा नगर पालिका, नगर पंचायत तथा जिला पंचायत राज विभाग के अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए कि आगामी त्यौहार को ध्यान में रखते हुए साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

नैनापुर में दलित बस्ती के वाशिंदे जलभराव के चलते घरों में कैद

कुठौंद, जालौन। पहली मानसूनी बरसात नैनापुर गांव की दलित बस्ती में निवासी करने वाले वाशिंदों के लिये बड़ी मुसीबत लेकर आयी है। आलम यह है कि शुरूआत की बारिश में ही उनके मकानों के चारों ओर पानी ने कब्जा जमा दिया जिससे कच्चे मकानों में लगातार नमी आने से उनके धरासायी होने का खतरा पैदा हो गया है। हालांकि गांव के दलितों ने अपनी समस्या पहले बीडीओ कुठौंद और बाद में एसडीएम जालौन से की लेकिन इसके बाद भी जलभराव की समस्या से निजात नहीं मिल सकी। जिससे दलित बस्ती के वाशिंदे अपने घरों में कैद रहने को विवश हो रहे हैं। नैनापुर के मोनू पुत्र मथुरी, सोनू पुत्र चतुरी, रजनीश पुत्र रविंद्र, रामा, हीरा, प्रियंका, मिथिलेश, रूबी, चुन्नी, नारायण दास , तिलक सिंह, दुर्गाचरण, निनकू, चतुरी शिव लाल, प्रताप, महेंद्र, शिवनारायण, विशुन कांति के द्वारा खंड विकास अधिकारी को तालाब के जलभराव के संबंध में 29 जून 2024 को प्रार्थना पत्र दिया गया था। इसके बाद कोई सुनवाई न होने पर उप जिला अधिकारी जालौन को भी प्रार्थना पत्र दिया गया।

इसके बावजूद ग्राम प्रधान द्वारा एक पंपिंग सेट लगाकर लगभग 1 घंटे तक पानी को निकाला गया जिससे तालाब में भर पानी पर कोई कमी नहीं आई और पंपिंग सेट को बंद कर दिया गया। इसके बाद दलित बस्ती के लोगों को कोई देखने सुनने वाला शासन तथा प्रशासन का व्यक्ति नहीं आया। रविवार को मीडिया टीम ने मौके पर तालाब की स्थिति देखी जाए तो घरों तक पानी हिलोरे मार रहा है।

डीएम ने रोडवेज बस स्टैंड में गंदगी देख सफाई नायक को लगायी फटकार

संवाददाता। उरई, जालौन

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने रोडवेज बस स्टैंड व रामकुंड का निरीक्षण कर अधिनियस्त अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। रोडवेज बस स्टैंड परिसर में सफाई व्यवस्था सही न मिलने और जगह जगह गुटखा थूका देख नाराजगी जाहिर करते हुए रोडवेज एआरएम को निर्देशित किया कि त्वरित संबंधित सफाई कर्मचारियों व सफाई नायक के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि परिसर पर साफसफाई की बेहतर व्यवस्था के साथ नाला की भी सफाई कराएं ताकि बारिश में नाला चौक न हो पायें और बेहतर पानी की निकासी बानी रहे।

उन्होंने कहा कि परिसर के अंदर व बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाएं, जो गुटखा थूकता देख या गन्दगी फैलाते हुए मिले उस पर पांच सौ रुपये जुर्माना बसूला जाए। बस स्टैंड परिसर में कैंटीन के पास एक चिकित्सक का क्लीनिक संचालित है, कुछ दुकानें बंद है समय से किराया नहीं दे रहे उनकी जानकारी नगर पालिका के अधिकारियों से कर निर्देश दिए कि ऐसे दुकानों को नोटिस निर्गत करते हुए दुकान आवंटन निरस्त कर नए सिरे से एलाटमेंट की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने रामकुंड का निरीक्षण किया, रामकुंड की मिट्टी खोदकर तालाब की साफ सफाई ठीक से न करने पर नाराजगी जताते हुए कार्य तेजी से कराये जाने के निर्देश दिये गये। रामकुंड परिसर के चारों तरफ बरगद पीपल आदि छायादार पौधों का रोपण कराया जाए, बारिश चल रही है अभी से ही गड्ढे खोदकर एक अभियान के रूप में लेते हुए वृक्षारोपण करना सुनिश्चित करें। प्रकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही व उदासीनता मिलने पर कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

इस अवसर पर एडीएम नमामि गंगे विशाल यादव, सिटी मजिस्ट्रेट अजीत कुमार जायसवाल, उप जिलाधिकारी हेमन्त पटेल व नगर पालिका के अधिकारी मौजूद रहे।

टापू बना पलिया का आज़ाद नगर गांव

●प्रभावितों को नावो से एसडीएम ने कराया विस्थापित

●बांटी राहत सामग्री चिकित्सकों ने किया परीक्षण

संवाददाता। लखीमपुर, खीरी

रविवार को शारदा नदी में जलस्तर बढ़ने पर उसकी अपस्ट्रीम में बो पलिया तहसील का गांव आजाद नगर टापू बना गया। जलस्तर बढ़ने की सूचना पर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के निर्देश पर उप जिलाधिकारी कार्तिकेय सिंह अपने राजस्व दलबल के साथ उन्हें सुरक्षित स्थान पर बसाने के लिए पूरे मनोयोग से जुट गए। बाढ़ की संभावित विभीषिका, नदियों में बढ़ने वाले जलस्तर को लेकर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल बेहद संजीदा है।

बाढ़ प्रबंधन और जन-जीवन की सुरक्षा के दृष्टिगत डीएम ने सभी उप जिलाधिकारियो को न केवल विस्तृत दिशा निर्देश दिए है, बल्कि एसडीएम से नियमित संवाद कर अनुश्रवण भी कर रही है। उनके निर्देश के क्रम में बाढ़ से प्रभावी ढंग से निपटने, उनके प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से सभी एसडीएम अपने अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहे।

रविवार को शारदा नदी का जलस्तर बढ़ जाने से एसडीएम ने अप स्ट्रीम में बसे आजादनगर गांव में झोपड़ी डालकर रहने वाले 15-16 परिवारों के करीब 45 से 50 लोग पुरुष,महिलाओं एवं बच्चों सहित पशुओं को छह नाव लगाकर सुरक्षित स्थान उनके मूल गांव श्रीनगर में शिफ्ट करवाया।

बताते चलें कि प्रशासन ने प्राथमिकता पर महिलाओं, बच्चों को उनके मूल गांव में कुशलतापूर्वक लाया गया। इसके बाद पुरुष एवं जानवरों को वहां से नाव के जरिए शिफ्ट कराया। एसडीएम कार्तिकेय सिंह की अगुवाई में सभी प्रभावित परिवारों के खाद्यान्न, फल, पेयजल सहित अन्य ज़रूरी सामग्री की व्यवस्था प्रशासन ने कराई। एसडीएम कार्तिकेय सिंह ने किसी भी आकस्मिक जरूरत की पूर्ति के लिए क्षेत्रीय प्रधान एवं लेखपाल को जरूरी दिशा निर्देश दिए। प्रभावितों को चिकित्सीय सुविधाएं देने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पलिया से चिकित्सीय टीम प्रभावित परिवारों के पास पहुंची, जहां टीम ने प्रभावित परिवारों का मेडिकल चेकअप करते हुए जरूरी औषधियां प्रदान कीं।

इसी के साथ डीएम के निर्देश पर एसडीएम कार्तिकेय सिंह ने फ्लड पीएससी की टीम के साथ शारदा नदी के आसपास बसे गांव में भ्रमण कर सुरक्षित स्थानों पर बचने के लिए अनुरोध और अपील की। उन्होंने कहा कि जन-जीवन की सुरक्षा के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रहा है, जिसमें आप सभी का सहयोग अपेक्षित है।

अलम और ताजियों के निकाले जाएंगे जुलूस

मोहम्मदी खीरी। गम का महीना मोहर्रम 8 जुलाई से प्रारम्भ हो रहा है। पैगंबरे इस्लाम के नवासे और हजरत अली के बेटे इमाम हुसैन और उनके परिवार की कर्बला में हुई शहादत की याद में मोहर्रम बड़े जोशो खरोश के साथ पूरे मुल्क में मनाया जाता है। इसी सिलसिले में मोहम्मदी अंजुमन हुसैनिया और मोहर्रम कमेटी के अब्बास नकवी ने बताया कि 8 जुलाई को मोहर्रम की 1 तारीख होगी। 8 जुलाई से 19 जुलाई तक लगातार बाजार खुर्द और शुक्ला पुर इमामबाड़ा में प्रतिदिन शाम 8 बजे.से रात्रि 11बजे तक अंजुमने हुसैनिया नोहा खानी और मातम करेगी, जो देर रात तक लगातार चलेगा, पाचवी मोहर्रम का जुलूस 12 जुलाई को बाजार खुर्द इमामबाड़े से उठेगा जो नगर का गस्त करता हुआ देर रात इमामबाड़े में समाप्त होगा। सातवी मोहर्रम 14 जुलाई को बाजार खुर्द से अलम का जुलूस उठेगा।

वन महोत्सव के समापन दिवस पर जिले की सभी रेंजों में हुए पौधरोपण कार्यक्रम

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशन मे ए.के.द्विवेदी प्रभागीय वनाधिकारी कानपुर देहात के कुशल नेतृत्व में जनपद में वृक्षारोपण कार्यक्रम वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गए कार्यक्रमों में स्कूली छात्राओं के बीच जनजागरूकता रैली, वृक्ष बारात,पौधारोपण कार्यक्रम एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन कराया गया। ए.के द्विवेदी प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा बताया गया रविवार को वन महोत्सव कार्यक्रम के समापन अवसर पर अकबरपुर रेंज के अंतर्गत ग्राम दुआरी मे रेखा सिंह ग्राम प्रधान द्वारा पौधारोपण किया गया ,एवं पौधारोपण के साथ-साथ ग्राम प्रधान द्वारा उपस्थित समस्त ग्राम वासियों को पर्यावरण,जल संरक्षण, के प्रति जागरूक किया गया। पौधा रोपण कार्यक्रम मे स्वम सहयता समूह की महिलाओ ने भी प्रतिभाग करते हुए एक- एक पौधा रोपित किया और रोपित किये गये पौधे के संरक्षण की स्वम जिम्मेदारी ली। वही रसूलाबाद रेंज के अंतर्गत आसालत गंज वन ब्लाक मे मुख्य अतिथि विश्राम सिंह जिला पंचायत सदस्य द्वारा एक पौधा अपनी माँ के नाम पर रोपित किया । पौधा रोपण उपरान्त जिला पंचायत सदस्य द्वारा सभी क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा की इस वृक्षारोपण महा अभियान में अधिक से अधिक पौधों का रोपण करते हुए इस वृक्षारोपण महा अभियान का हिस्सा बने। भोगनीपुर रेंज में वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायत अमराहट में ग्राम प्रधान द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम मे प्रतिभा करते हुए एक पौधा रोपित किया, ग्राम प्रधान के साथ में अन्य ग्राम वासियों ने भी एक-एक पौधा रोपित किया।

आयोजित किये गये कार्यक्रमों में सर्वेश कुमार भदौरिया क्षेत्रीय वनाधिकारी अकबरपुर,एस.एन सिंह क्षेत्रीय वनाअधिकारी रसूलाबाद, स्वामीदीन क्षेत्रीय वनाधिकारी भोगानीपुर उपस्थित रहे।

लापता हुई ख्याति उर्फ खुशी की खोज में जुटी पुलिस

फतेहपुर। शहर की कृष्णा कालोनी (हरिहरगंज) से विगत 22 जून को रहस्यमय परिस्थितियों में गायब हुई लगभग 20 वर्षीय ख्याति उर्फ़ खुशी दीक्षित पुत्री रज्जन दीक्षित की तलाश में कोतवाली पुलिस ने तेज़ कर दी हैं। फिलहाल शहरी पुलिस ने ख्याति उर्फ खुशी प्रकरण में गुमशुदगी दर्ज की है और उसकी खोजबीन के लिए पुलिसिया तरीकों के साथ-साथ शहर के सार्वजनिक स्थानों रेलवे स्टेशन, सरकारी एवं निजी बस स्टेशन, कचेहरी आदि पर फ़ोटोयुक्त पंपलेट चस्पा करवाए गए हैं। साथ ही ख्याति उर्फ़ खुशी के बारे में किसी भी प्रकार की सूचना देने वाले को ईनाम देने की घोषणा भी पुलिस द्वारा की गई हैं। ख्याति उर्फ़ खुशी के पिता रज्जन दीक्षित द्वारा पुलिस में दी गई तहरीर में बताया गया कि 22 जून को उनकी पुत्री सुबह 06.30 बजे के क़रीब शहर के पटेल नगर इलाके में कोचिंग पढ़ने के लिए घर से निकली थी, सुबह 10 बजें तक जब घर नहीं लौटी तो उन्हें चिंता हुई तो कोचिंग, रिश्तेदारों और उसकी सहेलियों से पता किया किन्तु कहीं पता नहीं चला तो पुलिस को सूचित किया।

तहरीर में रज्जन दीक्षित ने ख्याति उर्फ़खुशी के साथ किसी अप्रिय घटना की संभावना जताई थी। हरिहरगंज पुलिस चौंकी इंचार्ज दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि ख्याति उर्फ़ खुशी का मोबाईल नंबर 7309332101 विगत 20 जून से ही स्विच ऑफ बता रहा हैं फिर भी पूरी गंभीरता से उसकी खोज की जा रही हैं। उसके बारे में किसी भी प्रकार की सूचना देने वाले को ईनाम देने की घोषणा भी की गई है।

विद्युत लाइन की चपेट में आने से दंपति की मौत

फतेहपुर। बरसात का पानी कच्ची छत से घर के अंदर आ रहा था। तभी बुजुर्ग दंपत्ति पानी रोकने के लिए छत पर गए थे। पड़ोस के घर में गई बिजली की तार से छत पर करंट उतर आया। जिसकी चपेट में आकर बुजुर्ग दंपति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थरियांव थाना हसवा चौकी क्षेत्र के मोहम्मदपुर नेवादा गांव निवासी वासुदेव पासवान (60) पुत्र सुखदेव गांव में रहकर खेती किसानी का काम करता था। रविवार की दोपहर चार बजे बारिश होने के कारण कच्ची छत से घर के अंदर पानी आ रहा था। पानी रोकने के लिए पत्नी गुजरतिया (58) के साथ छत पर गया था। तभी पड़ोसी चंद्रपाल पुत्र बहादुर लाल के घर जा रही बिजली की तार से कच्ची छत पर करंट उतर आया। जैसे ही बुजुर्ग दंपति छत पर पहुंचे तो बिजली का करंट लग गया। करंट लगने से बुजुर्ग दंपति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की दो बेटियां हैं जिनकी शादी कुछ वर्ष पूर्व हो चुकी है।

अमरौधा में धूमधाम से निकाली गई भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

संवाददाता। पुखरायां, कानपुर देहात

कस्बा अमरौधा के टंडन बाजार मोहल्ला स्थित श्री रामजानकी मंदिर से रविवार को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा धूमधाम से निकाली गई। भगवान जगन्नाथ के रथ को कस्बे की प्रमुख गलियों में भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान लोगों में श्रद्धा का उफ़न देखने को मिला। प्रमुख स्थानों पर आरती उतारी गई और प्रसाद वितरित किया। भगवान जगन्नाथ के रथ में हाथ लगाने के लिए होड़ मची रही। रामजानकी मंदिर के सर्वराकार गोपाल जी टंडन के निर्देशन में टंडन आश्रम से रक्षा यात्रा का शुभारंभ हुआ। पंडित संजय गौड़ ने हवन पूजन के बाद विधिविधान से भगवान जगन्नाथ को रथ पर सवार किया। यात्रा के लिए रथ को आकर्षक झालरों से सजाया गया था। टंडन आश्रम में सुधा टंडन, किरन शर्मा, सुमनलता तिवारी ने पूजन करके रथ यात्रा रवाना किया। गाजे बाजे के साथ रवाना हुई रथ यात्रा में भारी तादात में युवा वर्ग शामिल हुआ। कालूराम स्मारक समिति सांस्कृतिक कला केंद्र से होते हुए नगर पंचायत कार्यालय के निकट बजरंग धाम में राजेश कुमार गुप्ता, आलोक गुप्ता, ओमबाबू गुप्ता ने पूजन किया। जुलैठी मोहल्ला स्थित सुंदररानी मंदिर परिसर, यतीश चंद्र मिश्र के हाते में रथयात्रा का जोरदार स्वागत किया गया।

जहां से मिश्राना, कुंजरैठी, बाजारवार्ड होते हुए शाम छः बजे रथयात्रा श्री रामजानकी मंदिर परिसर में संपन्न हुई। यात्रा के दौरान आम, जामुन, देवली व बड़हल फ्लं का प्रसाद वितरित किया गया। देरशाम तक भांगड़े की थाप पर युवक, युवतियां थिरकते रहे। रथयात्रा में दिनेश चंद्र टंडन, कमल प्रकाश मेहरोत्रा, देवेश तिवारी विकास मिश्र, शुभम टंडन, शैलेंद्र कुशवाहा, संजय सखवार, शम्भू संखवार, ओमनारायण गुप्त, निखिल आर्या भी शामिल हुए। भ्रमण के दौरान लोगों में श्रद्धा का उफ़न देखने को मिला।

यातायात पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान, आटो-टेम्पो से उतारे डेक

कन्नौज। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशानुसार एवं क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ. प्रियंका वाजपेई के नेतृत्व में यातायात प्रभारी आफ़ाक खां द्वारा रेलवे स्टेशन मोड़ से लेकर मकरंद नगर तिराहे तक विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया। जिसमें नाबालिग़ वाहन चालकों को रोककर उनके अभिभावकों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई। वहीं ऑटो, टेंपो में डेक (साउण्ड) लगाकर अश्लील गाना बजाने वाले एवं ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

एक ऑटो में आपत्तिजनक शब्दों को लगाया गया था। जिसको यातायात प्रभारी द्वारा मौके पर ही निकलवाया गया। दो पहिया वाहनों में तीन सवारी चलने वाले वाहन चालकों के भी चालान किए गए। रोडवेज बस स्टैंड के बाहर जीटी रोड में मुख्य सड़क पर एक रोडवेज बस चालक द्वारा बस को खड़ा करके सवारियां भरी जा रही थीं। यातायात पुलिस कर्मियों के मना करने पर भी चालक परिचालक द्वारा बस को नहीं हटाया गया। जिससे जाम की समस्या उत्पन्न होने लगी। तभी उस रोडवेज बस का भी चालान किया गया। उक्त अभियान के दौरान 35 चालान किए गए। यातायात प्रभारी द्वारा वाहन चालकों को नियमों की जानकारी भी दी गई।

मारपीट के की गई हवाई फायरिंग, पुलिस ने लाइसेंसी रायफल ली कब्जे में

संवाददाता। राठ, हमीरपुर

कोतवाली के कैंथा गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले जिससे दोनों पक्षों से तीन लोग घायल हो गए। वहीं एक पक्ष ने अपने बचाव में लाइसेंसी रायफल से हवाई फायरिंग कर दी। पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से मुकदमा दर्ज किया है।

कैंथा गांव निवासी वीरपाल पुत्र हरचरन ने बताया कि शनिवार की सुबह करीब साढ़े दस बजे वह अपने जानवर लेकर घर से खेत की ओर निकला। तभी पुरानी रंजिश को लेकर गांव का दृग सिंह राजपूत उसके साथ गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर उक्त व्यक्ति ने कुल्हाड़ी मार दी। जिससे उसके मुंह व सिर पर चोटें आई हैं। बताया कि उसने कुल्हाड़ी को पकड़ लिया तो दृग सिंह लाइसेंसी दुनाली बंदूक उसे कुछ दूर तक खदेड़ा और हवाई फायरिंग कर दी। जिससे वह बाल बाल बच गया। वहीं दूसरे पक्ष से शशि देवी पत्नी दृग सिंह राजपूत ने बताया कि शनिवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे उसके पति ने घर का दरवाजा खोला तो उसका पालतू कुत्ता बाहर निकल गया। बताया कि इतने में पुरानी रंजिश के चलते वीरपाल अपने भाई लखन, पवन, कृष्ण कुमार घर में घुसकर उसके पति के साथ गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर पर कुल्हाड़ी व लाठियों से पति को पीटना शुरू कर दिया।

बताया कि उसके पति ने लाइसेंसी बंदूक से उसके पति ने उक्त लोगों को खदेड़ा। बताया कि बीच बचाव करने पर उसे भी मारा-पीटा। कोतवाल उमेश सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। दृग सिंह ने बचाव के फायरिंग की थी। फ्लिड यूनिट ने मौके पर पहुंच जांच की।

बिना डाक्टर संचालित हो रहा नगरीय स्वास्थ्य केंद्र

राठ, हमीरपुर। कस्बे के नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र(शहरी) में तीन माह से कोई चिकित्सक मौजूद नहीं है। यहां पर फार्मासिस्ट ही मरीज का इलाज कर दवा दे रहीं हैं। स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक न होने पर मरीजों को सही उपचार नहीं मिल पा रहा है। जिससे मरीजों व उनके तीमारदार परेशान हैं। कस्बे के शक्ति मंदिर चौराहे के पास नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (अर्बन) है। जहां नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र के लोग इलाज कराने आते हैं। इस अस्पताल में डा.मोहित की तैनाती थी। लेकिन करीब तीन माह पहले उनका स्थानांतरण हो जाने पर यहां कोई चिकित्सक नहीं है। अब यह अस्पताल एक फार्मासिस्ट चला रही है। शासन द्वारा हर रविवार को मरीजों के लिए आरोग्य मेला लगाया जाता है। रविवार को आरोग्य मेला में फार्मासिस्ट विनीता, एलटी ज्योति, वार्ड आया बंदना, वार्ड ब्वाय ही मौजूद मिले। लेकिन अस्पताल में कोई भी चिकित्सक नहीं था।

शौचालय टैंक में गिरने से दस साल के मासूम की मौत

राठ, हमीरपुर। बच्चों के साथ खेल रहे दस वर्षीय मासूम बालक की शौचालय के टैंक गिर कर मौत हो गई। स्वजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराए शव का अंतिम संस्कार कर दिया। कस्बे के सागर तालाब पठानपुरा मोहल्ला निवासी महेश श्रीवास ने बताया कि पूरा परिवार उनके छोटे भाई के मकान पर गया था। उसका भतीजा दस वर्षीय रिषि बच्चों के साथ खेल रहा था। काफी समय न दिखाई देने पर उसकी तलाश की। बताया कि दोपहर 12 बजे मकान में बना शौचालय का नया टैंक में उसकी चप्पल दिखाई दी। जब टैंक में उतर कर देखा तो वह डूबा मिला। सीएचसी ले गए। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

पीडीए वृक्षारोपण में जनप्रतिनिधियों सहित सपाईयों ने रोपित किये पौधे

गुरसहायगंज, कन्नौज। सपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री एवं कन्नौज सांसद अखिलेश यादव के आह्वान पर 01 से 07 जुलाई 2024 तक पीडीए बृक्षा रोपण कार्यक्रम को नगर व क्षेत्र में पूर्व विद्यायक के साथ क्षत्रिय नेता एवं सयुस प्रदेश सचिव ने समर्थकों के साथ अलग अलग स्थानों पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रापित कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। रविवार को नगर के रसूलपुर रोड पर पूर्व विधायक अरबिन्द सिंह यादव एवं क्षत्रिय नेता राज सिंह चौहान के साथ पौधरोपण करनें के उपरान्त पूर्व विधायक ने कहा कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित जीवन के लिए पौधरोपण बेहद जरूरी है। इसलिये सभी लोग पौधे लगाए। क्षत्रिय नेता राजसिंह चौहान उर्फ छोटे ठाकुर नें कहा कि लगातार घट रही वृक्षों की संख्या से मानव जीवन पर संकट मंडरा रहा है। इसलिए पौध रोपण करना हम सभी का कर्तव्य है। इस मौके पर मुकीम खान, अर्पित शुक्ला, बबलू यादव, अंकुर सिंह यादव, शकील खान, गोपाल, सौरभ मौजूद रहे।

विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक में एनईपी सहित अहम बिंदुओं पर हुई चर्चा

फर्रुखाबाद। सीपी इंटरनेशनल स्कूल में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक हुई जिसमें वि ालय की शिक्षण व्यवस्था को और अधिक उन्नत बनाने हेतु छम्च् सहित कई बिंदुओं पर चर्चा हुई । बैठक का शुभारंभ निदेशिका डॉ. मिथिलेश अग्रवाल, मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती ज्योत्सना अग्रवाल, डिप्टी डायरेक्टर श्रीमती अंजू राजे, प्रधानाचार्य श्री संजय बिष्ट, हेड मिस्ट्रेस श्रीमती संदीप कुमार ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्जवलन करके किया। . बैठक के दौरान निर्देशिका डॉ. मिथिलेश अग्रवाल ने बताया कि विद्यालय के छात्र हमारे अपने बच्चे हैं इनके उज्जवल भविष्य के प्रति हम सभी को पूर्ण निष्ठा के साथ मेहनत करना भी हमारी जिम्मेदारी है तथा शिक्षक हमारे पारिवारिक सदस्य हैं उनकी आवश्यकताओं को पूरा करना हमारा परम लक्ष्य है। विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के बिंदुओं पर प्रश्न पूछे। मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती ज्योत्सना अग्रवाल ने कक्षा अध्यापकों से छात्रों की उपस्थिति, मूल्यांकन विधि, अंकों का प्रतिशत सहित कई बिंदुओं पर चर्चा करते हुए बताया कि प्रत्येक छात्र की विधिवत काउंसलिंग की जाएगी जिससे उनकी बौद्धिक क्षमता का विकास करना आसान हो जाएगा।

संडीला अतरौली मार्ग पर आवागमन बाधित, बारिश में बहा अस्थायी मार्ग

संडीला, हरदोई। पुल निर्माण के कारण आवागमन के लिए बनाई गयी अस्थाई सड़क बेतवा नाले के उपनाने के कारण बह गयी, जिसके कारण संडीला अतरौली मार्ग पर आवागमन ठप हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संडीला अतरौली मार्ग पर स्थित बेतवा नाले पर लोक निर्माण विभाग द्वारा 3 करोड़ की लागल से छोटे पुल का निर्माण कराया जा रहा है। यह निर्माण कार्य अत्यंत धीमी गति से चल रहा है। इस मार्ग पर आवागमन के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा एक अस्थाई मार्ग बनाया गया था। इसी मार्ग से आवागमन हो रहा था। बीते एक सप्ताह से हो रही लगातार वर्षा के कारण बेतवा नाला उपना गया और इस उपनते हुए पानी ने अस्थाई मार्ग को बहा दिया है। इसके कारण अतरौली संडीला के मुख्यमार्ग पर आवागमन पूरी तौर पर ठप हो गया।

आवागमन के ठप हो जाने के कारण अब वैकल्पिक मार्गों से संडीला से अतरौली की 20 कि0मी0 की दूरी के स्थान पर 35-40 कि0मी0 की दूरी तय करनी पड़ रही है, जिसके कारण न केवल लोगों की जेब पर बोझ पड़ रहा है, वहीं अधिक समय भी लग रहा है और यही नहीं इस अस्थाई मार्ग के बह जाने के कारण संडीला से अतरौली जाने के लिए तीन मार्गों यथा अतरौली से महंगवां, अतरौली से कोथावां और संडीला से खुटेहना मोहम्मदपुर होते हुए अतरौली जाने में सड़कों के सिंगल रोड होने के कारण जाम की समस्या भी पैदा हो रही है। बताते चलें कि इन मार्गों की चौड़ाई लगभग 3 मीटर है। तकिया और मीना बाज़ार मार्ग से दूसरी ओर जाने के लिए अगर कोई दूसरा वाहन आ जाता है तो उस सड़क पर जाम लग जाता है। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के स्थानीय अधिकारियों से संपर्क किया गया तो उनका कहना था कि शीघ्र ही इस समस्या का निराकरण करने में वे सफ़ल होंगे। इस संबंध में विभाग में व्यापक स्तर पर विचार विमर्श चल रहा है।

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा भक्तों द्वारा नंगे पैर खींचकर निकाली गई

फर्रुखाबाद। श्री राधा माधव मंदिर से भारतीय संस्कृति की वेशभूषा में नंगे पैरों के साथ भगवान के विग्रह पवित्रता के साथ उनके भक्तगण आध्यात्मिकता के साथ श्री राधा शक्ति श्याम मंदिर भक्ति भावना के साथ ले जाते हैं, वहां उनका पूजन अर्चन वंदन संकीर्तन एवं आरती प्रसाद के साथ रथो में विराजमान करते हैं सबसे आगे बलराम का रथ होता है, जिसे तालध्वज कहा जाता है।. सबसे पीछे जगन्नाथ का रथ होता है, जिसे नंदीघोष कहा जाता है।. वहीं बीच में बहन सुभद्रा का रथ होता है. इसे दर्पदलन कहा जाता है इन रथो पर भगवान को विराजमान किया जाता है। इन रथो का निर्माणअशोक शर्मा ने किया।

चिन्मय गोस्वामी ने कहा जो लोग इस शुभ मुहूर्त में रथ यात्रा का दर्शन पूजन अर्चन बंधन करते हैं, आरती प्रसाद ग्रहण करते हैं, उनका जीवन सुख शांति समृद्धि के साथ मंगलमय हो जाता है ऐसा शुभ आशीर्वाद दिया। नगर में यह यात्रा मुख्य मार्ग लोहाई रोड चौक, नेहरू रोड, घूमना बाजार, नेहरू रोड पर संजय गर्ग ने यात्रा का स्वागत किया, भक्तों ने जगह-जगह आरती उतारी एवं भगवान की रथ को खींचने के लिए लोग आतुर दिखाई दिए,वहीं कुछ भक्त सड़क को साफ करते हुए चल रहे थे महिला पुरुष सभी लोग भक्ति भाव से भगवान के रथ को खींच रहे थे।

भगवान जगन्नाथ की शोभायात्रा नितगंजा स्टेट बैंक रोड होकर गांधी कूचा स्थित राधा माधव मंदिर पहुची।इस अवसर पर डॉक्टर मनोज मल्होत्रा सुरेंद्र सफ्फ्ड, अशोक वर्मा गोपाल टंडन श्याम अंजुम दुबे विनोद अग्निहोत्री अशोक मिश्रा सुनील अभिषेक अग्रवाल राहुल कनौजिया कौस्तुभ अग्रवाल हिमांशु वर्मा गौरव सचिन सौरभ पवन नीरज रस्तोगी हर्षित सिगतिया महिला मंडल में मीनू निशा रस्तोगी ममता वर्मा सुषमा मिश्रा बबिता अग्रवाल संकीर्तन के साथ आचार्य किशोरी दास अपने परिकरों के साथ मुकुंद सूर्यांश राम प्रकाश प्रदीप भक्ति रस की वर्षा कर रहे थे ।

आफताब की हत्या का जल्द खुलासा करे पुलिस :अरविंद सिंह

गुरसहायगंज, कन्नौज। विगत दिनों पूर्व मझपुर्वा में दिव्यांग आफ्ताब की हत्या कर उसका शव ट्यूबवेल की हौदी में डाल दिया था। उक्त मामले में पीड़ित पिता द्वारा मुकदमा दर्ज कराया गया था। जिसमें पुलिस लगातार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। और कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी कर रही है। वहीं उपरोक्त मामले की जानकारी मिलते ही पूर्व विधायक अरविंद सिंह यादव ने मृतक आफ्ताब के घर मझपुर्वा पहुंचे और दुखी परिजनों को ढांढस बंधाकर शोक संवेदना व्यक्त की। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि आफ्ताब की हत्या में शामिल सभी आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी होना चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए। इसके अलावा पूर्व विधायक ने दुखी परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

मोहर्रम का चांद दिखते ही ताजिया बनाने के काम में आई तेजी

मौदहा, हमीरपुर। इस्लामी हिजरी साल के पहले महीने की पांच से दस तारीख को मनाये जाने वाले मोहर्रम पर्व को लेकर ताजियादारों ने ताजिया बनाने के काम में तेजी कर दी है और दिन रात जागकर ताजिया बना रहे हैं, जो नौवीं मोहर्रम की रात में निकाले जाएंगे। इस्लामी साल के पहले महीने की दसवीं तारीख का विशेष महत्व है, इस दिन हजरत मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की करबला के मैदान में शहादत हुई थी, जिनकी याद में ताजिया निकाले जाते हैं और उसी को लेकर जहां प्रशासन ने भी तैयारियां पूरी कर ली है और ताजियादारों के साथ ताबड़तोड़ बैठकें शुरू कर दी है। वहीं ताजियादारों ने भी इस दिन निकलने वाले ताजियों को बनाने का काम शुरू कर दिया है और दिनरात जागकर ताजिया तैयार करने में जुट गए हैं। इस सम्बंध में ताजियादार अनवर हुसैन ने बताया कि उनके घर से करीब पांच दशक से ताजिया निकाला जा रहा है और उसी की तैयारियों में वह दिन रात लगे हुए हैं। जिसमें घर के बच्चों के साथ ही मोहल्ले के बच्चे भी उनका सहयोग कर रहे हैं। इसी तरह सिचौली पुरवा, हुसैनगंज, हैदरगंज, कजियाना सहित क्षेत्र में ताजिया बनाने का काम शुरू हो गया है।

जीपीएस फोटो भेजने का सफाई कर्मियों ने किया विरोध

फतेहपुर। उ.प्र. पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। जिसमें जीपीएस फोटो भेजने का सफाई कर्मियों ने विरोध किया। साथ ही गौशाला व अन्य जगहों पर लगे कर्मचारियों को हटाए जाने की भी आवाज उठाई गई। जिससे ग्राम पंचायतों की सफाई समुचित हो सके। संघ की बैठक राम कुमार पाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में अध्यक्ष बाबूलाल नेएक जुलाई से चल रहे विशेष संचारी रोग अभियान के तहत सभी से साफसफाई करने के लिए प्रेरित किया जिससे गांव के लोग बीमारी से मुक्त रहें। बैठक में कहा गया कि सफाई कर्मियों से जीपीएस फोटो मांगी जा रही है जबकि सफाई कर्मचारी अशिक्षित है जो जीपीएस फोटो भेजने में सक्षम नहीं है।

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर

29 जिलों में 24 लाख लोग प्रभावित

भाषा। गुवाहाटी

असम में रविवार को भी बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी रही और करीब 24 लाख लोग इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावित हुए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। राज्य भर में ब्रह्मपुत्र समेत कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। सूत्रों ने बताया कि इस साल बाढ़, भूस्खलन और तूफान के कारण अबतक 70 लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच, पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार को गुवाहाटी में एक नाले में गिरे आठ वर्षीय लड़के का शव शहर के राजगढ़ इलाके से बरामद हुआ है। उसके माता-पिता ने गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) में शव की पहचान की। राज्य में 29 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। इनमें धुबरी में सबसे अधिक 7.95 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इसके साथ ही कछार और दरांग जिले भी बाढ़ से बहुत अधिक प्रभावित हुए हैं, दोनों जिलों में डेढ़-डेढ़ लाख लोग बाढ़ में फंसे हुए हैं। कुल 577 राहत शिविरों में 53 हजार से अधिक लोगों ने शरण ले रखी है। कुल 577 राहत शिविरों में 53 हजार से अधिक लोगों ने शरण ले रखी है। जोरहाट से धुबरी तक ब्रह्मपुत्र समेतजोरहाट से धुबरी तक ब्रह्मपुत्र समेत प्रमुख नदियां कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बुरहीदेहिंग, दिखोउ, दिसांग, धनसिरी, जिया भराली, कोपिली, बराक और संकोष नदियां भी विभिन्न स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बाढ़ से मवेशी भी प्रभावित हुए हैं, जबकि फसलों को भी नुकसान पहुंचा है। सूत्रों ने बताया कि राज्य में विभिन्न स्थानों से सड़कों, पुलों समेत बुनियादी ढांचों के क्षतिग्रस्त होने की भी सूचना है।

भारी बारिश की चेतावनी के कारण चारधाम यात्रा रोकी गई

देहरादून। उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में सात और आठ जुलाई को भारी से बहुत भारी बारिश होने संबंधी मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मद्देनजर चारधाम यात्रा रविवार को अस्थाई रूप से रोक दी गई। गढ़वाल के आयुक्त विनय शंकर पांडे ने कहा कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यात्रा स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग ने गढ़वाल मंडल में सात और आठ जुलाई को भारी बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है, इसके मद्देनजर सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया जाता है कि वे सात जुलाई को ऋषिकेश से आगे चारधाम यात्रा के लिए रवाना न हों। उन्होंने कहा कि जो श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर निकल चुके हैं उन्हें मौसम ठीक होने तक उसी स्थान पर रुकना चाहिए जहां वे अभी हैं। पिछले कुछ दिन से उत्तराखंड के विभिन्न भागों में भारी बारिश के कारण पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन हो रहा है तथा बद्रीनाथ जाने वाला राजमार्ग कई स्थानों पर पहाड़ी से नीचे गिर रहे मलबे के कारण अवरुद्ध हो गया है। चमोली जिले में शनिवार को भूस्खलन के बाद पहाड़ी से गिर रही चट्टानों की चपेट में आने से हैदराबाद के दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। दोनों मोटरसाइकिल से बद्रीनाथ से लौट रहे थे। उत्तराखंड में नदियां भी उफान पर हैं। जोशीमठ के पास विष्णु प्रयाग में अलकनंदा नदी खतरे के निशान के करीब बह रही है, अलकनंदा विष्णु प्रयाग में धौली गंगा में मिल जाती है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ ने बढ़ाई सुरक्षा व्यवस्था, तस्करों के खिलाफ कार्रवाई शुरू

अगरतला। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने मानव तस्करों और दलालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करते हुए भारत-बांग्लादेश सीमा पर संवेदनशील चौकियों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। त्रिपुरा बीएसएफ फ्रंटियर महानिरीक्षक (आईजी) पटेल पीयूष पुरुषोत्तम दास ने बताया कि हाल में शिलांग में बांग्लादेश सीमा रक्षकों के साथ हुई वार्ता के दौरान उन्हें सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय बांग्लादेशी अपराधियों की सूची समेत कुछ दस्तावेज सौंपे गए। दास ने शनिवार को पत्रकारों से कहा, बांग्लादेश सीमा रक्षक (बीजीबी) ने हमें आश्वासन दिया है कि उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्वाई की जाएगी। हाल ही में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने इस पूर्वोत्तर राज्य में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ में हुई वृद्धि पर प्रकाश डाला है। दास ने कहा कि दोनों सीमा सुरक्षा बलों ने संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने और विशेष रूप से समन्वय स्थापित कर संयुक्त गश्त करने पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को तस्करों और दलालों को पकड़ने के लिए खुफिया जानकारी आधारित अभियान शुरू करने को कहा गया है।

नीट-यूजी 2024 संबंधी याचिकाओं पर आज सुनवाई करेगा उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय विवादों से घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 से संबंधित याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करेगा। इन याचिकाओं में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) की पांच मई को हुई परीक्षा में गड़बड़ी और कदाचार का आरोप लगाने वाली और इसे फिर से आयोजित करने का निर्देश देने का अनुरोध करने वाली याचिकाएं भी शामिल हैं। केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को न्यायालय में कहा था कि गोपनीयता भंग होने के किसी साक्ष्य के बिना इस परीक्षा को रद्द करने का बेहद प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा क्योंकि इससे लाखों ईमानदार अभ्यर्थियों पर गंभीर असर पड़ सकता है। न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई आठ जुलाई की वाद सूची के अनुसार, प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला एवं न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ परीक्षा से संबंधित कुल 38 याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए नीट-यूजी का आयोजन करती है। इस साल पांच मई को यह परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें 571 शहरों के 4,750 परीक्षा केंद्रों पर लगभग 23 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। प्रश्न पत्र लीक समेत अनियमितताओं के आरोपों को लेकर कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए तथा विपक्षी दलों ने इस मुद्दे को उठाया। परीक्षा में गड़बड़ी के संबंध में अदालतों में भी कई मामले दायर किए गए। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और एनटीए ने उन याचिकाओं का विरोध करते हुए अलग-अलग हलफनामे दाखिल किए हैं, जिनमें विवादों में रही इस परीक्षा को रद्द करने, दोबारा परीक्षा कराने और अदालत की निगरानी में जांच की मांग की गई है। उन्होंने अपने जवाब में कहा कि देश की प्रमुख जांच एजेंसी सीबीआई ने विभिन्न राज्यों में दर्ज मामलों को अपने हाथ में ले लिया है।

एबी-पीएमजेएवाई के लाभार्थियों की संख्या और बीमा राशि दोगुना करने पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अपनी प्रमुख आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के लाभार्थियों की संख्या आगामी तीन साल के दौरान दोगुना करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। सरकार शुरुआत में 70 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को इसके दायरे में लाने और बीमा कवरेज को बढ़ाकर 10 लाख रुपए प्रति वर्ष करने पर मंथन कर रही है। आधिकारिक सूत्रों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि यदि प्रस्तावों को मंजूरी दी जाती है तो राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के अनुमान के अनुसार, सरकारी खजाने पर प्रति वर्ष 12,076 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च आएगा। सूत्रों ने कहा, अगले तीन वर्षों में एबी-पीएमजेएवाई के तहत लाभार्थियों की संख्या दोगुना करने पर चर्चा हो रही है, जिसे लागू किया गया तो देश की दो-तिहाई से अधिक आबादी को स्वास्थ्य कवर मिलेगा। परिवारों को कर्ज के दलदल में धकेलने वाले कुछ सबसे बड़े कारणों में चिकित्सा व्यय भी एक है। उन्होंने कहा, कवरेज राशि की सीमा को मौजूदा पांच लाख रुपए से दोगुना कर 10 लाख रुपए करने के प्रस्ताव को अंतिम रूप देने पर भी विचार-विमर्श चल रहा

है। इस महीने के अंत में पेश होने वाले केंद्रीय बजट में इन प्रस्तावों या इसके कुछ हिस्सों की घोषणा होने की उम्मीद है। अंतरिम बजट 2024 में सरकार ने एबी-पीएमजेएवाई के लिए आवंटन बढ़ाकर 7,200 करोड़ रुपए कर दिया जो 12 करोड़ परिवारों को माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति वर्ष पांच लाख रुपए प्रति परिवार का स्वास्थ्य कवर प्रदान करता है। आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) के लिए 646 करोड़ रुपए आवंटित किए गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 27 जून को संसद की संयुक्त बैठक में अपने अभिभाषण में कहा था कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को भी अब आयुष्मान भारत योजना के तहत कवर किया जाएगा और मुफ्त इलाज का लाभ मिलेगा। वहीं, एक अन्य सूत्र ने कहा कि 70 वर्ष से अधिक उम्र वालों को मिलाकर इस योजना के लाभार्थियों की संख्या लगभग चार-पांच करोड़ बढ़ जाएगी। एबी-पीएमजेएवाई के लिए पांच लाख रुपए की सीमा 2018 में तय की गई थी। कवर राशि को दोगुना करने का उद्देश्य उच्च लागत वाले उपचार जैसे प्रतिरोपण, कैंसर आदि के मामले में परिवारों को राहत प्रदान करना है। नीति आयोग ने अक्टूबर 2021 में प्रकाशित भारत के लापता मध्य के लिए स्वास्थ्य बीमा शीर्षक वाली अपनी रिपोर्ट में इस योजना का विस्तार करने का सुझाव दिया था। इसमें कहा गया था कि लगभग 30 प्रतिशत आबादी स्वास्थ्य बीमा से वंचित है, जो भारतीय आबादी में स्वास्थ्य बीमा कवरेज में अंतर को उजागर करती है। लगभग 20 प्रतिशत आबादी सामाजिक स्वास्थ्य बीमा और निजी स्वैच्छिक स्वास्थ्य बीमा के माध्यम से कवर की जाती है, जो मुख्य रूप से उच्च आय समूहों के लिए तैयार की गई है।

शिवराज ने राहुल गांधी पर उनकी राम मंदिर आंदोलन टिप्पणी को लेकर साधा निशाना

भोपाल(भाषा)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को राहुल गांधी को बाल बुद्धि बताया और उन पर भ्रम और झूठ फैलाने का आरोप लगाया। चौहान की यह टिप्पणी गांधी द्वारा राम मंदिर आंदोलन को हराने संबंधी हाल के उनके बयान के जवाब में आई है। चौहान ने भोपाल में भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में भाग लेने के बाद संवाददाताओं से कहा, राहुल गांधी बाल बुद्धि हैं जो अभी परिपक्व नहीं हुए हैं। वह अभी तक ठीक से विपक्ष के नेता नहीं बने हैं। वह कहते हैं कि हमने (इंडिया गठबंधन ने) राम जन्मभूमि आंदोलन को हरा दिया है। राहुल जी, राम हमारे अस्तित्व हैं, हमारे आदर्श हैं, हमारे जीवन हैं, हमारे भगवान हैं और राम भारत की पहचान हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को गुजरात में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा था कि इंडिया गठबंधन ने अयोध्या में भाजपा को हराकर राम मंदिर आंदोलन को परास्त कर दिया है जिसे लालकृष्ण आडवाणी ने शुरू किया था।

पिक्सल 2025 के मध्य तक वायुसेना के लिए उपलब्ध करा सकता है उपग्रह

नई दिल्ली (भाषा) भारतीय वायुसेना अंतरिक्ष क्षेत्र के स्टार्ट-अप पिक्सल से खरीदे गए उपग्रहों को 2025 के मध्य तक प्रक्षेपित कर सकती है, जिससे देश की सीमाओं और उससे परे भी निगरानी रखने की उसकी क्षमताएं मजबूत होंगी। वायुसेना ने बेंगलुरू में पिक्सल स्पेस के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। पिक्सल स्पेस की स्थापना बिट्स पिलानी के युवा उद्यमियों अवैस अहमद और क्षितिज खंडेलवाल ने की थी। अहमद ने यहां पीटीआई के संपादकों के साथ बातचीत में कहा, हम संभवत: 2025 के अंत से पहले उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेज देंगे। हमने 2025 के मध्य तक का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि पिक्सल का काम उपग्रह का निर्माण करना एवं उसे वायुसेना को सौंपना है और अंतरिक्ष यान का संचालन वायुसेना करेगी। उन्होंने कहा, वायुसेना के लिए आईडीईएक्स (रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार) की बात की जाए तो संचालन हमारी चिंता का विषय नहीं है। उपग्रहों का मुख्य काम सीमाओं, अवैध परीक्षण

आदि पर नजर रखना होगा लेकिन उपग्रह का संचालन हम नहीं करेंगे। रक्षा मंत्रालय की पहल रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार का उद्देश्य उद्योग को शामिल कर रक्षा और एयरोस्पेस में नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने के लिए एक परिवेश तैयार करना है। पिक्सल ने लघु बहु-पेलोड उपग्रहों की आपूर्ति के लिए आईडीईएक्स के तहत वायुसेना के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अनुबंध के तहत पिक्सल इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल, इन्फ्रारेड, सिंथेटिक एपर्चर रडार और हाइपरस्पेक्ट्रल के लिए 150 किलोग्राम तक के छोटे उपग्रहों को विकसित करेगा। पिक्सल ने 2019 में अपनी स्थापना के बाद से सात करोड़ 10 लाख डॉलर की धनराशि जुटाई है और कंपनी का मानना है कि यह राशि 24 उपग्रहों के विकास के लिए पर्याप्त है।

आपको अपने घर के आंगन की उपग्रह से ली गई तस्वीरें हो सकेंगी उपलब्ध

नई दिल्ली। क्या आप अपने घर के आंगन की उपग्रह से तस्वीर लेना चाहते है? यह जल्द ही संभव हो सकता है क्योंकि बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष क्षेत्र के स्टार्टअप पिक्सल की एक ऐसा ऑनलाइन सॉफ्टवेयर लाने की योजना है जिससे आप उसके उपग्रहों द्वारा पृथ्वी की खींची गई तस्वीरों को देख सकते है। पिक्सल स्पेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सह-संस्थापक अवैस अहमद ने यहां पीटीआई-भाषा को बताया कि पृथ्वी निगरानी स्टूडियो शुरू करना अंतरिक्ष आधारित डेटा को बेहद कम शुल्क पर आम आदमी तक उपलब्ध कराने के प्रयासों का हिस्सा है। पिक्सल का यह पृथ्वी निगरानी स्टूडियो औरोरा इस साल के अंत तक शुरू हो सकता है जिससे उपग्रहों द्वारा ली गई पृथ्वी की हाइपरस्पेक्ट्रल छवियों और डेटा विश्लेषण को सभी के लिए सुलभ बनाया जा सकेगा। अहमद (26) ने कहा, यह गूगल अर्थ इस्तेमाल करने जितना आसान होगा लेकिन उपग्रह से ली गई छवियां अधिक उन्नत होंगी। अहमद उन चुनिंदा उद्यमियों में से एक है जो अंतरिक्ष क्षेत्र में उल्लेखनीय काम कर रहे है।

वह कहते थे-सीने पर गोली खाकर मरूंगा: कैप्टन अंशुमन सिंह की पत्नी

नई दिल्ली (भाषा)। असाधारण बहादुरी के लिए मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित किए गए सेना चिकित्सा कोर के कैप्टन अंशुमन सिंह की पत्नी स्मृति ने अपने पति को याद करते हुए कहा कि वह अक्सर कहा करते थे कि मैं साधारण मौत नहीं मरूंगा। मैं सीने पर गोली खाकर मरूंगा। कैप्टन सिंह को जब कीर्ति चक्र से शुक्रवार को सम्मानित किया गया तो यह उनके परिवार के लिए

उनकी वीरता पर गर्व करने का क्षण था और पुरस्कार ग्रहण करते समय उनकी पत्नी और मां के चेहरे पर दुख एवं गर्व का मिलाजुला भाव दिखाई दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को रक्षा अलंकरण समारोह में दिवंगत अधिकारी की पत्नी और मां मंजू सिंह को कैप्टन अंशुमन सिंह की शहादत पर कीर्ति चक्र प्रदान किया। यह शांतिकाल में वीरता के लिए दिया जाने वाला दूसरा सबसे बड़ा पुरस्कार है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर स्मृति का एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने पति को याद करते हुए बताया कि वे दोनों कैसे एक-दूसरे के हमसफर बने थे। कैप्टन सिंह की पत्नी ने कहा, वह बहुत काबिल थे। वह मुझसे कहा करते थे, मैं सीने पर गोली खाकर मरूंगा। मैं ऐसी साधारण मौत नहीं मरूंगा जिसके बारे में किसी को पता ही न चले। कैप्टन सिंह की शहादत की कहानी भी आम नहीं है। कैप्टन सिंह पिछले वर्ष जुलाई में भीषण आग से लोगों को बचाते समय शहीद हो गए थे। राष्ट्रपति भवन ने एक्स पर एक पोस्ट साझा कर कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सेना चिकित्सा कोर, 26वीं बटालियन पंजाब रेजिमेंट के कैप्टन अंशुमन सिंह को मरणोपरांत कीर्ति चक्र प्रदान किया। अपनी सुरक्षा की परवाह किए बगैर उन्होंने आग लगने की एक बड़ी घटना में कई लोगों को बचाने के लिए असाधारण बहादुरी का परिचय दिया। राष्ट्रपति भवन ने कैप्टन सिंह की पत्नी द्वारा कीर्ति चक्र स्वीकार करते हुए एक तस्वीर भी साझा की।

वन भूमि पर जुताई करते पकड़ा, ट्रैक्टर सीज

बीजपुर/सोनभद्र। जरहाँ वन क्षेत्रान्तर्गत स्थित ग्राम पंचायत नेमना के टोला झुरहा वन ब्लाक स्थित जंगल की जमीन पर शनिवार को नेमना निवासी विजय कुमार पुत्र अनेलाल द्वारा ट्रैक्टर से जुताई करवा करके उक्त जमीन पर अवैध रूप से काबिज होने का प्रयास किया जा रहा था। इस बात की सूचना किसी ग्रामीण द्वारा मोबाइल फोन के जरिए प्रभागीय वनाधिकारी रेनुकूट को दी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने तत्काल जरहाँ क्षेत्र के रेंजर राजेश सिंह को जानकारी देते हुए उन्हें निर्देशित किया कि वे इस बात की तहकीकात करके दोषियों के खिलाफकडी कार्रवाई करें। वन दरोगा श्याम लाल, शिवमंगल, वन रक्षक लवलेश सिंह व सतेंद्र सिंह सहित अन्य वन कर्मी व 112 पीआरवी पुलिस मौके पर पहुची तों टीम को दूर से ही देख करके वन भूमि पर अवैध रूप से जुताई कर रहा ट्रैक्टर चालक व उसमें सहयोग देने वाले अन्य लोग ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गए। टीम ने मौके पर मिले ट्रैक्टर को बीजपुर के पुनर्वास प्रथम में स्थित वन विभाग के जायका कालोनी परिसर में ले आकर उसे सीज करने की कार्यवाई पूरी की। नेमना निवासी ट्रैक्टर स्वामी बलवंत राम पुत्र इंदल प्रसाद जरहाँ निवासी ट्रैक्टर चालक संत कुमार पुत्र रामदेव वियार व वन भूमि पर जुताई करवा रहे नेमना निवासी विजय कुमार पुत्र अनेलाल के विरुद्ध वन अधिनियम 5/26 के तहत कार्रवाई की गई है। इ

पेज 1 का शेष

घाटी में...

उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा और बारामुला जिलों में घुसपैठ की कोशिशें देखी गईं, जिसमें सतर्क सैनिकों ने नियंत्रण रेखा के पास आतंकवादियों के छोटे समूहों को मार गिराया। घाटी में श्रीनगर, शोपियां और अनंतनाग जिले के बिजबेहरा इलाकों में आतंकवादियों ने गैर-स्थानीय लोगों को निशाना बनाया।7 मई, 2024 को, दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में रात भर चले आतंकवाद विरोधी अभियान में सबसे वांछित आतंकवादी कमांडरों में से एक बासित डार और एक अन्य आतंकवादी मारा गया। वह आतंकवादी हिंसा के कम से कम 18 मामलों में वांछित था। वह अप्रैल 2021 से इलाके में सक्रिय है, उसे जम्मू-कश्मीर पुलिस और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा सबसे वांछित आतंकवादियों में से एक के रूप में चिह्नित किया गया था, जिस पर 10 लाख रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया था।

मुंबई में...

ने दुर्घटना में शामिल बीएमडब्ल्यू कार को उत्तर-पश्चिम मुंबई के बांद्रा से बरामद कर लिया है। उधर, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिंदे सेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने घटना की गहन जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा, जो कुछ हुआ है वह दुर्भाग्यपूर्ण और बहुत दुखद है। कानून अपना काम करेगा, कानून के सामने सभी समान हैं। मैंने पुलिस से बात की है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस उपायुक्त कृष्णकांत उपाध्याय ने कहा, दो लोगों को हिरासत में लिया गया है और जांच जारी है। इसी से संबंधित घटनाक्रम में पूर्व मंत्री और शिवसेना (यूबीटी) नेता और पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे, जो वर्ली से विधायक हैं, ने आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा, मैंने वर्ली पुलिस स्टेशन का दौरा किया और वर्ली में हुए हिट एंड रन मामले की जांच कर रहे वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की। आदित्य ने कहा, मैं हिट एंड रन के आरोपी शाह के राजनीतिक झुकाव के बारे में नहीं बताऊंगा, लेकिन मुझे उम्मीद है कि पुलिस आरोपी को पकड़ने और उसे न्याय के कटघरे में लाने के लिए तेजी से कार्रवाई करेगी। उम्मीद है कि शासन द्वारा कोई राजनीतिक शरण नहीं दी जाएगी। आदित्य और शिवसेना (यूबीटी) एमएलसी सुनील शिंदे ने पीड़िता के पति प्रदीक नखवा से मुलाकात की और उनसे वादा किया कि वे आरोपी को न्याय के कटघरे में लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। दुर्घटना में जीवित बचे मछुआरे प्रदीक नखवा ने कहा, यह मेरे सामने हुआ...कार ने हमें टक्कर मार दी। मैंने उसे कार के अंदर देखा, गाड़ी चला रहा था...मैंने उसे रुकने के लिए कहा, लेकिन वह मौके से भाग गया।

हाथरस...

हाथरस भगदड़ मामले की जांच के लिए बात करना आवश्यक है। तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग ने रविवार को स्थानीय लोगों के अलावा अधिकारियों और भगदड़ के प्रत्यक्षदर्शियों से बातचीत की। इस घटना में 121 लोगों की मौत हो गई थी। यह दल शनिवार को हाथरस पहुंचा और राष्ट्रीय राजमार्ग 91 पर फुलराई गांव के पास भगदड़ स्थल का निरीक्षण किया। रविवार सुबह न्यायिक आयोग की टीम ने जिले में अलीगढ़ रोड पर स्थित पीडब्ल्यूडी अतिथि गृह पहुंचकर अपनी जांच जारी रखी। श्रीवास्तव ने घटनास्थल का जायजा लेने के बाद शनिवार को मीडिया से कहा था, उन्हें दो महीने के भीतर जांच रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया गया है। हाथरस के जिलाधिकारी आशीष कुमार और पुलिस अधीक्षक निपुण अग्रवाल भी टीम के साथ थे। भगदड़ की घटना के संबंध में अब तक मुख्य आरोपी देवप्रकाश मधुकर समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हाथरस पुलिस ने शनिवार को कहा था कि वह एक राजनीतिक दल द्वारा सत्संग का कथित वित्त पोषण किए जाने की भी जांच कर रही है और उसने इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। अधिकारियों के अनुसार, मधुकर स्वयंभू बाबा सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के दो जुलाई को हुए सत्संग का मुख्य आयोजक था तथा उसने इसके लिए चंदा एकत्र किया था। इस सत्संग में 2.50 लाख से अधिक लोग जुटे थे जबकि केवल 80 हजार लोगों के एकत्र होने की अनुमति दी गई थी।

राज्यपाल मामले...

अन्य पुलिस अधिकारियों पर अप्रैल-मई 2024 के दौरान एक महिला कर्मचारी द्वारा लगाए गए मनगढ़ंत आरोपों को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। इन आईपीएस अधिकारियों ने अपने कृत्यों से न केवल राज्यपाल के कार्यालय को कलंकित किया है, बल्कि इस तरह से काम किया है, जो एक लोक सेवक के लिए पूरी तरह से अनुचित है। जून के अंत में गृह मंत्री को सौंपी गई बोस की रिपोर्ट में कोलकाता पुलिस अधिकारियों द्वारा चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ितों को राज्यपाल की अनुमति के बावजूद उनसे मिलने से रोकने जैसे मुद्दों पर प्रकाश डाला गया था। पत्र की प्रतियां 4 जुलाई को राज्य सरकार को भेजी गई थीं। अपनी रिपोर्ट में बोस ने राज्यपाल कार्यालय की आपत्तियों के बावजूद राजभवन के कर्मचारियों को पहचान पत्र जारी करने और प्रवेश और निकास पर उनकी तलाशी लेने की कोलकाता पुलिस की कथित नई प्रथा का जिक्र किया। अधिकारी ने कहा, पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों से हिंसा के पीड़ितों के प्रतिनिधिमंडल को बोस से मिलने से रोकना और बाद में उन्हें हिरासत में लेना राज्यपाल के संवैधानिक अधिकार का अपमान है। अधिकारी ने कहा कि यह परेशान करने वाली बात है कि पीड़ितों को राज्यपाल से मिलने के लिए अदालत जाना पड़ा। राजभवन से पुलिस दल को हटाने के बोस के 13 जून के निर्देश पर कोलकाता पुलिस की पूरी तरह से चुप्पी का जिक्र करते हुए अधिकारी ने कहा, इसे आदेशों की अवहेलना के रूप में देखा गया। जून के मध्य से, राजभवन में तैनात कोलकाता पुलिस ने राज्यपाल की जानकारी और सहमति के बिना एकतरफा तरीके से सुरक्षा तंत्र स्थापित किया, जिससे पूरे प्रतिष्ठान पर गिरफ्तारी और निगरानी लागू हो गई। बोस की रिपोर्ट में यह भी जिक्र किया गया है कि प्रारंभिक आंतरिक जांच में पाया गया कि राजभवन के एक पूर्व कर्मचारी द्वारा उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप पूर्व-लिखित पटकथा का हिस्सा थे। रिपोर्ट में कहा गया है, कोलकाता पुलिस आयुक्त और इंदिरा मुखर्जी ने जल्दबाजी में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया और मीडिया ब्रीफिंग कर यह गलत धारणा बनाई गई कि राज्यपाल को आपराधिक कार्यवाही का सामना करना पड़ सकता है। रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया है कि गोयल और मुखर्जी जनवरी 2023 से एक और शिकायत को बढ़ावा देने में सहायक थे। अधिकारी ने कहा, यह बताया गया कि कोलकाता पुलिस ने एक स्थानीय पुलिस स्टेशन में जीरो एफआईआर दर्ज की और मामले को नई दिल्ली स्थानांतरित कर दिया। 17 जून, 2024 को, कथित शिकायतकर्ता ने सार्वजनिक रूप से कहा कि उसके पास राज्यपाल के खिलाफ कुछ भी नहीं है और वह इसे वापस लेना चाहती है। हालांकि, कोलकाता पुलिस ने उसे ऐसा करने की अनुमति नहीं दी। बोस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर गोयल और मुखर्जी के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया था, लेकिन कोई कदम नहीं उठाया गया और न ही उनके कार्यालय से कोई संवाद किया गया। बोस ने हिंसा के पीड़ितों से मिलने के लिए सिलीगुड़ी की अपनी हालिया यात्रा का भी जिक्र किया और राज्य के कुछ अधिकारियों के आचरण पर सवाल उठाया।

तमिलनाडु...

पर अतिक्रमण किया था। गौतम ने कहा, आर्मस्ट्रांग ने कूम नदी से सटे एक झील में एक विहार बनाया था जो नदी के अतिरिक्त पानी को संग्रहीत नहीं कर सकता था। 2018 की चेन्नई बाढ़ इस अवैध निर्माण का नतीजा थी।

गुजरात के...

अगले 3-4 वर्षों में 5,000 करोड़ रुपये को पार करने की है। वर्ष 2024 तक इसका लक्ष्य गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब और हिमाचल प्रदेश में फैले 30,000 किसानों का नेटवर्क बनाना है। जिसमें आलू की खरीद का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। आज कंपनी हर साल करीब 3.5 लाख टन आलू खरीदती है, जिसके वर्ष 2028 तक 10 लाख टन को पार कर जाने की संभावना है। कंपनी बीज-से-शेल्फ बिजनेस मॉडल का पालन करती है, जो आलू की प्रसंस्करण किस्मों के बीज बहुलीकरण के लिए अनुबंध खेती से शुरू होती है और किसानों द्वारा पूर्व निर्धारित कीमतों पर बुवाई शुरू करने से पहले बायबैक समझौते के माध्यम से फसलों की खरीद करती है।

देश के लिए मरने की नहीं, जीने की जरूरत है: अमित शाह

भाषा। अहमदाबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि देश के लिए मरने की नहीं बल्कि जीने की जरूरत है। उन्होंने गुजरात के विकास में भूमिका के लिए कड़वा पाटीदार समुदाय की सराहना की। वह मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की मौजूदगी में यहां छात्रों के लिए एक छात्रावास परिसर का उद्घाटन करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शाह ने शहर में एक अस्पताल का भी उद्घाटन किया। छात्रावास के अधिकारियों ने बताया कि अमीन पीजेकेपी विद्यार्थी भवन का निर्माण कड़वा पाटीदार समुदाय द्वारा किया गया है और इसमें सभी सामाजिक समूहों के छात्रों के लिए आवास की व्यवस्था होगी। शाह

ने कहा कि आज देश के लिए मरने की नहीं, बल्कि देश के लिए जीने की जरूरत है। उन्होंने कहा, आप एक अच्छे आईएएस, आईपीएस, सीए, चिकित्सक, अच्छे नागरिक या गृहिणी हो सकते हैं, लेकिन आपको देश के लिए काम करने की जरूरत है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि कड़वा पाटीदार समुदाय ने गुजरात के विकास में बहुत योगदान दिया है। उन्होंने कहा, गुजरात और पाटीदार समाज का विकास समानांतर है। अपनी मेहनत से कड़वा पाटीदार समाज ने अपने विकास के साथ-साथ राज्य और देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शाह ने कहा, उत्तर गुजरात के कड़वा पाटीदार समाज के कई संस्थानों से शिक्षा ग्रहण कर आज लोग देश की सेवा कर रहे हैं। पटेल ने इस मौके पर कहा कि दो दशक पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए शाला प्रवेशोत्सव (स्कूल नामांकन) और कन्या केलवणी महोत्सव के कारण राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में काफी विकास हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा, बच्चों को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना बहुत जरूरी है। शिक्षा ही विकास की नींव है। सरकार देश के भविष्य को संवारने के लिए शिक्षा को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। शाह ने अहमदाबाद में नवनिर्मित एसएलआईएमएस अस्पताल का भी उद्घाटन किया। उन्होंने ट्वीट किया, तीस करोड़ रुपए से अधिक की लागत से निर्मित आठ मंजिला अस्पताल में ओपीडी सुविधाओं के साथ रोबोटिक सर्जरी और हृदय देखभाल केंद्र जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं हैं। मुझे विश्वास है कि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह अस्पताल क्षेत्र की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने में मददगार होगा।

भारत के विकसित राष्ट्र बनाने में लोगों का उत्साह, उत्कृष्ट कार्य हमारी सबसे बड़ी ताकत: मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि विभिन्न क्षेत्रों में भारतीयों का उत्कृष्ट कार्य तथा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का उत्साह देश की सबसे बड़ी ताकत है। जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन (जेआईटीओ) के इनक्यूबेशन इनोवेशन फंड के सातवें स्थापना दिवस पर लिखित संदेश में मोदी ने कहा कि भारत के प्रति दुनियाभर में जिस तरह का आशावाद और भरोसा देखा जा रहा है, वह देश की ताकत को दिखाता है।मोदी ने कहा, भारत अपार संभावनाओं वाला देश है। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले हमारे देशवासियों की भागीदारी और देश के विकास के लिए उनका उत्साह

हमारी सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री ने प्रौद्योगिकी के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है।उन्होंने कहा कि विदेशी उत्पादों पर निर्भरता कम करना और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है।मोदी ने कहा, आज का आशावाद और हमारी क्षमताओं में अटूट विश्वास अंतरिक्ष विज्ञान, रक्षा और व्यापार सहित सभी क्षेत्रों तक फैला हुआ है। जेआईटीओ जैसे संगठनों ने पिछले दशक में इन उपलब्धियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण में योगदान दिया है। जेआईटीओ इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फंड (जेआईआईएफ) ने छह और सात जुलाई को अपना वार्षिक इनोवेशन कॉन्क्लेव आयोजित किया। इसका विषय था प्रभावकारी विचार: नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना।जेआईटीओ की अनुषंगी कंपनी जेआईआईएफ ने 80 कंपनियों में 200 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है और 25 से अधिक जैन उद्यमियों को प्रशिक्षित किया है।

भारत, ब्रिटेन प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर अगले दौर की वार्ता इसी महीने करेंगे

नई दिल्ली। ब्रिटेन में नई सरकार के कार्यभार संभालने के साथ ही भारत और ब्रिटेन के वरिष्ठ अधिकारी प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लंबित मुद्दों को सुलझाने और वार्ता को अंतिम रूप देने के लिए इस महीने अगले दौर की वार्ता करेंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।एफटीए के लिए भारत-ब्रिटेन वार्ता जनवरी, 2022 में शुरू हुई थी। दोनों देशों में आम चुनाव के चलते चौदहवें दौर की वार्ता रुक गई।अधिकारी ने कहा कि दोनों पक्ष संपर्क में है और अगला दौर इसी महीने शुरू होगा।ब्रिटेन के नव-निर्वाचित प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात की और कहा कि वह दोनों पक्षों के लिए लाभकारी एफटीए को पूरा करने के लिए तैयार है।

जम्मू में की गई मंदिर में तोड़फोड़, आरोपी गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू के बाहरी इलाके में एक गांव में कथित तौर पर एक मंदिर में तोड़फोड़ की गई, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना होने के कुछ घंटों के भीतर आरोपी को पकड़ लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि कुछ अज्ञात लोगों ने शनिवार देर रात जम्मू के पास नगरोटा के नारायण खू इलाके में पूजा स्थल में तोड़फोड़ की। स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, जम्मू और कश्मीर पुलिस ने जम्मू जिले में कल शाम नगरोटा में हुई धार्मिक स्थल की तोड़फोड़ और आगजनी के मामले को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। जांच के बाद इस कृत्य के लिए आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है।

डीलशेयर लाया नया कैंपेन हर दिन लूट शुरू किया

नई दिल्ली। अपनी शानदार डील्स और सबसे कम कीमतों के लिए विख्यात डीलशेयर हर दिन लूट कैंपेन लेकर आया है, जिसके तहत ग्रॉसरी, एफएमसीजी और होम एण्ड किचन पर ढेरों ऑफर्स पेश किए गए हैं। इस कैंपेन के तहत डीलशेयर संदेश दे रहा है कि अब सबसे कम कीमत की गारंटी महीने के कुछ दिनों या चुनिंदा मौकों तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए जैसा कि उद्योग जगत के अन्य प्लेयर्स लाते रहे हैं। डीलशेयर का कहना है कि पहले ग्राहक को लूटा जाता था लेकिन अब डीलशेयर उन्हें खुद लूटने का मौका दे रहा है। डीलशेयर के सीईओ कमलदीप सिंह ने कहा कि हम हर घर में बदलाव लाना चाहते हैं और सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ग्राहकों की उम्मीदें पूरी हों। डीलशेयर को इनकी ईमानदार और असली कीमतों के लिए जाना जाता है और हम यही अपने ग्राहकों के लिए लेकर आते हैं।

राहुल के हमले के बाद सिंधिया ने साधा निशाना

भाषा। भोपाल

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि बयान देने से पहले उन्हें वास्तविकता को जानना चाहिए। सिंधिया की इस टिप्पणी के एक दिन पहले राहुल गांधी ने कहा था कि इंडिया गठबंधन ने फैजाबाद लोकसभा सीट जीतकर भाजपा के राम मंदिर आंदोलन को समाप्त कर दिया है। अयोध्या फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र में स्थित है। अहमदाबाद के दौरे के दौरान शनिवार को गांधी ने यह भी विश्वास व्यक्त किया था कि कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उसके सबसे मजबूत गढ़ गुजरात में 2027 के विधानसभा चुनावों में

हराएगी। सिंधिया ने यहां कहा, बहुत से लोग हैं जो सपने देखते रहते हैं। कांग्रेस (हाल के लोकसभा चुनावों में) 13 राज्यों में अपना खाता भी नहीं खोल सकी। जिन राज्यों में उनका भाजपा से सीधा मुकाबला था, वहां उनका स्ट्राइक रेट सिर्फ 26 प्रतिशत है। उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, वे जनादेश को स्वीकार नहीं कर रहे, सनातन धर्म का अनादर कर रहे हैं। जनता ने उन्हें लगातार तीन बार विपक्ष में बैठाया है, लेकिन उनका अहंकार देखिए। सिंधिया भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में भाग लेने भोपाल आए हैं। सिंधिया ने कहा कि 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को जितनी सीटें मिलीं, उससे कहीं ज्यादा सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की।वर्ष 2024 के आम चुनाव में भाजपा ने 240 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस ने पहले के चुनावों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 99 सीटों पर जीत दर्ज की। सिंधिया ने गांधी का नाम लिए बिना कहा, उन्हें अपने भीतर झांकना चाहिए। वास्तविकता को पहचानना चाहिए। महसूस करना चाहिए कि जमीन कहां खिसक गई है और फिर बयान देना चाहिए। सिंधिया मार्च 2020 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्होंने 2024 का लोकसभा चुनाव गुना से 5.40 लाख से अधिक मतों के अंतर से जीता। गांधी ने शनिवार को गुजरात में कहा, अयोध्या में भाजपा को हराकर, इंडिया गठबंधन ने राम मंदिर आंदोलन को हरा दिया है, जिसे भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने शुरू किया था। मैं जो कह रहा हूं वह बहुत बड़ी बात है...कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन ने उन्हें अयोध्या में हराया।

अहमदाबाद रथयात्रा भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई

भाषा। अहमदाबाद

भगवान जगन्नाथ की 147वीं रथयात्रा रविवार को गुजरात के अहमदाबाद में संपन्न हुई। पूजा-अर्चना के लिए यात्रा मार्ग पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु खड़े थे और इस दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बालभद्र और बहन सुभद्रा का रथ दशकों पुरानी परंपरा के अनुसार खलाशी समुदाय के सदस्यों ने खींचा। यह रथ यात्रा हर साल आषाढ़ माह के दूसरे दिन निकाली जाती है। रथ पुराने शहर और कुछ सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों सहित गुजरात के सबसे बड़े शहर के कई इलाकों से गुजरते हुए रात नौ बजकर 15 मिनट पर मंदिर वापस आ गए।केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने सुबह मंगला आरती की और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पाहिंद विधि संपन्न की। यह विधि जमालपुर इलाके में भगवान जगन्नाथ के 400 वर्ष पुराने मंदिर से रथ यात्रा शुरू होने पर सोने की झाड़ू से यात्रा मार्ग को साफ करने की परंपरा है। अधिकारियों ने बताया कि रथयात्रा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई और मार्ग में किसी भी स्थान से कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने कहा कि प्रशासन ने यह सुनिश्चित करने के लिए उचित व्यवस्था की है।

क्विक न्यूज

एनटीए शिकायत सही पाए जाने पर सीयूईटी-यूजी उम्मीदवारों के लिए फिर से परीक्षा आयोजित करेगा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) सीयूईटी-यूजी परीक्षा के आयोजन को लेकर उम्मीदवारों की ओर से किसी भी शिकायत के सही पाए जाने पर 15 से 19 जुलाई तक उनके लिए दोबारा परीक्षा आयोजित करेगी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। एनटीए ने स्नातक प्रवेश परीक्षा की उत्तर कुंजी भी जारी कर दी है जिससे नतीजों की घोषणा का रास्ता साफ हो गया है। एनटीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, उम्मीदवार नौ जुलाई को शाम छह बजे तक उत्तर कुंजी के लिए अपना दावा प्रस्तुत कर सकते है। अधिकारी ने कहा, एनटीए साझा विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा-स्नातक (सीयूईटी-यूजी) के लिए आयोजित परीक्षा के संबंध में 30 जून तक प्राप्त शिकायतों का भी समाधान कर रहा है। यदि कोई शिकायत सही पाई जाती है, तो एनटीए 15 से 19 जुलाई के बीच किसी भी दिन चयनित केंद्रों पर इन उम्मीदवारों के लिए परीक्षा फिर से कराने के लिए प्रतिबद्ध है। एनटीए अधिकारियों ने एजेंसी को मिली शिकायतों पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन उम्मीदवारों ने दावा किया कि कुछ परीक्षा केंद्रों पर समय की बर्बादी हुई और तकनीकी समस्याएं थीं। अधिकारी ने कहा, उम्मीदवारों के दावों का विषय विशेषज्ञों के एक पैनल द्वारा सत्यापन किया जाएगा। संशोधित अंतिम उत्तर कुंजी के आधार पर परिणाम घोषित किया जाएगा। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) और राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) सहित प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर विवाद के बीच सीयूईटी-यूजी के नतीजों में देरी हुई है।

कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में 17 परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए : भजनलाल शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रश्नपत्र लीक मामले में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में 19 में से 17 परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए थे। उन्होंने कहा, पिछली सरकार के कार्यकाल में 19 में से 17 परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए थे, जिसे हमने गंभीरता से लिया है और हमने इसकी जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित की और उसने काम करना भी शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा, पिछली सरकार ने हमारी युवा शक्ति को निराशा की गर्त में धकेल दिया था। प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं से कड़ी मेहनत करने वाले ईमानदार विद्यार्थियों का मनोबल टूट गया था। उन्होंने कहा, हमारी सरकार बनते ही प्रश्नपत्र लीक के मामलों की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई। भर्ती परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक व अन्य अनियमितताओं के संबंध में एसआईटी ने ठोस कार्रवाई करते हुए 108 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के सपनों को तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। शर्मा ने रविवार को जयपुर में संत जनों की उपस्थिति में राजपुरोहित ग्लोबल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (राजपुरोहित छात्रावास) के उद्घाटन समारोह के अवसर पर यह बात कही।

कर्नाटक में आंतरिक कलह में फंसी हुई है कांग्रेस की सरकार : शोभा करंदलाजे

बेंगलुरु। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर आंतरिक कलह में फंसे होने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि राज्य के लोगों को डेंगू के बढ़ते मामलों और कानून-व्यवस्था की खराब स्थिति जैसी परेशानियों से बचाने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उनके प्रशासन को जागने की जरूरत है। करंदलाजे ने राज्य और बेंगलुरु शहर में खड़ी हुई बुनियादी ढांचा संबंधी परियोजनाओं को लेकर कांग्रेस सरकार पर गहरी नींद में होने और मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्री पदों के लिए प्रतिस्पर्धा में उलझे होने का भी आरोप लगाया। बेंगलुरु उत्तर के सांसद करंदलाजे ने सिद्धरमैया सरकार पर आरोप लगाया कि वह अपनी आंतरिक कलह के कारण जनता को भूल गई है। करंदलाजे ने कहा, बेंगलुरु शहर और राज्य में कई मुद्दे है और यहां कोई सरकार नहीं है जो इस पर ध्यान दे। यह सरकार गहरी नींद में है। इस सरकार को कुछ भी कहने का कोई फायदा नहीं है, यह पत्थर पर पानी डालने जैसा होगा। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, इस सरकार में केवल एक ही बात हो रही है कि कौन मुख्यमंत्री और कौन उपमुख्यमंत्री बनेगा, केवल इसकी होड़ मची हुई है। और इसी प्रतिस्पर्धा तथा आंतरिक कलह के कारण कर्नाटक में जो सरकार है, वो राज्य के लोगों को भूल गई है। उन्होंने कहा, सरकार को तुरंत जागना होगा, इससे पहले कि और लोगों की जान चली जाए। साथ ही कानून व्यवस्था की स्थिति भी खराब हो गई है, दुष्कर्म, हत्या, दिनदहाड़े हत्या के कई मामले सामने आ रहे है, लेकिन ऐसी स्थिति है कि सवाल उठाने वाला कोई नहीं है।

टाटा ने घर-घर सोलर पहल का शुभारंभ किया

मुंबई। स्थायी ऊर्जा समाधानों में अग्रणी टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड ने यूपी के हर घर को स्वच्छ ऊर्जा से उज्वल करने के उद्देश्य से अपनी परिवर्तनकारी रूफटॉप सोलर पहल शुरू की है। घर-घर सोलर टाटा पावर के संग इस महत्वाकांक्षी पहल की शुरूआत वाराणसी से की गयी है। इसमें आधुनिकतम रूफटॉप सोलर समाधानों-आरटीएस के माध्यम से निवासियों की अच्छी वित्तीय बचत होगी और पर्यावरणीय लाभ भी मिलेंगे। वाराणसी में शुभारंभ समारोह में टाटा पावर के सीईओ और एमडी डॉ प्रवीर सिन्हा ने कहा कि स्थायी ऊर्जा भविष्य को आगे बढ़ाना टाटा पावर सोलर में हमारा मिशन है। उत्तर प्रदेश में हमारे रूफटॉप सोलर समाधानों की शुरूआत करके हम निवासियों को उनके ऊर्जा बिलों को भारी मात्रा में कम करने और हरित वातावरण के निर्माण में योगदान करने का सर्वोत्तम उपलब्ध अवसर प्रदान करते हैं। हमारी तीन दशकों की विशेषज्ञताएं बाइफेसियल मॉड्यूल जैसी उन्नत तकनीकें आसान फाइनेंसिंग प्रशिक्षित कार्यबल और मजबूत चैनल पार्टनर नेटवर्क सौर ऊर्जा को बिना किसी परेशानी के अपनाए जाने की गारंटी देते हैं। राज्य में उपभोक्ता रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन पर अधिकतम 1,08,000 रुपये तक की सब्सिडी का लाभ उठा सकते हैं। इसमें 3 किलोवाट तक के लिए केंद्र सरकार की 78,000 रुपये की सब्सिडी और राज्य सरकार की ओर से 3 किलोवाट तक के लिए अधिकतम 30,000 रुपये 15,000 रुपये प्रति किलोवाट्ट की सब्सिडी शामिल होगी जो केंद्र सरकार की सब्सिडी के अतिरिक्त होगी। अपने मज़बूत चैनल पार्टनर नेटवर्क के साथ टाटा पावर वाराणसी और उत्तर प्रदेश के निवासियों को तेज़ी से रूफटॉप सोलर कनेक्शन प्रदान करने के लिए सक्षम है।

कानपुर में महिला निवेशकों का एयूएम पिछले पांच साल में 3.5 गुना बढ़ा

कानपुर। कानपुर भारत में सबसे तेज़ी से वृद्धि दर्ज करते फंड हाउसों में से एक एक्सिस म्यूचुअल फंड ने 1 करोड़ से अधिक मौजूदा एक्सिस एमएफ ग्राहकों के डेटा का विश्लेषण किया और एक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण किया तथा दिलचस्प अध्ययनए श्महिला निवेश व्यवहार रिपोर्ट 2024 पेश किया। पिछले पांच सालों 31 मार्च 2019 से 31 दिसंबर 2023 में कानपुर में महिला निवेशकों की संख्या 3.2 गुनी बढ़ी है। इसी अवधि में कानपुर में महिला निवेशकों का एयूएम 3.5 गुना बढ़ा। उत्तर प्रदेश में इस दौरान महिला निवेशकों के एयूएममें 3.6 गुना वृद्धि दर्जहुई। भारत में सबसे तेज़ी से वृद्धि दर्ज करते फंड हाउसों में से एकए एक्सिस म्यूचुअल फंड ने 1 करोड़ से अधिक मौजूदा एक्सिस एमएफग्राहकों के डेटा का विश्लेषण किया और एक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण किया तथा दिलचस्प अध्ययनए श्महिला निवेश व्यवहार रिपोर्ट 2024 पेश किया।अध्ययन के निष्कर्ष के मुताबिक लगभग 72प्रतिशता महिला निवेशक अब निवेश के बारे में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेती हैं। इस अध्ययन के बारे में एक्सिस एएमसी के एमडी एवं सीईओए बी गोपकुमार ने कहा कि म्यूचुअल फंड उद्योग में एक उल्लेखनीय बदलाव हो रहा है। अधिक से अधिक लोगए विशेष रूप से महिलाएंए अपनी वित्तीय रणनीति के रूप में म्यूचुअल फंड में निवेश करना पसंद कर रही हैं। एक्सिस एमएफनिवेशकों के निवेश पैटर्न पर हमारे शोध से पता चलता है कि एक्सिस म्यूचुअल फंड के ग्राहकों में महिलाओं की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत है और कुल एयूएम में उनकी हिस्सेदारी 35प्रतिशत है।

हिंडनबर्ग ने प्रकाशन से पहले अदाणी से संबंधित रिपोर्ट ग्राहक से साझा की : सेबी

भाषा। नई दिल्ली

अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने अदाणी समूह के खिलाफ अपनी रिपोर्ट की एक अग्रिम प्रति इसके प्रकाशन से लगभग दो महीने पहले न्यूयॉर्क स्थित हेज कोष प्रबंधक मार्क किंग्डन के साथ साझा की थी और समूह की कंपनियों के शेयरों में उतार-चढ़ाव का लाभ उठाया था। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने यह दावा किया है। सेबी ने हिंडनबर्ग को भेजे अपने 46 पृष्ठ के कारण बताओ नोटिस में विस्तार से बताया है कि कैसे अमेरिकी शॉर्ट सेलर, न्यूयॉर्क के हेज कोष (हेज फंड) और कोटक महिंद्रा बैंक से जुड़े ब्रोकर को समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों के मूल्यांकन में

रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद आई भारी-भरकम 150 अरब डॉलर की गिरावट से लाभ हुआ। वहीं सेबी के इस कारण बताओ नोटिस के जवाब में हिंडनबर्ग ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा है कि यह भारत के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा किए गए भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी को उजागर करने वालों को चुप कराने और डराने-धमकाने का प्रयास है। साथ ही उसने खुलासा किया है कि अदाणी की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लि. के खिलाफ दांव लगाने के लिए जिस इकाई का इस्तेमाल किया गया वह कोटक महिंद्रा (इंटरनेशनल) लिमिटेड (केएमआईएल) से संबंधित थी, जो कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड की मॉरीशस स्थित अनुषंगी कंपनी है।केएमआईएल के कोष ने अपने ग्राहक किंग्डन के किंग्डन कैपिटल मैनेजमेंट के लिए अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड पर दांव लगाया।सेबी के नोटिस में अदाणी एंटरप्राइजेज लि. (एईएल) में भविष्य के अनुबंध बेचने के लिए हेज फंड के एक कर्मचारी और केएमआईएल के कारोबारियों के बीच चैट के अंश शामिल हैं।कोटक महिंद्रा बैंक ने कहा है कि किंग्डन ने कभी यह खुलासा नहीं किया कि उनका हिंडनबर्ग के साथ कोई संबंध था और न ही वे किसी मूल्य-संवेदनशील जानकारी के आधार पर काम कर रहे थे। सेबी ने पिछले साल उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति को बताया था कि वह 13 ऐसी बाहरी अस्पष्ट इकाइयों की जांच कर रहा है जिनकी अदाणी समूह के पांच सार्वजनिक रूप से कारोबार वाले शेयरों में 14 प्रतिशत से 20 प्रतिशत के बीच हिस्सेदारी थी। सेबी ने न केवल हिंडनबर्ग को, बल्कि केएमआईएल, किंग्डन और हिंडनबर्ग के संस्थापक नाथन एंडरसन को भी नोटिस भेजा है। पूर्व में अदाणी समूह के पक्ष में बात करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने एक्स पर पोस्ट में दावा किया है कि किंग्डन का चीन से संपर्क है।

केसीआर की तमाम कोशिशों के बावजूद पार्टी नेताओं ने दिया इस्तीफा

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा चुनावों में पिछले साल हार मिलने के बाद से के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को एकजुट रखने की कोशिशों के बावजूद इसके सात विधायक और छह विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) पार्टी छोड़कर सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। इनके अलावा बीआरएस के राज्यसभा सदस्य के. केशव राव, उनकी बेटी और हैदराबाद की महापौर विजया लक्ष्मी आर गडवाल सहित कई अन्य नेता भी कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। केशव राव ने कांग्रेस में शामिल होने के बाद राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस और भाजपा विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों में अपनी बढ़त को मजबूत करने की कोशिश में हैं, वहीं बीआरएस को अपने नेताओं के पार्टी छोड़ने के कारण खुद को फिर से मजबूत करने की कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। बीआरएस प्रमुख चंद्रशेखर राव पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं और उन्हें आश्वासन दे रहे हैं कि पार्टी वापसी करेगी, क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी (कांग्रेस) अपनी लोकप्रियता तेजी से खो रही है। नेताओं के बीआरएस छोड़ने का सिलसिला खैरताबाद से पार्टी विधायक दानम नागेंद्र के मार्च में कांग्रेस में शामिल होने से शुरू हुआ था।

लोस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव जीवंत और फलते-फूलते लोकतंत्र का उदाहरण : बिरला

भाषा। कोटाबूंदी

ओम बिरला ने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए हुए दुर्लभ चुनाव को एक जीवंत और फलते-फूलते लोकतंत्र का उदाहरण बताते हुए कहा है कि सहमति और असहमति इसका हिस्सा हैं। बिरला ने अध्यक्ष पद के लिए विपक्षी उम्मीदवार के. सुरेश के खिलाफ ध्वनिमत से जीत हासिल की थी। विपक्ष ने भाजपा के बिरला के खिलाफ कांग्रेस के सुरेश को नामित करके चुनाव कराने पर जोर दिया था,

हालांकि उसने मत विभाजन के लिए दबाव नहीं डाला था। बिरला ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में नई सरकार के गठन के बाद इसके पहले सत्र के दौरान लोकसभा में हुए व्यवधान को अनुचित बताया और कहा कि संसद में तथा सड़कों पर होने वाली बहसों में अंतर होना चाहिए। कट्टरपंथी सिख उपदेशक अमृतपाल सिंह और आतंकी वित्तपोषण मामले में आरोपी इंजीनियर रशीद के जेल में रहते हुए क्रमश: पंजाब के खडूर साहिब और जम्मू-कश्मीर के बारामूला से निर्दलीय के रूप में सदन के लिए चुने जाने पर लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि दोनों सदस्यों को जनता ने चुना है।

अमृतपाल सिंह ने किया मां के बयान से किनारा

कहा- खालसा राज का सपना देखना अपराध नहीं

भाषा। चंडीगढ़

कट्टरपंथी सिख उपदेशक अमृतपाल सिंह ने अपनी मां के इस बयान से दूरी बना ली है कि उनका बेटा खालिस्तान समर्थक नहीं है। खडूर साहिब से सांसद सिंह की ओर से शनिवार रात जारी बयान में कहा गया है, कल जब मुझे माता जी के बयान के बारे में पता चला तो बहुत दुख हुआ। हालांकि मेरा मानना है कि माताजी ने अनजाने में यह बयान दिया है, फिर भी मेरे परिवार या किसी समर्थक की ओर से ऐसा बयान नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, खालसा राज का सपना देखना कोई अपराध नहीं बल्कि गर्व की बात है। इस सपने को पूरा करने के लिए लाखों सिखों ने अपने प्राणों की आहुति दी और हम इस रास्ते से हटने के बारे में नहीं सोच सकते। भाई अमृतपाल सिंह का आधिकारिक बयान शीर्षक के साथ जारी बयान में कहा गया है, मैंने कई बार मंचों से कहा है कि अगर मुझे कभी पंथ और परिवार के बीच किसी को चुनना पड़ा तो मैं हमेशा पंथ को ही चुनूंगा। शुक्रवार को जब सिंह ने लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ ली थी, तब उनकी मां बलविंदर कौर ने अमृतसर में पत्रकारों से कहा था कि उनका बेटा खालिस्तानी समर्थक नहीं है।

उत्तर भारत में दो दशकों में 450 घन किलोमीटर भूजल घट गया

अध्ययन

भाषा। नई दिल्ली

उत्तर भारत में साल 2002 से लेकर 2021 तक लगभग 450 घन किलोमीटर भूजल घट गया और निकट भविष्य में जलवायु परिवर्तन के कारण इसकी मात्रा में और भी गिरावट आएगी। एक नए अध्ययन में यह दावा किया गया है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर में सिविल इंजीनियरिंग और पृथ्वी विज्ञान के विक्रम साराभाई चेयर प्रोफेसर और अध्ययन के मुख्य लेखक विमल मिश्रा ने बताया कि यह

भारत के सबसे बड़े जलाशय इंदिरा सागर बांध की कुल जल भंडारण मात्रा का करीब 37 गुना है। शोधार्थियों ने अध्ययन के दौरान यह पता लगाया कि पूरे उत्तर भारत में 1951-2021 की अवधि के दौरान मानसून के मौसम (जून से सितंबर) में बारिश में 8.5 प्रतिशत कमी आई। इस अवधि के दौरान इस क्षेत्र में सर्दियों के मौसम में तापमान 0.3 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय भूभौतिकी अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) के शोधार्थियों के दल ने कहा कि मानसून के दौरान कम बारिश होने और सर्दियों के दौरान तापमान बढ़ने के कारण सिंचाई के लिए पानी की मांग बढ़ेगी और इसके कारण भूजल पुनर्भरण में कमी आएगी, जिससे उत्तर भारत में पहले से ही कम हो रहे भूजल संसाधन पर और अधिक दबाव पड़ेगा। शोधार्थियों ने 2022 की सर्दियों में अपेक्षाकृत गर्म मौसम रहने के दौरान यह पाया कि मानसून के दौरान बारिश कम होने से फसलों के लिए भूजल की अधिक जरूरत पड़ती है और सर्दियों में तापमान अधिक होने से मिट्टी अपेक्षाकृत शुष्क हो जाती है, जिस कारण फिर से सिंचाई करने की आवश्यकता होती है। अध्ययन के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून के दौरान बारिश की कमी और उसके बाद सर्दियों में अपेक्षाकृत तापमान अधिक रहने से भूजल पुनर्भरण में लगभग 6-12 प्रतिशत की कमी आने का अनुमान है। मिश्रा ने कहा, इसलिए हमें अधिक दिनों तक हल्की वर्षा की आवश्यकता है। भूजल के स्तर में परिवर्तन मुख्य रूप से मानसून के दौरान हुई वर्षा तथा फसलों की सिंचाई के लिए भूजल का दोहन किए जाने पर निर्भर करता है।

मोदी की मास्को की यात्रा को लेकर उत्सुक है रूस

क्रेमलिन के प्रवक्ता पेस्कोव ने ये बात कही

भाषा। मास्को

रूस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मॉस्को की बेहद अहम यात्रा को लेकर उत्सुक है और वह इस यात्रा को रूस तथा भारत के संबंधों के लिए अति महत्वपूर्ण मानता है। रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने शनिवार को यह बात कही। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और वह आठ एवं नौ जुलाई को मॉस्को में रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में इस उच्च स्तरीय यात्रा के बारे में जानकारी दी थी और कहा था कि दोनों नेता दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों की संपूर्ण समीक्षा करेंगे तथा आपसी हितों के समकालीन क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। पेस्कोव ने रूस के सरकारी टेलीविजन वीजीटीआरके के साथ साक्षात्कार में कहा कि मॉस्को में दोनों नेता अन्य कार्यक्रमों के अलावा अनौपचारिक बातचीत भी करेंगे। उन्होंने कहा, जाहिर है कि अगर इसे अति व्यस्त न भी कहा जाए तो भी एजेंडा व्यापक होगा। यह एक आधिकारिक यात्रा होगी और हमें उम्मीद है कि दोनों नेता अनौपचारिक तरीके से भी बातचीत कर सकेंगे। पेस्कोव ने कहा कि रूस और भारत के बीच संबंध रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर हैं। सरकारी समाचार एजेंसी तास ने पेस्कोव के हवाले से कहा, हम एक अति महत्वपूर्ण यात्रा की उम्मीद कर रहे हैं जो रूस-भारत संबंधों के लिए बहुत अहम है।

रूस में मार गिराए गए यूक्रेन के ड्रोन के मलबे से गोदाम में लगी आग

कीव। पश्चिमी रूस के सीमावर्ती क्षेत्र के एक गांव को रविवार को खाली करा लिया गया, क्योंकि वहां मार गिराए गए एक यूक्रेनी ड्रोन के मलबे से पास के गोदाम में आग लगने से विस्फोट हो रहे थे। यह जानकारी स्थानीय अधिकारियों ने दी। सोशल मीडिया फुटेज में वोरोनिश क्षेत्र में काले धुएं का गुबार उठता दिखाई दे रहा था, जबकि लगातार जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी गईं। गवर्नर अलेक्जेंडर गुसेव ने कहा कि गिरते मलबे के कारण विस्फोटक वस्तुओं में विस्फोट हुआ। उन्होंने कहा कि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन पोडगोरेंस्की जिले के एक नजदीकी गांव के निवासियों को निकाला गया है। आपातकालीन सेवाओं, सैन्य और सरकारी अधिकारियों के घटनास्थल पर काम करने के कारण सड़कें भी बंद कर दी गई हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने सुबह की प्रेस वार्ता में हमले के बारे में कुछ नहीं कहा, लेकिन कहा कि वायु रक्षा प्रणालियों ने बेलगराद क्षेत्र में एक यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया है। रूस के क्रास्नोदार प्रांत के अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि ड्रोन के मलबे के गिरने से एक तेल डिपो में आग लग गई थी। रूस की आपातकालीन सेवाओं ने कहा कि रविवार सुबह आग बुझा दी गई। यह हमला ऐसे समय में किया गया है जब यूक्रेन के सैन्य प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को बताया था कि कीव के सैनिक यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहर चासिव यार के बाहरी इलाके से पीछे हट गए हैं, जो एक महीने तक चले रूसी हमले के कारण मलबे में तब्दील हो गया है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने सरकारी कर्मचारियों के वेतन में एक और वृद्धि करने से किया इनकार

भाषा। कोलंबो

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि इस साल सरकारी क्षेत्र के कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि नहीं की जाएगी। उन्होंने इसके पीछे तर्क देते हुए कहा कि बिना किसी उचित योजना के वेतन में वृद्धि करने से देश में होने वाले राष्ट्रपति एवं आम चुनावों से पहले सरकार कमजोर हो सकती है। न्यूज फर्स्ट वेबसाइट पर रविवार को प्रसारित खबर में बताया गया है कि राष्ट्रपति ने यह स्वीकार किया कि वर्तमान में अर्थव्यवस्था पर दबाव है। उन्होंने कहा कि वेतन और भत्ता बढ़ाने के लिए अतिरिक्त धन का अभाव है। विक्रमसिंघे ने श्रीलंका में 10,000 रुपए की वेतन वृद्धि और अश्वसुमा कार्यक्रम के तहत दिए गए अतिरिक्त लाभों के बारे में जानकारी दी। खबर में बताया गया कि उन्होंने राजकोषीय जिम्मेदारी की आवश्यकता पर जोर दिया और आगाह किया कि उचित योजना के बिना वेतन में और वृद्धि करने से सरकार कमजोर हो सकती है। विक्रमसिंघे ने आगामी चुनावों से पहले देश में स्थिरता लाने की आवश्यकता पर बल दिया। खबर में बताया गया कि राष्ट्रपति ने वेतन संबंधी समस्या की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन करने का एलान किया है। समिति की सिफारिशों को 2025 के बजट में शामिल किया जाएगा, जिससे अगले साल संभावित कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी हो सकेगी।

श्रीलंका ने विदेशी अनुसंधान जहाजों पर प्रतिबंध अगले साल से हटाने का निर्णय लिया

कोलंबो। श्रीलंका ने विदेशी अनुसंधान जहाजों के आगमन पर अगले साल से प्रतिबंध हटाने का निर्णय लिया है। जापान की मीडिया में आई खबर से यह जानकारी मिली। उच्च प्रौद्योगिकी वाले चीनी जासूसी जहाजों द्वारा श्रीलंकाई बंदरगाह पर लंगर डालने संबंधी बार-बार के अनुरोध के बाद जताई गई सुरक्षा चिंताओं के बाद यह प्रतिबंध लगाया गया था। प्रतिबंध हटाने के निर्णय की जानकारी श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने एनएचके वर्ल्ड जापान को दी। हिंद महासागर में चीनी अनुसंधान जहाजों की बढ़ती आवाजाही पर नई दिल्ली ने चिंता व्यक्त करते हुए इनके जासूसी जहाज होने का अंदेशा जताया था और कोलंबो से आग्रह किया था कि वह ऐसे जहाजों को अपने बंदरगाहों पर न आने दे। भारत द्वारा चिंता जताए जाने के बाद श्रीलंका ने जनवरी में अपने बंदरगाह पर विदेशी अनुसंधान जहाजों के लंगर डालने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इस साल की शुरुआत में एक चीनी जहाज के लिए हालांकि छूट दी गई थी।एनएचके वर्ल्ड जापान की शुक्रवार की एक रिपोर्ट के अनुसार, साबरी ने कहा कि उनकी सरकार अलग-अलग देशों के लिए अलग-अलग नियम नही बना सकती। उन्होंने कहा कि उनका देश दूसरों के बीच विवाद में किसी का पक्ष नही लेगा। यह प्रतिबंध अगले साल जनवरी तक है। साबरी ने कहा कि श्रीलंका अपने बंदरगाहों पर विदेशी अनुसंधान जहाजों के लंगर दो चीनी जासूसी जहाजों को श्रीलंका के बंदरगाहों पर लंगर डालने की अनुमति दी गई थी।चीनी अनुसंधान जहाज शि यान 6 अक्टूबर 2023 में श्रीलंका पहुंचा और कोलंबो बंदरगाह पर रुका था। इसके आगमन से पहले अमेरिका ने श्रीलंका के समक्ष चिंता व्यक्त की थी। अगस्त 2022 में चीनी नौसेना का पोत युआन वांग 5 दक्षिणी श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर पहुंचा था।

अमीरात की पाक कला हॉटस्पॉट के रूप में बढ़ रही

दुबई। मिशेलिन ने हाल ही में खोले गए वन एंड ओनली वन ज़ाबील में कल रात एक प्रतिष्ठित समारोह के दौरान अपने वार्षिक मिशेलिन गाइड दुबई के तीसरे संस्करण का अनावरण किया। मुख्य आकर्षणों में से एक रो ऑन 45 दुबई में दो मिशेलिन स्टार प्राप्त करने वाला चौथा रेस्तरां बन गया। दुबई कॉरपोरेशन फॉर टूरिज्म एंड कॉमर्स मार्केटिंग डीसीटीसीएम के सीईओ इस्साम काज़िम ने कहा कि हम मिशेलिन गाइड दुबई के तीसरे संस्करण का गर्व से जश्न मना रहे हैं,जो 2022 में इसकी शुरुआत से लेकर इस साल चयनों की विस्तृत सूची का जश्न मनाने तक की हमारी यात्रा को दर्शाता है। हम मान्यता प्राप्त सभी रेस्तराँओं के साथ.साथ रेस्तरां मालिकों, रसोइयों और उनकी संबंधित सफलताओं में शामिल अन्य प्रतिभाओं को बधाई देते हैं। दुबई का पाक दृश्य व्यापक पेशकशों का एक प्रमुख स्तंभ बना हुआ हैए जो इसे घूमनेए रहने और काम करने के लिए सबसे अच्छे शहरों में से एक बना रहा है, जिसमें हमारे आगंतुकों और निवासियों के लिए सभी स्वाद और बजट को पूरा करने वाली विविध गैस्ट्रोनॉमिक पेशकशें हैं। मिशेलिन गाइड्स के अंतरराष्ट्रीय निदेशक ग्वेंडल पोलेनेक ने कहा कि दुबई को अब वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय गैस्ट्रोनॉमिक गंतव्य के रूप में मान्यता प्राप्त है दुनिया भर के प्रतिभाशाली शेफ और रेस्टोरेंट मालिक अब इसके जीवंत भोजन दृश्य से आकर्षित हो रहे हैं और शहर में अपनी पहचान बनाने के लिए उत्सुक हैं। इतने सारे अलग.अलग स्टाइल के रेस्टोरेंट और व्यंजनों के प्रकारों के साथए वास्तव में हर किसी के लिए कुछ न कुछ है।

ईरान ने महसा अमीनी की मौत के बाद हुए प्रदर्शनों से निपटने का विरोध करने वाले वकील को गिरफ्तार किया

दुबई। ईरान ने 2022 में महसा अमीनी की मौत के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों से निपटने के तरीके की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने वाले मुखर ईरानी वकील को गिरफ्तार किया है। सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। वर्ष 2022 में 22-वर्षीया महसा अमिनी को पुलिस ने कथित तौर पर हिजाब ठीक से न पहनने के कारण हिरासत में लिया था और पुलिस हिरासत में उसकी मौत हो गई थी। इस घटना को लेकर देश भर में सरकार के खिलाफ व्यापक स्तर पर विरोध-प्रदर्शन हुए थे। समाचार एजेंसी मिजान ने रविवार को कहा कि वकील मोहसिन बोरहानी को पहले भी सजा सुनाई जा चुकी है। हालांकि, उनके मामले या जेल की सजा के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नही दी गई है। बोरहानी 2022 के प्रदर्शनों के दौरान ईरानी सरकार के खिलाफ अपने आलोचनात्मक विचारों के लिए सोशल मीडिया पर लोकप्रिय हो गए, जिसने इस्लामिक गणराज्य को हिलाकर रख दिया। बोरहानी एक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर भी हैं। सरकार द्वारा विरोध-प्रदर्शन के खिलाफ की गई कार्वाई मे 500 से अधिक लोग मारे गए और 22,000 से अधिक हिरासत में लिए गए। यह गिरफ्तारी सुधारवादी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के देश का नेतृत्व करने के लिए चुने जाने के एक दिन बाद हुई।

सोजन जोसेफः केरल में जन्मे मानसिक स्वास्थ्य नर्स अब ब्रिटेन के नए सांसद

लंदन। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) में मानसिक स्वास्थ्य नर्स सोजन जोसेफ ब्रिटेन के आम चुनाव में ब्रिटेन की संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमन्स के लिए चुने गए लेबर सांसदो मे शामिल है। जोसेफ 22 साल पहले केरल से ब्रिटेन आए थे। जोसेफ (49) ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं से मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं पर अधिक जोर देने का वादा किया था और वह कंजर्वेटिव पार्टी का गढ़ माने जाने वाले दक्षिण-पूर्वी इंग्लैंड की केंट काउंटी के एशफोर्ड मे सेंध लगाने मे सफल रहे। लेबर पार्टी के उम्मीदवार के रूप मे जोसेफ ने एशफोर्ड निर्वाचन क्षेत्र में जीत हासिल की। उन्होंने वरिष्ठ राजनीतिज्ञ डेमियन ग्रीन को हराया। मूल रूप से केरल के कोट्टायम जिले के एक छोटे से गांव काइपुझा में जन्मे जोसेफ ने केंट की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा में मानसिक स्वास्थ्य नर्स के रूप मे काम किया है। जोसेफ ने शुक्रवार को अपने संबोधन में कहा, आप सभी ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मै अभिभूत हूं और साथ ही मै अपनी जिम्मेदारियों को भी जानता हूं। उन्होंने कहा कि उन्हे एशफोर्ड और विल्सबोरो को अपना घर कहने में बहुत गर्व महसूस होता है।जोसेफ ने बेंगलुरु के बी आर आंबेडकर मेडिकल कॉलेज से नर्सिंग की पढ़ाई पूरी की थी। ब्रिटेन मे उन्होंने स्वास्थ्य सेवा नेतृत्व मे मास्टर डिग्री के लिए अध्ययन किया, जिसमें उन्होंने सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में विविधता और समावेश पर ध्यान केंद्रित किया। ब्रिटेन में चार जुलाई को हुए आम चुनाव में लेबर पार्टी ने ऐतिहासिक जीत हासिल की थी और केअर स्टॉर्मर नए प्रधानमंत्री बने।

इमरान खान अराजकता फैलाने के लिए जेल में साजिश रच रहे हैं : राणा सनाउल्लाह

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के राजनीतिक और सार्वजनिक मामलों के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने दावा किया है कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान एक और राजनीतिक अराजकता पैदा करने के लिए जेल के अंदर साजिश रच रहे हैं। जियो न्यूज के कार्यक्रम नया पाकिस्तान में पूर्व गृह मंत्री सनाउल्लाह ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के 71-वर्षीय संस्थापक खान को अदालत ने उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में राजनीतिक बैठकें करने की अनुमति नही दी। खान के खिलाफ 200 से अधिक मामले दर्ज हैं और उनमें से कुछ में वह दोषी पाए गए हैं। वह पिछले साल अगस्त से जेल में हैं। सनाउल्लाह ने दावा किया कि पीटीआई संस्थापक को जेल में बैठकर अराजकता पैदा करने की ऐसी योजना बनाने की अनुमति नहीं दी गई है। उन्होंने दावा किया कि संबंधित अधिकारियों के पास उपलब्ध साक्ष्य जेल मे चल रही ऐसी योजना के दावों को पुख्ता करते है। हालांकि, प्रधानमंत्री के सहयोगी ने कहा कि सरकार के पास योजना के बारे में कोई ऑडियो या वीडियो सबूत नहीं है, "लेकिन जो लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं और वहां ड्यूटी कर रहे हैं, उनके पास ए सबूत हैं। सनाउल्लाह का यह बयान पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं द्वारा यह कहे जाने के बाद आया है कि उन्हें इस सप्ताह की शुरुआत में अदियाला जेल में बंद पार्टी के संस्थापक से मिलने की अनुमति नहीं दी गई, जबकि वे जेल के बाहर कुछ घंटों तक इंतजार कर चुके थे। इस्लामाबाद में खान की पार्टी द्वारा आयोजित रैली पर टिप्पणी करते हुए पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि मुहर्म मे शक्ति प्रदर्शन करने का पीटीआई का फैसला अनुचित था। मुहर्म इस्लामिक कैलेंडर का पहला महीना होता है, जो सोमवार से शुरू हो रहा है।

अलास्का के सबसे भारी हिमनद एक खतरनाक बिंदु के करीब पहुंच रहे हैं

न्यूकैसल अपॉन टाइन। उत्तरी अमेरिका के सबसे बड़े हिमनदों के समूह में से एक के पिघलने की प्रक्रिया तेज हो गई है और यह जल्द ही एक ऐसे बिंदु पर पहुंच सकती है जहां से नुकसान की भरपाई करना असंभव होगा। यह निष्कर्ष मेरे और मेरे नए शोध सहयोगियों ने अलास्का की राजधानी जूनो के पास अलास्का-कनाडा सीमा पर फैले हुए जूनो हिमक्षेत्र पर प्रकाशित किया है। वर्ष 2022 की गर्मियों मे मैंने अन्य शोधकर्ताओं के साथ तपती धूप मे बर्फ के समतल, चिकने और सफेद पठार पर स्कीइंग की। उस पठार से एक दूसरे से जुड़े हुए लगभग 40 विशाल हिमनद समुद्र की ओर हैं और इसके चारों ओर पर्वत चोटियों पर सैकड़ों छोटे हिमनद है।

फ्रांसः संसदीय चुनाव में पिछले चार दशक में सर्वाधिक मतदान होने की संभावना

फ्रांस के राष्ट्रपति ने संसदीय चुनाव के लिए डाला वोट

भाषा। पेरिस

फ्रांस में संसदीय चुनाव के लिए रविवार को दूसरे दौर का मतदान समाप्त होने में केवल तीन घंटे बचे हैं और अब तक 59.71 प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर चुके हैं। इस आंकड़े के हिसाब से 1981 के बाद देश में सर्वाधिक मतदान होने की संभावना है। अधिकारियों के अनुसार, समग्र मतदान चार दशकों में सबसे अधिक होने की राह पर है। यह स्थानीय समयानुसार रात आठ बजे बंद हो जाएगा। फ्रांस में हो रहे मध्यावधि चुनाव में मरीन ले पेन की धुर दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली के ऐतिहासिक जीत हासिल करने या त्रिशंकु संसद की संभावना जताई जा रही है। हीं फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रविवार को संसदीय चुनाव में मतदान किया।इससे पहले फ्रांस में संसदीय चुनाव के लिए रविवार को दूसरे चरण का मतदान जारी है जिसमें नाजी युग के बाद सत्ता की बागडोर पहली बार राष्ट्रवादी एवं धुर-दक्षिणपंथी ताकतों के हाथों में जाने या त्रिशंकु संसद की संभावना जताई जा रही है। फ्रांस की संसद का कार्यकाल 2027 में खत्म होना था लेकिन यूरोपीय संघ में नौ जून को बड़ी हार मिलने के बाद राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने समय से पहले संसद भंग कर बड़ा जुआ खेला है। इस मध्यावधि चुनाव के परिणाम से यूरोपीय वित्तीय बाजारों, यूक्रेन के लिए पश्चिमी देशों के समर्थन और वैश्विक सैन्य बल एवं परमाणु शस्त्रागार के प्रबंधन के फ्रांस के तौर-तरीके पर काफी प्रभाव पड़ने की संभावना है।

ईरानी नौसेना का विध्वंसक पोत डूबाः सरकारी मीडिया

तेहरान। ईरानी नौसेना का एक विध्वंसक पोत उस समय डूब गया जब उसकी होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट एक बंदरगाह पर मरम्मत की जा रही थी। ईरान के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी (आईआरएनए) की खबर में कहा गया है कि मरम्मत के दौरान सहंद विध्वंसक पोत का संतुलन इसके कई टैंक में पानी घुसने के कारण बिगड़ गया। एजेंसी ने कहा कि पानी की गहराई कम होने के कारण विध्वंसक को दोबारा संतुलित स्थिति में लाना संभव है। एजेंसी ने बताया कि घायल लोगों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इससे अधिक जानकारी नहीं दी गई। सहंद पोत का नाम उत्तरी ईरान के एक पहाड़ के नाम पर रखा गया है। इस पोत को बनाने में छह साल लगे और दिसंबर 2018 में फारस की खाड़ी में इसका जलावतरण किया गया था।।,300 टन वजनी सहंत पोत सतह से सतह और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, विमान भेदी बैटरियों और परिष्कृत रडार और रडार से बचने की क्षमताओं से लैस था। इसके पहले जनवरी 2018 में एक नौसैनिक विध्वंसक दमावंद दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद कैस्पियन सागर में डूब गया था।

प्रसिद्ध अमेरिकी फिल्म निर्माता जॉन लैंडोउ का 62 वर्ष की उम्र में निधन

लॉस एंजिलिस। प्रसिद्ध अमेरिकी फिल्म निर्माता और ऑस्कर पुरस्कार विजेता जॉन लैंडोउ का निधन हो गया। वह 63 साल के थे। लैंडोउ ने निर्देशक जेम्स कैमरन के साथ मिलकर फिल्म टाइटैनिक और अवतार सीरीज पर काम किया था। डिज्नी एंटरटेनमेंट के सह-अध्यक्ष एलन बर्गमैन ने शनिवार को एक बयान जारी कर लैंडोउ के निधन की जानकारी दी। हालांकि, यह नही बताया कि मृत्यु किस कारण हुई। बर्गमैन ने कहा, जॉन दूरदर्शी थे, जिनकी असाधारण प्रतिभा और जुनून ने कुछ अविस्मरणीय कहानियों को बड़े पर्दे पर जीवंत कर दिया। फिल्म जगत मे उनके उल्लेखनीय योगदान ने एक अमिट छाप छोड़ी है और वह हमेशा हमारी यादों मे रहेंगे। वह एक प्रतिष्ठित और सफल निर्माता थे।

श्रीलंका में जुलाई के अंत तक राष्ट्रपति चुनाव की तारीख की घोषणा होगी

कोलंबो। श्रीलंका मे निर्वाचन आयोग इस महीने के अंत तक राष्ट्रपति चुनाव की तारीख का ऐलान कर देगा। आयोग ने रविवार को यह जानकारी दी। निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष आर.एम.ए.एल. रत्नायके ने कहा कि निर्वाचन आयोग को 17 जुलाई के बाद चुनाव की तारीख घोषित करने का कानूनी अधिकार होगा। आयोग ने मई मे कहा था कि राष्ट्रपति चुनाव 17 सितंबर से 16 अक्टूबर के बीच होगा। रत्नायके ने कहा कि निर्वाचन आयोग फिलहाल 2024 के चुनावी रजिस्टर को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया मे है, जो चुनाव का आधार होगा। अधिकारियों ने बताया कि संशोधित सूची के अनुसार एक करोड़ 70 लाख से अधिक मतदाता चुनाव में मतदान करने के पात्र होगे।

रानिल विक्रमसिंघे निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति चुनाव लड़ेंगे

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे राष्ट्रपति चुनाव एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे लड़ेंगे। विक्रमसिंघे के एक सहयोगी ने रविवार को यह जानकारी दी। न्यूज फर्स्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यूनाइटेड नेशनल पार्टी के उपाध्यक्ष रूवान विजयवर्धने ने पुष्टि की है कि राष्ट्रपति चुनाव निश्चित रूप से होगा और 75 वर्षीय विक्रमसिंघे एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप मे चुनाव लड़ेगे।समाचार पोर्टल ने उनके हवाले से कहा, केवल एक नेता के पास श्रीलंका के आर्थिक संकट को हल करने का ज्ञान है और वह है- रानिल विक्रमसिंघे। उन्होने अपने कार्यो से इसे साबित किया है। चुनाव आयोग के अध्यक्ष आर एम ए एल रत्नायके ने रविवार को कहा कि चुनाव आयोग को चुनाव की तारीख की घोषणा करने के लिए 17 जुलाई के बाद कानूनी रूप से अधिकार दिया जाएगा।रत्नायके ने कहा कि आयोग इस महीने के अंत से पहले अगले राष्ट्रपति चुनाव की तारीख की घोषणा करेगा। चुनाव आयोग ने मई मे कहा था कि राष्ट्रपति चुनाव 17 सितंबर से 16 अक्टूबर के बीच कराया जाएगा।

स्कॉटलैंड, उत्तरी आयरलैंड और वेल्स की सरकारों के साथ तालमेल बिठाने के लिए स्टॉर्मर प्रयासरत

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने स्कॉटलैड, उत्तरी आयरलैंड और वेल्स की सरकारों के साथ तालमेल बिठाने के लिए प्रयास कर रहे है। स्टॉर्मर असहमति को सहयोग मे बदलने के प्रयास मे एडिनबर्ग में स्कॉटलैंड के प्रथममंत्री जॉन स्विनी से मुलाकात करेंगे। उन्होने कहा, आज से इसकी शुरुआत प्रथम और उप-प्रथम मंत्रियो के साथ काम करने के लिए मेरी सरकार के दृष्टिकोण को तत्काल बदलने से हो रही है। उन्होने कहा, सम्मान पर केन्द्रित सार्थक सहयोग ब्रिटेन मे परिवर्तन लाने के लिए महत्वपूर्ण होगा। ब्रिटेन मे चार जुलाई को हुए आम चुनाव मे लेबर पार्टी ने ऐतिहासिक जीत हासिल की थी और केअर स्टॉर्मर नए प्रधानमंत्री बने।

ब्रिटेन के पूर्व पीएम सुनक का आकलन इतिहास उदारता से करेगा

भाषा। लंदन

ऋषि सुनक ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री के रूप में अपनी विदाई की बेला पर 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर लोगों को संबोधित करते हुए कहा, मैंने प्रधानमंत्री के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। संभवत: वह इसी रूप में इतिहास में दर्ज किए जाएंगे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का आधिकारिक अवास और कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बनने वाले भारतीय मूल के प्रथम व्यक्ति, प्रथम हिंदू नेता और प्रथम गैर-श्वेत व्यक्ति सुनक (44 वर्ष) के नेतृत्व में कंजर्वेटिव पार्टी ने अपने इतिहास में सबसे खराब चुनावी प्रदर्शन किया, लेकिन इसके बावजूद सुनक अपने पीछे एक विरासत छोड़ गए हैं। उनके ए शब्द कि, आधुनिक ब्रिटेन के बारे में सबसे उल्लेखनीय चीजों में से एक यह है कि शीर्ष पद के लिहाज से उनकी प्रवासी जड़ें कितनी गौण थीं, और यह बात न केवल 18 लाख भारतीय प्रवासियों बल्कि बहुत से अन्य लोगों को याद रहेगी। ब्रिटिश फ्यूचर थिंक टैंक के निदेशक सुंदर कटवाला कहते हैं कि उन्हें लगता है कि इतिहास ऋषि सुनक के आकलन के प्रति अपेक्षाकृत उदार रहेगा। टोरी सरकार के 12 वर्षों के बाद अक्टूबर 2022 में पदभार संभालने पर सुनक को विरासत में मिली उथल-पुथल पर विचार करते हुए कटवाल ने यह बात कही। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सुनक को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जाएगा जिसने बहुत ही कठिन आर्थिक, भू-राजनीतिक परिस्थितियों में चीजों को नियंत्रण में रखने के लिए कड़ी मेहनत की। और जो वास्तव में उनके पास नहीं था वह एक राजनीतिक नुस्खा था जिसके लिए जादू की छड़ी की आवश्यकता हो सकती थी, लेकिन उन्होंने कुछ हफ्तों के भीतर दो प्रधानमंत्रियों को खोने वाली सरकार की एक बहुत ही अराजक अवधि के बाद देश को एक बेहतर स्थिति में ला दिया। शेयर बाजार से जुड़े व्यवसाई और सहकर्मी लॉर्ड करण बिलिमोरिया ने कहा, मैं ऋषि को सचमुच एक दशक से जानता हूं, और मैं उन्हें और उनकी पत्नी अक्षता को बहुत पसंद करता हूं। वे शानदार लोग हैं, सभ्य लोग हैं। वह बहुत प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं, बहुत सक्षम व्यक्ति हैं। यह बहुत दुखद है कि हमारे पास शीर्ष पद पर एक भारतीय के होने की यह ऐतिहासिक उपलब्धि है। हालांकि वह अपनी पार्टी को कई दशकों में मिली सबसे बड़ी हार के साथ विदा हो रहे हैं - यह कोई गर्व की स्थिति नहीं है।

इजराइल में प्रदर्शनकारियों ने मार्गों को अवरुद्ध किया

भाषा। तेल अवीव

गाजा में युद्ध शुरू होने के नौ महीने पूरे होने पर इजराइल के प्रदर्शनकारियों ने रविवार को देशभर में राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से पद छोड़ने की मांग की।प्रदर्शनकारियों ने संघर्ष विराम का आह्वान किया ताकि हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को वापस लाया जा सके। ए प्रदर्शन ऐसे समय में हो रहे हैं जब अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों ने समझौते के लिए नए सिरे से प्रयास शुरू कर दिए हैं। मिस्र और हमास के अधिकारियों ने एसोसिएटेड प्रेस से कहा कि सप्ताहांत में हमास ने युद्ध समाप्त करने के लिए इजराइल की प्रतिबद्धता की प्रमुख मांग छोड़ दी है। इससे नवम्बर के बाद पहली बार लड़ाई रुक सकती है तथा आगे की वार्ता के लिए मंच तैयार हो सकता है। पिछले साल सात अक्टूबर को सीमा पार से हुए हमले के बाद फलस्तीनी उग्रवादी समूह द्वारा शुरू किए गए युद्ध में।,200 लोग मारे जा चुके हैं और 250 अन्य को बंधक बनाया गया है। क्षेत्र के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल के जवाबी हवाई और जमीनी हमले में 38 हजार से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य सड़कों को अवरुद्ध कर दिया और इजराइल की संसद के सदस्यों के घरों के बाहर प्रदर्शन किया।इस बीच गाजा में लड़ाई जारी रही, रातभर और रविवार तड़के तक इजराइली हमलों में नौ फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई। अल-अक्सा मार्टियर्स अस्पताल के अनुसार, मध्य गाजा के जवैदा कस्बे में एक घर पर हमला होने से छह फलस्तीनी मारे गए। गाजा पट्टी के हमास से जुड़े नागरिक सुरक्षा संगठन ने बताया कि रविवार को तड़के एक और इजराइली हवाई हमला गाजा शहर के पश्चिम में एक घर पर हुआ, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई।

बाइडन एक-दो दिन में करेंगे फैसला कि चुनावी दौड़ में बने रहना है या नहीः हवाई के गवर्नर

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और अन्य राज्यों के गवर्नर के साथ हाल में एक बैठक में भाग लेने वाले हवाई के गवर्नर जोश ग्रीन ने कहा कि बाइडन एक-दो दिन में यह फैसला कर लेंगे कि उन्हें राष्ट्रपति पद के चुनावी मुकाबले में बने रहना है या नहीं।ग्रीन ने शनिवार को द एसोसिएटेड प्रेस से कहा कि उनका मानना है कि यदि बाइडन चुनावी दौड़ से बाहर होने का फैसला करते हैं तो वह चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर अपने स्थान पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को नामित करेंगे।उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्रपति को यह लगता है कि वह वास्तव में चुनाव जीत नहीं पाएंगे तो वह दौड़ से बाहर हो जाएंगे।ग्रीन ने कहा, हमें संभवत: एक-दो दिन में पता चल जाएगा कि राष्ट्रपति का क्या विचार है। बाइडन ने कई बार कहा है कि वह राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के अपने प्रतिद्वंद्वी एवं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ मुकाबले में बने रहेंगे।

शरीर की देखभाल के लिए अपनाएं पौष्टिक आहार

न्यूयार्क। ऑर्म्सकिर्क

जब सेहतमंद रहने की बात आती है, तो पौष्टिक आहार उन सबसे अच्छी चीजों में से एक है जिसे आप अपने शरीर की देखभाल के लिए अपना सकते हैं। यदि आप अधिक पौष्टिक भोजन करना चाहते हैं, लेकिन यह नहीं जानते कि कैसे, तो यहां कुछ आसान बदलाव सुझाए गए हैं, जिन्हें आपनाने से आपके स्वास्थ्य को लाभ होगा। 1. साहसी बनें बहुत सारे असामान्य या अपरंपरागत खाद्य पदार्थ जो आपके आहार का सामान्य हिस्सा नहीं हो सकते हैं, पोषक तत्वों और सूक्ष्मजीवों से भरे होते हैं जिनके कई स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं। उदाहरण के लिए समुद्री सब्जियां। ए हजारों वर्षों से अस्तित्व में हैं और पारंपरिक एशियाई और तटीय संस्कृतियों में मुख्य भोजन हैं। ए सब्जियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं और इनमें एंटीऑक्सिडेंट (ऐसे अणु जो शरीर में हानिकारक फ्री रेडिकल्स को बेअसर करते हैं), आवश्यक फैटी एसिड, फाइबर, आयोडीन और प्रोटीन होते हैं जो भूमि में उपजाए गए खाद्य पदार्थों में नहीं पाए जाते हैं। पनपने की अनोखी परिस्थितियों और समुद्री सब्जियों के जैविक अनुकूलन के कारण उनमें एक विशिष्ट पोषक तत्व का निर्माण होता है जो उन्हें एक मूल्यवान आहार बनाता है। समुद्री सब्जियों के कुछ लाभों में कैंसर से बचाव और उनका एंटीवायरल होना, रक्त के थक्के बनने से रोकना, कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करना और एंटीऑक्सीडेंट गुण से युक्त होना शामिल है। समुद्री सब्जियों का सेवन हृदय रोग और गैर-अल्कोहल फैटी लीवर जैसे रोग से बचा सकता है। शैवाल जैसी कुछ समुद्री सब्जियों को उनके स्वाद और स्वास्थ्य लाभों को बढ़ाने के लिए अन्य खाद्य पदार्थों में मिलाया जा सकता है। शोध से पता चलता है कि चेडर चीज और टोस्टेड ब्रेड जैसे खाद्य पदार्थों में शैवाल मिलाना प्रोटीन सामग्री बढ़ाने का एक शानदार तरीका है। नील-हरित शैवाल स्पिरुलिना विशेष रूप से फायदेमंद है जो विटामिन, खनिज, एंटीऑक्सिडेंट और प्रोटीन से भरपूर होता है। यहां तक कि अंतरिक्ष अभियानों में नासा के अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा पूरक आहार के रूप में भी इसका उपयोग किया जाता है। इसी तरह कड़वे साग जैसे डेंडिलियन, चुकंदर और सरसों का साग - सभी पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और इनमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं।

बादाम व हल्दी इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए जरूरी

मैक्स हेल्थकेयर में क्लीनिकल न्यूट्रिशन और डायटेटिक्स विभाग की रीजनल हेड रितिका समद्दर आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने और स्वस्थ रहने के लिए इन पाँच खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल करने की सलाह देती हैं अपने दैनिक आहार में बादाम को शामिल करना फ़ायदेमंद है क्योंकि वे विटामिन ईए एंटीऑक्सिडेंट और स्वस्थ वसा से भरपूर होते हैं। हल्दी अपने मज़बूत एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गुणों के लिए जानी जाती है। एंटीऑक्सीडेंट और पॉलीफेनॉल से भरपूरए ग्रीन टी कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती है, जिसमें प्रतिरक्षा को बढ़ावा देनाए शरीर को डिटॉक्सीफाई करना, त्वचा की सूजन को कम करना और स्वस्थ चयापचय का समर्थन करना शामिल है। दही प्रोबायोटिक्स का एक बेहतरीन स्रोत है, जो आंत के वनस्पतियों के स्वस्थ संतुलन को बनाए रखकर आंत के स्वास्थ्य का समर्थन करता है। विटामिन सी,विटामिन , और पापेन जैसे पाचन एंजाइमों से भरपूरए पपीता पाचन में सहायता करता हैए त्वचा के स्वास्थ्य को बढ़ाता है और प्रतिरक्षा कार्य का समर्थन करता है। इन पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को अपने दैनिक भोजन में शामिल करने से आपको समग्र स्वास्थ्य बनाए रखने और अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद मिल सकती है, विशेष रूप से बदलते मौसम के दौरान।

अभिषेक का शतक, भारत ने बराबर किया हिसाब

दूसरे टी-20 में जिम्बाब्वे को 100 रनो हराया, श्रृंखला 1-1 से बराबरी पर

भाषा। हरारे

भारतीय टीम ने युवा खिलाड़ी अभिषेक शर्मा की 47 गेंद में 100 रन की शानदार शतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से रविवार को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जिम्बाब्वे पर 100 रन की जीत से पांच मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की। बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण पहले मैच में मिली 13 रन की हार से वापसी करते हुए भारत ने अभिषेक के आठ छक्के और सात चौके जड़ित शतक से रविवार को टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए दो विकेट पर 234 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत का सर्वोच्च स्कोर है, इससे पहले सर्वोच्च स्कोर 186 रन का था। भारत ने फिर मुकेश कुमार (37 रन देकर तीन विकेट), आवेश खान (15 रन देकर तीन विकेट) और रवि बिश्नोई (11 रन देकर दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी से जिम्बाब्वे को 18.4 ओवर में 134 रन पर समेट दिया। भारत ने इस तरह टी20 में जिम्बाब्वे के खिलाफ सबसे बड़े अंतर से जीत हासिल की। जिम्बाब्वे के लिए सलामी बल्लेबाज वेस्ले माधेवेरे ने 43 रन, ल्यूक जोंगवे ने 33 रन और ब्रायन बेनेट ने 26 रन की पारी खेली। इनके अलावा जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कैंपबेल के बेटे जोनाथन कैंपबेल (10 रन) ही दोहरे अंक में पहुंचे। पिछले मैच में पदार्पण के दौरान चार गेंद में शून्य पर आउट होने वाले अभिषेक ने सूझबूझ से खेलते हुए रूतुराज गायकवाड़ (47 गेंद में नाबाद 77 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी निभाई। इन दोनों के अलावा रिंकू सिंह ने 22 गेंद में पांच छक्के जड़ित नाबाद 48 रन की पारी खेली। गायकवाड़ और रिंकू ने तीसरे विकेट के लिए नाबाद 87 रन की भागीदारी निभाई। वेलिंगटन मास्कादज़ा और ब्लेसिंग मुजराबानी को एक एक विकेट मिला। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में छक्के जड़ने वाले सबसे शानदार खिलाड़ी अभिषेक को 27 रन पर जीवनदान मिला जब मास्कादज़ा ने ल्यूक जोंगवे की गेंद पर उनका कैच छोड़ दिया। इसके बाद इस भारतीय बल्लेबाज ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अभिषेक ने अपने अंतरराष्ट्रीय रन का खाता ऑफ स्पिनर ब्रायन बेनेट की गेंद पर छक्का लगाकर खोला। उन्होंने डियोन मेयर्स की गेंद पर स्क्वायर के पीछे छक्का जड़कर अर्धशतक पूरा किया।

स्कोरबोर्ड

भारत : अभिषेक का मेयर्स बो मास्कादज़ा 100, गिल का बेनेट बो मुजारबानी 02, गायक्वाड़ नाबाद 77 ,रिंकू नाबाद 48,**अतिरिक्त** : 07 ,कुल योग : 20 ओवर में दो विकेट पर 234 रन,**विकेट पतन** :1-10, 2-147,**गेंदबाजी** : बेनेट 2-0-22-0,मुजारबानी 4-1-30-1, चतारा 4-0-38-0, रजा 3-0-34-0, जोंग्वे 4-0-53-0,मेयर्स1-0-28-0,मास्कादज़ा 2-0-29-1

जिम्बाब्वे : काइया बो मुकेश 04, माधेवेरे बो रवि बिश्नोई 43 , बेनेट बो मुकेश 26,डायन मेयर्स का रिंकू बो आवेश 00, रजा का जुरेल बो आवेश 04, कैम्पबेल का बिश्नोई बो वाशिंगटन सुंदर 10, मडांडे पगबाधा बो रवि बिश्नोई 00,मास्कादज़ा रन आउट 01, जोंगवे का गायक्वाड़ बो मुकेश 33, मुजारबानी का वाशिंगटन सुंदर बो आवेश 02,चतारा नाबाद 00,**अतिरिक्त** : 11,**कुल योग** : 18.4 ओवर में 134 रन पर सभी आउट **विकेट पतन** :1-4, 2-40, 3-41, 4-46, 5-72, 6-73, 7-76, 8-117, 9-123,**गेंदबाजी** : मुकेश 3.4-0-37-3,अभिषेक 3-0-36-0,आवेश 3-0-15-3, बिश्नोई 4-0-11-2, सुंदर 4-0-28-1, पराग1-0-5-0

बारिश ने फेरा भारत और दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदों पर पानी

दूसरे महिला टी20 मे भारत के खिलाफ छह विकेट पर 177 रन बनाए

भाषा। चेन्नई

भारत की तीन मैच की श्रृंखला में वापसी करने और दक्षिण अफ्रीका की अजेय बढ़त बनाने की उम्मीदों पर बारिश ने पानी फेर दिया जिसके कारण इन दोनों टीम के बीच दूसरा महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच रविवार को यहां रद्द करना पड़ा।दक्षिण अफ्रीका ने पहला मैच 12 रन से जीता था और इस तरह से वह तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 से आगे है। तीसरा और अंतिम मैच मंगलवार को इसी मैदान पर खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद तेजमिन ब्रिट्स के लगातार दूसरे अर्धशतक की मदद से छह विकेट पर 177 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।भारत पारी शुरू होने से पहले ही बारिश आ गई जो थमी नहीं और अंपायरों ने आखिर में स्थानीय समयानुसार रात 10 बजकर पांच मिनट पर मैच रद्द करने की घोषणा की।इससे पहले ब्रिट्स ने शुरू में मिले जीवनदान का फायदा उठाकर 39 गेंद पर 52 रन बनाए जिसमें छह चौके और एक छक्का शामिल है। उनके अलावा अन्नेका बोश ने 32 गेंद पर छह चौकों की मदद से 40 रन का योगदान दिया। भारत की तरफ से अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा (20 रन देकर दो विकेट) और पूजा वस्त्राकर (37 रन देकर दो विकेट) सबसे सफल गेंदबाज रहीं।ऑफ स्पिनर सजीवन सजना ने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका की जीत की नायिका रही ब्रिट्स को टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला मैच खेल रही उमा छेत्री के हाथों स्टंप आउट करा दिया था लेकिन भारतीय विकेटकीपर ने गेंद को स्टंप के आगे से पकड़ा था जिससे यह नोबॉल हो गई और दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज को जीवनदान मिल गया। ब्रिट्स ने इस ओवर में तीन चौके लगाए जबकि कप्तान लौरा वुलफार्ट (12 गेंद पर 22 रन) ने अरुंधति रेड्डी के अगले ओवर में लगातार तीन चौके जड़े। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 25 गेंद पर 43 रन की साझेदारी की।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान ने 17 अरब रु आवंटित किए

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले कराची, लाहौर और रावलपिंडी में अपने स्टेडियमों की मरम्मत के लिए लगभग 17 अरब रुपए आवंटित किए। पीसीबी के संचालन बोर्ड ने शनिवार को लाहौर में हुई बैठक में यह राशि मंजूर की, जिसमें महिला क्रिकेट पर खर्च के लिए 24 करोड़ रुपए भी आवंटित किए गए। पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नक्वी ने बोर्ड के सदस्यों को यह भी बताया कि चैम्पियंस ट्रॉफी पूरी तरह से पाकिस्तान में आयोजित की जाएगी और इस महीने के अंत में कोलंबो में होने वाली आईसीसी की वार्षिक बोर्ड बैठक में इस पर आगे चर्चा की जाएगी।

राष्ट्रीय टीम के किसी खिलाड़ी पर सवाल नहीं उठने चाहिए: गिलेस्पी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी ने रविवार को स्पष्ट किया कि वह फिटनेस से किसी भी तरह से समझौता नही करेंगे और यह साबित करना खिलाड़ियों की जिम्मेदारी होगी कि वे राष्ट्रीय टीम के लिए क्यों महत्वपूर्ण है।पाकिस्तान पहुंचने के कुछ देर बाद ही ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज गिलेस्पी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एक बार जब खिलाड़ी को राष्ट्रीय टीम के लिए चुना जाता है तो फिर उसकी फिटनेस, कौशल और मानसिक रवैए को लेकर सवाल नही उठने चाहिए।गिलेस्पी ने कहा, राष्ट्रीय टीम वह जगह नही है जहां आप किसी खिलाड़ी के महत्व पर सवाल उठाएं। अगर किसी खिलाड़ी के स्थान को लेकर कोई धारणा है तो उसे अपने प्रदर्शन और रवैए से इसे बदलना होगा। उन्होंने कहा, मेरा मंत्र है कि टेस्ट टीम में फिट, मजबूत और सशक्त खिलाड़ी होने चाहिए क्योंकि आधुनिक क्रिकेट में किसी भी प्रारूप में फिटनेस बेहद महत्वपूर्ण होती है।

क्रिकेट कोच के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत, केसीए से स्पष्टीकरण मांगा

तिरुवनंतपुरम। केरल राज्य मानवाधिकार आयोग ने खुद ही संज्ञान लेकर रविवार को केरल क्रिकेट संघ (केसीए) के एक पूर्व कोच के खिलाफ युवा महिला खिलाड़ियों के साथ कथित छेड़छाड़ की घटना में मामला दर्ज किया।आयोग ने लड़कियों द्वारा लगाए गए आरोपो और ऐसी घटनाओ को लेकर केसीए को नोटिस भेज कर स्पष्टीकरण मांगा है।आधिकारिक बयान के अनुसार पैनल ने मीडिया रिपोर्ट के आधार पर इस मामले मे खुद ही संज्ञान लिया और आरोपी कोच के खिलाफ मामला दर्ज किया।आरोपी मनु पिछले 10 वर्षों से केसीए में कोच था। बयान मे कहा गया है कि उसे पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत रिमांड पर लिया गया है।

नाइट राइडर्स ने जेमिमा और शिखा से करार किया

नई दिल्ली। ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने महिलाओ की कैरेबियाई प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) के आगामी सत्र के लिए अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के तौर पर भारत की स्टार खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स और शिखा पांडे से करार किया।आस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग और जेस जोनासन भी करार करने वाली उसकी दो अंतरराष्टीय खिलाड़ी है। फ्रेंचाइजी ने 2024 सत्र के लिए अपने रिटेन खिलाड़ियों और नए खिलाड़ियों से करार की घोषणा करते हुए कहा, टीम में चार नई खिलाड़ियों को शामिल किया गया है जिससे टीम में अनुभव शामिल होगा। इस साल डब्ल्यूसीपीएल 21 से 29 अगस्त तक खेली जाएगी।

रोहित की कप्तानी में चैंपियन्स ट्रॉफी और डब्ल्यूटीसी फाइनल दोनों जीतने की उम्मीद: शाह

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने रविवार को कहा कि टी20 विश्व चैंपियन टीम के कप्तान रोहित शर्मा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट भारत की अगुआई जारी रखेंगे। उन्होंने साथ ही भरोसा जताया कि भारत उनकी कप्तानी में अगले साल होने वाली चैंपियन्स ट्रॉफी और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) जीतेगा। कपिल देव और महेंद्र सिंह धोनी के बाद आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बने रोहित ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। शाह ने एक वीडियो संदेश में कहा, अगला चरण डब्ल्यूटीसी फाइनल और चैंपियन्स ट्रॉफी है। मुझे रोहित शर्मा की कप्तानी पर पूरा भरोसा है कि हम इन दोनों टूर्नामेंट में चैंपियन बनेंगे। अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियन्स ट्रॉफी का आयोजन आठ साल बाद (ब्रिटेन में 2017 के बाद से) किया जाएगा। इस टूर्नामेंट के कार्यक्रम का मसौदा आईसीसी को सौंपा जा चुका है लेकिन बीसीसीआई ने अब तक इसे हरी झंडी नहीं दी है। समझा जा रहा है कि बीसीसीआई 2023 एकदिवसीय एशिया कप की तरह हाईब्रिड मॉडल लागू करने पर जोर देगा। इस मॉडल के तहत भारत ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले सहित अपने सभी मै श्रीलंका में खेले थे। शाह के इस संदेश ने इन अटकलों पर विराम लग गया है कि क्या रोहित अन्य प्रारूपों में कप्तान की भूमिका छोड़ेंगे? रोहित जब तक कप्तानी नहीं छोड़ते तब तक भारत को एक बार फिर अलग-अलग प्रारूपों में दो कप्तान देखने को मिलेंगे। रोहित एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट में अगुआई करते रहेंगे जबकि हार्दिक पंड्या के टी20 प्रारूप में कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने की उम्मीद है। रोहित की अगुआई में भारत ने पिछले साल डब्ल्यूटीसी और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप के फाइनल में भी जगह बनाई थी। भारत लगातार 10 मैच जीतने के बाद एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गया था।

भारत के खिलाफ घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगा जिम्बाब्वे: मसाकाद्ज़ा

नई दिल्ली। शुभमन गिल की अगुआई वाली भारतीय टीम को पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में हराने में अहम भूमिका निभाने वाले जिम्बाब्वे के स्पिनर वेलिंगटन मसाकाद्ज़ा ने कहा है कि मेहमान टीम को अपने जोखिम पर मेजबान टीम को हल्के में लेना चाहिए और वे पांच मैचों की श्रृंखला जीतने के लिए घरेलू परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।तीन ओवर में 15 रन देकर एक विकेट चटकाने वाले मसाकाद्ज़ा ने प्रसारणकर्ता सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क द्वारा कराए साक्षात्कार में पीटीआई वीडियो से कहा, हम इस भारतीय टीम के खिलाफ जितना संभव हो सके अपनी परिस्थितियों का उतना फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। यह दूसरे दर्जे की भारतीय टीम है लेकिन इसमें कई अच्छे खिलाड़ी हैं। इसलिए हम इस श्रृंखला को लेकर उत्सुक हैं। शनिवार को आवेश खान को आउट करने वाले मसाकाद्ज़ा ने कहा कि अब उनकी नजर कप्तान शुभमन गिल के विकेट पर है।उन्होंने कहा, मैं शुभमन गिल का बड़ा विकेट लेने और कुछ दाएं हाथ के बल्लेबाजों, (रियान) पराग और टीम के कुछ अन्य खिलाड़ियों को आउट करने की कोशिश करूंगा।

एंडरसन गेंदबाजी कला के दीवाने हैं: स्टुअर्ट ब्रॉड

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने लंबे समय तक अपने साथी रहे जेम्स एंडरसन की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें गेंदबाजी कला का दीवाना करार दिया।एंडरसन इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच 10 जुलाई से लॉर्ड्स में होने वाले पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। उन्होंने अब तक 187 टेस्ट मैच में 700 विकेट लिए हैं।ब्रॉड ने द टाइम्स में अपने कॉलम में लिखा, उसे गेंदबाजी करने की लय, अपने एक्शन की तकनीक पर नियंत्रण रखना पसंद है फिर चाहे वह स्विंग, इनस्विंग, सीम किसी तरह की गेंदबाजी कर रहा हो। उन्होंने कहा, जब आप लंबे समय तक खेलने वाले पेशेवर खिलाड़ियों की बात करते हैं तो उनकी अनुशासित दिनचर्या और समर्पण की बात करते हैं।

अल्काराज विम्बलडन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

स्वियातेक हारी,जोकोविच प्री क्वार्टर फाइनल में

भाषा। लंदन

गत विम्बलडन चैम्पियन कार्लोस अल्काराज ने रविवार को यहां सेंटर कोर्ट पर उगो हम्बर्ट पर 6-3, 6-4, 1-6, 7-5 की जीत से आल इंग्लैंड क्लब में क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। अब अल्काराज का सामना टॉमी पॉल और रोबर्टो बतिस्ता ऑगुट के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। अल्काराज ने मैच खत्म होने के बाद कहा, मुझे लगता है कि मैं आज अच्छा खेला और मैंने काफी ऊंचे स्तर का खेल दिखाया। महिलाओं के वर्ग में फ्रेंच ओपन उप विजेता जैस्मीन पाओलिनी अपने पहले विम्बलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई क्योंकि चौथे दौर के तीसरे सेट में मेडिसन कीज पैर की चोट के कारण रिटायर हो गईं, तब स्कोर 5-5 था। इटली की खिलाड़ी जैस्मीन ने पहला सेट 6-3 से जीता था जबकि 2017 यूएस ओपन की उप विजेता कीज ने दूसरा सेट 7-6 से अपने नाम किया था। जैस्मीन इस तरह पेशेवर युग में विम्बलडन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली इटली की पांचवीं महिला खिलाड़ी बनीं और अब वह सेमीफाइनल में पहुंचने वाली इटली की पहली खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगी। जैस्मीन का सामना कोको गॉफ और एम्मा नावारो के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा। इससे पहले सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए शनिवार को यहां एलेक्सेई पोपिरिन को चार सेट में हराकर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जबकि महिला एकल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ईगा स्वियातेक को शिकस्त का सामना करना पड़ा। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के जोकोविच ने पोपिरिन को 4-6, 6-3, 6-4, 7-6 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

पेरिस डायमंड लीग : साबले ने अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

जेना आठवें स्थान पर रहे

भाषा। पेरिस

अविनाश साबले ने रविवार को यहां पेरिस में डायमंड लीग प्रतियोगिता में आठ मिनट 9.91 सेकेंड का समय निकालकर छठे स्थान पर रहकर 3000 मीटर स्टीपलचेस में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर दिखाया कि वह पेरिस ओलंपिक से पहले से पहली सही समय पर लय में आ रहे हैं। 29 वर्षीय साबले ने 8:11.20 सेकेंड का अपना पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया जो उन्होंने 2022 में बनाया था। इस तरह उन्होंने डेढ़ सेकेंड से बेहतर समय निकाला। इथियोपिया के अब्राहम सिमे 8:02.36 के समय से कीनिया के अमोस सेरेम ((8:02.36) से फोटो फिनिश में पहले स्थान रहे। कीनिया के अब्राहम किबिवोट 8:06.70 के समय से तीसरे स्थान पर रहे। साबले ने दो साल पहले बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था और वह इसे तोड़ने में सफल रहे। यह उनका 10वां राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाला प्रदर्शन रहा। वहीं पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में ओलंपिक दल के सदस्य किशोर जेना का संघर्ष जारी रहा और वह 78.10 मीटर के प्रयास से आठवें स्थान पर रहे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 87.54 मीटर है और सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 80.84 मीटर है। पिछले साल एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाले जेना का इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 76.31 मीटर और फेडरेशन कप में 75.49 मीटर का थ्रो लगाया था। मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैम्पियन भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा में जांघ की समस्या के कारण इस प्रतियोगिता में नहीं खेलने का फैसला किया था।

भारतीय कोच के रूप में देश में रग्बी को लेकर जागरूकता पैदा करना चाहते हैं सेरेवी

मुंबई। फिजी के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी और अब भारत के कोच वेसाले सेरेवी ने देश में रग्बी को लेकर जागरूकता पैदा करने को अपना पहला लक्ष्य बनाया है। हॉल ऑफ फेम में शामिल 56 साल के सेरेवी को भारत की पुरुष और महिला सेवेन्स रग्बी टीम का मुख्य कोच बनाया गया है। सेरेवी ने पीटीआई से विशेष बातचीत के दौरान कहा, मैं सामान्यत: दुनिया के इस हिस्से में, एशिया में, रग्बी पर ध्यान नहीं देता। लेकिन मैंने दुनिया के इस हिस्से में टीमों को रग्बी खेलते हुए देखा है। उन्होंने कहा, हां, भारत में रग्बी के बारे में शायद पांच प्रतिशत आबादी जानती है - यही वह चीज है जिस पर हम इस समय काम करने की कोशिश कर रहे हैं। हम रग्बी के बारे में जागरूकता लाने की कोशिश कर रहे हैं। सेरेवी ने कहा, आप नंबर दो, तीन, चार, पांच को भूलकर नंबर 12 पर नहीं जा सकते। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात रग्बी के बारे में जागरूकता फैलाना है। परिणाम तो वैसे भी आएंगे। हर बड़ी चीज एक छोटी चीज से शुरू होती है। यहां आने से पहले उन्हें भारत का कोई अनुभव नहीं था लेकिन सेरेवी ने राष्ट्रीय टीमों में पहले से मौजूद प्रतिभाओं को पहचानने में तेजी दिखाई लेकिन साथ ही उन्होंने उन प्रतिभाओं को भी पहचानने पर जोर दिया जिनके बारे में कोई नहीं जानता।

एल्ड्रिन और अंकिता ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली। लंबी कूद के एथलीट जेस्विन एल्ड्रिन और 5000 मीटर धावक अंकिता ध्यानी ने रविवार को विश्व रैंकिंग कोटे के जरिए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया जिससे भारतीय एथलेटिक्स टीम में सदस्यों की संख्या बढ़कर 30 हो गई। लंबी कूद के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी एल्ड्रिन और अंकिता का नाम विश्व एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) द्वारा प्रकाशित नवीनतम सूची में शामिल है। राष्ट्रीय महासंघों ने अंतरराष्ट्रीय संस्था को अपने उन एथलीटों के बारे में सूचित किया जो कट बनाने के बावजूद विभिन्न कारणों से पेरिस में प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। इसी तरह का उदाहरण भारत के शीर्ष लंबी कूद के एथलीट एम श्रीशंकर का है, जिन्हें 8.27 मीटर के क्वालिफिकेशन मानक से सीधे प्रवेश करने के बावजूद चोट के कारण खेलों से बाहर होना पड़ा। एल्ड्रिन सूची में 31वें स्थान पर हैं, जबकि 32 खिलाड़ी ओलंपिक में पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा में भाग लेंगे। अंकिता को 42वें स्थान पर रखा गया जो अंतिम रैंकिंग स्थान है। दो जुलाई को दोनों ही क्वालीफिकेशन ब्रैकेट से बाहर थे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के एक शीर्ष अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि दोनों को भारतीय टीम में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा, हां, ए दोनों विश्व रैंकिंग के जरिए सूची में शामिल हुए हैं और उन्हें ओलंपिक के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाएगा। भारतीय एथलेटिक्स के मुख्य कोच राधाकृष्णन नायर ने चार जुलाई को 28 सदस्ईय टीम की घोषणा के बाद कहा था कि राष्ट्रीय महासंघ की चयन समिति ने फैसला किया है कि जो भी बाद में पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई करेगा, उसे टीम में शामिल किया जाएगा।

क्विक न्यूज

अभय ने एशियाई डबल्स स्क्वाश में दो स्वर्ण पदक जीते

जोहोर (मलेशिया)। प्रतिभाशाली स्क्वाश खिलाड़ी अभय सिंह ने रविवार को यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई डबल्स स्क्वाश चैम्पियनशिप में दोहरे खिताब हासिल किए। एशियाई खेलों में टीम चैम्पियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता अभय ने वेलावन सेंथिलकुमार के साथ मिलकर पुरुष युगल खिताब जीता। इसके बाद अभय ने अनुभवी जोशना चिनप्पा के साथ मिलकर मिश्रित युगल फाइनल में फतह हासिल की। अभय और वेलावन की शीर्ष वरीय जोड़ी ने पुरुष युगल फाइनल में मलेशिया के ओंग साई हुंग और सियाफिक कमाल की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को 11-4, 11-5 से शिकस्त दी। इसके बाद अभय और जोशना की तीसरी वरीय जोड़ी ने टोंग सेज विंग और टांग मिंग होंग की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को मिश्रित युगल फाइनल में 11-8, 10-11, 11-5 से हराया। वेलावन ने एक विज्ञप्ति में कहा, मैं अभय के लिए बहुत खुश हूं जिन्होंने इस हफ्ते इतना शानदार प्रदर्शन किया। हमें पूरा भरोसा था और हम बेहतर होते रहे। इस साल पद्म श्री पुरस्कार पाने वाली जोशना ने कहा, भारत के लिए फिर से खेलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि मै घुटने की सर्जरी के कारण पिछले पांच महीनों से खेल से दूर थी

कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में हारे राजावत

कैलगेरी। प्रियांशु राजावत को यहां पुरुष एकल सेमीफाइनल मे फ्रांस के एलेक्स लेनियर के खिलाफ सीधे गेम मे हार का सामना करना पड़ा जिससे कनाडा ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट मे भारत का अभियान खत्म हो गया।दुनिया के 39वें नंबर के खिलाड़ी राजावत को दुनिया के 37वे नंबर के खिलाड़ी लेनियर के खिलाफ 45 मिनट मे 17-21 10-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी।राजावत ने इससे पहले दोनों खिलाड़ियों के बीच एकमात्र मुकाबले में मैड्रिड स्पेन मास्टर्स के क्वालीफिकेशन में लेनियर को हराया था। क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन को हराने वाले राजावत ने मुकाबले मे सकारात्मक शुरुआत करते हुए 3-0 की बढ़त बनाई लेकिन लेनियर वापसी करते हुए 7-4 से आगे हो गए।कड़े मुकाबले के बीच राजावत ने कुछ मौको पर बढ़त बनाई लेकिन वह विरोधी के दबाव का सामना नही कर पाए जिसने 15-16 के स्कोर पर लगातार पांच अंक के साथ गेम प्वाइंट हासिल किया और फिर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम मे लेनियर शुरू से ही हावी रहे। उन्होंने 8-2 की बढ़त बनाई और फिर इसे 14-3 किया जिसके बाद फ्रांस के इस खिलाड़ी को गेम और मैच जीतने में कोई परेशानी नही हुई।

पनामा को रौंदकर कोलंबिया कोपा अमेरिका के सेमीफाइनल में

ग्लेनडेल (एरिजोना)। कोलंबिया ने दबदबा बनाते हुए कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में शनिवार को यहां पनामा को 5-0 से रौंदकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस जीत के साथ कोलंबिया ने अपने अजेय अभियान को 27 मैच तक पहुंचा दिया। जॉन कोरडोवा ने आठवें मिनट में जेम्स रोड्रिग्ज की कॉर्नर किक पर हैडर से गोल दागकर कोलंबिया को 1-0 की बढ़त दिलाई। रोड्रिग्ज ने 10 मिनट के भीतर पेनल्टी किक पर एक और गोल दागकर अपनी टीम को 2-0 से आगे किया।लुई डियाज ने रोड्रिग्ज के पास पर गोल दागकर कोलंबिया की बढ़त 3-0 की। मध्यांतर तक कोलंबिया की टीम 3-0 से आगे थी। दूसरे हाफ में 70वें मिनट में रिचर्ड रायोस और फिर मिगुएल बोर्जा ने इंजरी टाइम में पेनल्टी किक पर गोल करके कोलंबिया की 5-0 से जीत सुनिश्चित की।

उरुग्वे ने पेनल्टी शूट आउट में ब्राजील को 4-2 से हराया, कोपा अमेरिका के सेमीफाइनल में

लास वेगास। मैनुएल उगार्ते ने पांचवी और अंतिम पेनल्टी किक पर गोल दागा जिससे उरुग्वे ने शनिवार को यहां ब्राजील को 4-2 से हराकर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित की।दोनो ही टीमें निर्धारित समय और फिर अतिरिक्त समय में भी गोल करने में नाकाम रही। इस मुका बले में 41 फाउल हुए जो टूर्नामेंट के किसी मुकाबले में सर्वाधिक है। इस दौरान सिर्फ चार शॉट ही गोल की तरफ मारे गए। उरुग्वे के नाहिटन नांदेज को रोड्रिगो के खिलाफ खतरनाक टैकल के लिए 74वें मिनट में लाल कार्ड दिखाकर बाहर किया गया लेकिन ब्राजील की टीम विरोधी टीम के 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने का फायदा नही उठा सकी। शूट आउट में गोलकीपर सर्जियो रोशेट ने एडेर मिलिताओ का शॉट रोका जबकि डगलस लुई की पेनल्टी किक गोल पोस्ट से टकराई जिससे उरुग्वे ने 3-1 की बढ़त दिलाई गोलकीपर एलिसन बेकर ने चौथे प्रयास में उरुग्वे के जोस मारिया गिमिनेज की पेनल्टी किक रोककर ब्राजील को मुकाबले में बनाए रखा लेकिन अगले प्रयास मे उगार्ते ने गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की।

पेनल्टी शूट आउट में स्विट्जरलैंड को हराकर इंग्लैंड यूरो 2024 सेमीफाइनल में

डसेलडोर्फ (जर्मनी)। इंग्लैंड ने शनिवार को यहां पेनल्टी शूट आउट मे स्विट्जरलैंड को हराकर यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अतिरिक्त समय के बाद भी मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद इंग्लैंड ने शूट आउट मे 5-3 से जीत दर्ज की। ट्रेंट एलेक्जेंडर-आर्नोल्ड ने जैसे ही इंग्लैंड की ओर से पांचवी और अंतिम पेनल्टी किक को गोल में पहुंचाया तो टीम के खिलाड़ी और प्रशंसक खुशी से झूम उठे। वर्ष 2021 मे यूरो के फाइनल मे बुकायो साका की पेनल्टी किक बचाए जाने के कारण इंग्लैंड को हार का सामना करना पड़ा था लेकिन शनिवार को उन्होने भी शूट आउट मे गोल दागा। इससे पहले उन्होंने 80वें मिनट मे गोल दागकर मुकाबले को अतिरिक्त समय मे खीचा था। एलेक्जेंडर-आर्नोल्ड और साका के अलावा पेनल्टी शूट आउट में इंग्लैंड के लिए कोल पाल्मर, ज्यूड बेलिंघम और इवान टोनी ने भी गोल किए।

तुर्की को हराकर नीदरलैंड यूरो 2024 के सेमीफाइनल में

बर्लिन। नीदरलैंड ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शनिवार को यहां क्वार्टर फाइनल मे तुर्की को 2-1 से हराकर यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के सेमीफाइनल में जगह बनाई।तुर्की को 35वें मिनट मे सामेत अकेदिन ने बढ़त बनाई जिसके बाद स्टीफन डि व्रिज ने 70वें मिनट मे स्कोर 1-1 कर दिया।डि व्रिज के गोल के छह मिनट बाद मर्ट मुल्डुर ने आत्मघाती गोल दागा जिससे नीदरलैंड ने 2-1 की बढ़त बना ली जो अंत मे निर्णायक साबित हुई। नीदरलैंड की टीम बुधवार को डोर्टमंड में दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगी। पहला सेमीफाइनल मंगलवार को स्पेन और फ्रांस के बीच खेला जाएगा।

आईपीएल और टेस्ट मैचों के बीच टकराव से बचने के लिए कार्यक्रम सुव्यवस्थित हो : कमिंस

लंदन। आस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस का मानना है कि टेस्ट मैचों के लिए एक विशेष विंडो की जरूरत है ताकि आईपीएल जैसी फ्रेंचाइजी आधारित लीग खेलने की इच्छा रखने वाले खिलाड़ी अपना व्यक्तिगत कार्यक्रम तय कर सकें और उसके अनुसार तैयारी करें। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए अब हर साल अप्रैल और मई में एक विशेष विंडो होती है जिस दौरान बहुत ज्यादा टेस्ट मैच नही होते। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड ने कमिंस के हवाले से कहा, कुछ देशो के लिए फ्रेंचाइजी क्रिकेट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अधिक आकर्षक है। उन्होंने कहा, अगर मै जाकर फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलूं तो मैं शायद आस्ट्रेलिया के लिए जितना खेलता हूं, उसके आधे या एक तिहाई मैच में बाहर रहूंगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।